नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 31

सोमवार, 15 से 21 सितम्बर 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

गोबर से अब हरित ऊर्जा बनेगी दिल्ली : रेखा गुप्ता 03

ट्रंप प्रशासन को झटका, जज ने ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को देश... 08

NCR समाचार

एशिया कप : अभिषेक शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड 10

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान 12

जीएसटी सुधारों से देश में उत्साह, पीएम मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन

आत्मनिर्भर भारत और जीएसटी सुधारों पर जोर

- विकसित राष्ट्र का लक्ष्य पाने देश को आत्मनिर्भर बनना होगा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में देशवासियों को नवरात्र और जीएसटी सुधारों को लेकर बधाई दी। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए नए सुधारों से देशभर में एक 'बचत उत्सव' का माहौल बना है, जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। पीएम मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया।

'वन नेशन, वन टैक्स' का सपना साकार

पीएम मोदी ने बताया कि जब 2014 में उनकी सरकार सत्ता में आई, तो जीएसटी को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों की चिंताओं को दूर करते हुए, सभी के सहयोग से एक ऐतिहासिक कर सुधार संभव हो सका, जिससे देश दशकों से चले आ रहे दर्जनों अलग-अलग करों के जाल से मुक्त हो गया। इससे 'वन नेशन, वन टैक्स' का सपना साकार हुआ।

उन्होंने कहा कि सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए, जीएसटी में नए बदलाव लागू किए गए हैं। अब केवल 5% और 18% के टैक्स स्लैब होंगे। इसका मतलब है कि रोजमर्रा के इस्तेमाल की ज्यादातर चीजें, जैसे खाने-पीने का सामान, दवाइयां, और अन्य घरेलू उत्पाद, अब सस्ते हो जाएंगे। लगभग

99% सामान, जिन पर पहले 12% टैक्स लगता था, अब 5% के दायरे में आ गए हैं।

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जाने-अनजाने में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सी विदेशी चीजें जुड़ गई हैं। हमारी जेब में कंघी देशी है कि विदेशी है, हमें पता ही नहीं। अब हमें इससे मुक्ति पानी होगी। हमें वो चीजें खरीदनी होंगी जो भारत में बनी हो, जिसमें हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो, हमें देश के घरों को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। गर्व से कहो कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं, मैं स्वदेशी सामान की बिक्री भी करता हूं। ये हर भारतीय का मिजाज बनना चाहिए। जब ये होगा तो भारत तेजी से विकसित होगा। मेरा आज सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह है कि आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान के साथ, स्वदेशी के इस अभियान के साथ अपने राज्यों में उत्पादन को गति दें। पूरी ऊर्जा और उत्साह से। निवेश के लिए माहौल बनाएं, जब केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढेंगे तो विकसित भारत का सपना पूरा होगा। इसी के साथ मैं इस बचत उत्सव की अनेक शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हमें आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमे देश में ही बनाना चाहिए। जीएसटी की दरें कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैन्युफैक्चरिंग और क्वालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हो। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भवः के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अगर हम इनकम टैक्स में छूट और जीएसटी में छूट को जोड़ दें तो एक साल में जो निर्णय हुए हैं, उससे देश के लोगों को 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। इसलिए यह बचत उत्सव बन रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में देश में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है। गरीबी को परास्त किया है और गरीबी से बाहर निकलकर एक बहुत बड़ा समूह नियो मिडिल क्लास के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। इस क्लास की अपनी महत्वाकांक्षाएं और सपने हैं। इस साल सरकार ने 12 लाख तक की इनकम को टैक्स मुक्त कर उपहार दिया और जब 12 लाख तक वेतन पर टैक्स शून्य हो जाए तो मध्यमवर्ग को तो काफी सुविधा हो जाती है। अब गरीब की बारी है. नियो मिडिल क्लास की बारी है। अब इन्हें डबल बोनांजा मिल रहा है। जीएसटी कम होने से देश के नागरिकों के लिए अपने सपने पूरे करना और आसान होगा। घर बनाना, स्कूटर-कार खरीदना हो, इन सब पर अब कम खर्च करना होगा। अब आपका घूमना भी सस्ता होगा, क्योंकि होटल के कमरों पर भी जीएसटी कम कर दिया गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि जब आपने हमें 2014 में मौका दिया तो हमने जीएसटी को अपनी प्राथमिकता बनाया। हमने हर राज्यों की हर शंका का निवारण किया। हर सवाल का समाधान खोजा। सभी राज्यों को साथ लेकर आजाद भारत का इतना बड़ा टैक्स सुधार संभव हो पाया। ये केंद्र और राज्यों के प्रयासों का नतीजा था कि देश दर्जनों टैक्स के जाल से मुक्त हो गया। अब पूरे देश के लिए एक जैसी व्यवस्था बनी है। वन नेशन, वन टैक्स का सपना साकार हुआ। साथियों रिफॉर्म एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया होती है। जब समय बदलता है, देश की जरूरत बदलती है तो नेक्सट जेन रिफॉर्म्स भी उतने ही आवश्यक होते हैं। वर्तमान जरूरतों और भविष्य को देखते हुए जीएसटी के नए सुधार लागू हो रहे हैं। अब सिर्फ 5 फीसदी और 18 फीसदी के ही टैक्स स्लैब रहेंगे। यानी रोजमर्रा के इस्तेमाल की ज्यादा सस्ती हो जाएंगे। खाने-पीने का सामान, दवाइयां, ब्रश-पेस्ट, बीमा। ऐसे ज्यादातर सामान पर या तो टैक्स शून्य होगा या 5 फीसदी टैक्स होगा। जिन सामानों पर पहले 12 फीसदी टैक्स लगता था, उनमें से करीब 99 फीसदी चीजें अब पांच फीसदी टैक्स के दायरे में हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग जगहों पर माल भेजना हो तो पता नहीं कितने चेक पोस्ट पार करने पड़ते थे, कितने फॉर्म भरने पड़ते थे। हर जगह टैक्स के अलग-अलग नियम थे। जब 2014 में देश ने मुझे प्रधानमंत्री पद का दायित्व सौंपा था, तब एक विदेशी अखबार में एक दिलचस्प उदाहरण छपा था। उसमें एक कंपनी की मुश्किलों का जिक्र था। उस कंपनी ने कहा था कि अगर उसे बंगलूरू से 570 किलोमीटर दूर हैदराबाद अपना सामान भेजना हो तो वो इतना कठिन था कि उन्होंने सोचा और कहा कि वो पसंद करती थी कंपनी कि पहले अपना सामान बंगलूरू से यूरोप भेजें और फिर वही सामान यूरोप से हैदराबाद भेजें। साथियों टैक्स और टोल के जंजाल से ये तबके हालात थे। और मैं आपको सिर्फ एक पुराना उदाहरण याद दिला रहा हूं। तब लाखों कंपनियों और देशवासियों को अलग-अलग तरह के टैक्स के जाल की वजह से रोज परेशानी होती थी। सामान को एक शहर से दूरे शहर पहुंचने के बीच जो खर्च बढ़ता था, वो खर्च भी गरीब को उठाना पड़ता था। वो खर्च ग्राहकों को उठाना पड़ता था। देश को इस से निकालना जरूरी था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के हर परिवार की खुशियां बढ़ेंगी। मैं देश के कोटि-कोटि परिवारजनों को नेक्सट जेन जीएसटी रिफॉर्म्स की बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। ये बदलाव भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाएंगे। कारोबार को और आसान बनाएंगे। निवेश को और आकर्षक बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी का साथी बनाएंगे। साथियों जब साल 2017 में जीएसटी रिफॉर्म्स की तरफ कदम बढ़ाया था, तब नया इतिहास रचने की शुरूआत हुई थी। आप सभी लोगों को देश के व्यापारी, अलग-अलग टैक्स के जाल में उलझे हुए थे। एंट्री टैक्स, सेल्स टैक्स, एक्साइज, वैट, सर्विस टैक्स न जाने भांति-भांति के दर्जनों टैक्स देश में थे। पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी बचत उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पसंद की चीजों को और ज्यादा आसानी से खरीद पाएंगे। हमारे देश के गरीब, मध्यम वर्गीय लोग, न्यू मिडिल क्लास, युवा, किसान, महिलाएं, दुकानदार, व्यापारी, उद्यमी, सभी को ये बचत उत्सव का बहुत फायदा होगा।

राहुल नेतृत्व की विफलताओं को स्वीकार करें: रीजीजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संस्थाओं पर निशाना साधने के बजाय अपनी बार-बार की चुनावी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरी' करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि कर्नाटक में मतदाता सूची से कांग्रेस मतदाताओं के नाम व्यवस्थित तरीके से हटाए जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने आरोपों को 'गलत और निराधार' बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उचित प्रक्रिया के बिना वोटों को हटाया नहीं जा सकता।

रीजीजू ने यहां फिक्की एफएलओ के एक कार्यक्रम से इतर कहा, 'अगर आप बार-बार चुनाव हारते हैं, तो आपको अपनी कमजोरियों और अपने नेतृत्व की विफलता को स्वीकार करना चाहिए। लेकिन इसके बजाय, आप संस्थाओं को दोष देना शुरू कर देते हैं। क्या यह सही तरीका है?

केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

रीजीजू ने कहा, 'अपनी चुनावी असफलताओं को छुपाने के लिए राहुल गांधी किसी अन्य संस्था को निशाना नहीं बना सकते या ध्यान भटका नहीं सकते। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को लोग स्वीकार नहीं करेंगे। मंत्री ने दावा किया कि गांधी की टिप्पणियां अक्सर भारत विरोधी दुष्प्रचार को प्रतिबिंबित करती हैं। रीजीजू ने कहा, 'पाकिस्तान जो भी विमर्श गढ़ता है, वही विमर्श राहुल गांधी और उनकी कंपनी भारत में भी फैलाती है। कई सालों से राहुल गांधी और उनकी कंपनी जो कहती आ रही है, उसका इस्तेमाल पाकिस्तान में भारत विरोधी समूह और तत्व करते पाए गए हैं।

देशभर में लाखों युवाओं ने नशा मुक्त और स्वदेशी भारत की शपथ ली

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मना रहा है जिसका समापन गांधी जयंती पर होगा। इस वर्ष जुलाई माह में वाराणसी में आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए, वर्तमान सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 21 सितंबर 2025 को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत के लिए युवाओं के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। 2000 से अधिक स्थानों पर युवा सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिनमें हजारों युवा सामूहिक रूप से नशा मुक्त और स्वदेशी भारत शपथ ले रहे हैं। यह अभियान अपने आप में इसलिए विशेष है कि युवा कार्यक्रम मंत्रालय और 'माई भारत' इसमें सूत्रधार की भूमिका निभा रहे हैं।

एनएसए डोभाल की कनाडाई समकक्ष के साथ बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने नई दिल्ली में 18 दिसंबर को अपनी कनाडाई समकक्ष नतालि जी. ड्रूइन से मुलाकात की। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच नियमित द्विपक्षीय सुरक्षा संवाद का हिस्सा थी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडा के समकक्ष मार्क कार्नी के बीच कनाडा के अल्बर्टा में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई चर्चा को आगे बढ़ाने का भी अवसर था। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक आधिकारिक बयान में शनिवार को यह जानकारी दी गई।

दोनों पक्षों के बीच इन मुद्दों पर हुई चर्चा

दोनों पक्षों ने माना कि राजनीतिक नेतृत्व के बीच उच्चतम स्तरपर फिर से भरोसे को बनाने और सहयोग को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय

सुरक्षा सहयोग समेत इन मुद्दों पर हुई चर्चा

संगठित अपराधों से लड़ने और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों ने सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और मौजूदा संपर्क तंत्रों को और मजबूत करने पर सहमति जताई।

क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर साझा किए विचार

दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया और क्षेत्रीय व वैश्विक घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के नए अध्याय के लिए करीबी सहयोग करने और सहयोग का दृष्टिकोण अपनाने पर सहमति जताई।

दिल्ली में आयोजित किया गया विदेश कार्यालय परामर्श

इन चचाओं के आधार पर भारत और कनाडा ने 19 सितंबर को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श (एओसी) आयोजित किया, जिसकी अगुवाई सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने की, जबकि कनाडाई पक्ष का नेतृत्व उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने किया। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ये परामर्श प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी के 17 जून 2025 को कनाडा के कनेनास्किस में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद हुए।

इन चचाओं ने भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति की समीक्षा करने और अन्य अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान किया। दोनों पक्षों ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के सम्मान और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित भारत-कनाडा संबंधों के महत्व की पुष्टि की।

जून 2025 के बाद हुई संबंधों में प्रगति

उन्होंने जून 2025 के बाद हुई प्रगति का स्वागत किया, जिसमें उच्चायुक्तों की वापसी भी शामिल है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने संबंधों में स्थिरता बहाल करने और एक रचनात्मक एवं संतुलित साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, नागरिक परमाणु, सुरक्षा व कानून प्रवर्तन, दुर्लभ खनिज, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संवाद तंत्र को फिर से सक्रिय करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति जताई थी।

एच-बी1 वीजा: खरगे-राहुल ने मोदी को बताया कमजोर प्रधानमंत्री

- एच-बी1 वीजा शुल्क में भारी वृद्धि करने का निर्णय भारतीयों के लिए निराशाजनक

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के एच-बी1 वीजा शुल्क में भारी वृद्धि करने के निर्णय को भारतीयों के लिए निराशाजनक बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक फिर अमेरिका के सामने कमजोर प्रधानमंत्री साबित हुये हैं।

श्री खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'प्रधानमंत्री जी जन्मदिन की फोन पर मिली बधाई के बाद आपको मिले रिटर्न गिफ्ट्स से देश के लोग दुखी हैं। ट्रम्प सरकार की ओर से आपके 'अबकी बार, ट्रम्प सरकार' जन्मदिन का रिटर्न गिफ्ट है, एच-1बी वीजा पर एक लाख डालर का वार्षिक शुल्क का सबसे ज्यादा असर भारतीय तकनीकी कर्मियों पर है क्योंकि 70 प्रतिशत एच-1बी वीजा धारक भारतीय हैं।

उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत आयात शुल्क पहले ही लगाया जा चुका है इससे देश के अकेले 10 क्षेत्रों को 2.17 लाख करोड़

रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। 'यूएस हायर एक्ट बिल' भारतीय आउटसोर्सिंग को लक्षित करता है और चाबहार बंदरगाह को छूट से हटाना हमारे रणनीतिक हितों के लिए नुकसानदेह है। यहाँ तक कि यूरोपीय संघ से भारतीय वस्तुओं पर शत-प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की बात की गई है। श्री ट्रम्प ने हाल ही में फिर से दावा किया है कि उनके हस्तक्षेप से पाकिस्तान के खिलाफ भारत की सैन्य कार्रवाई रोकी गयी है। यह दावा वह कई बार कर चुके हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने श्री मोदी पर तंज करते हुए कहा, भारतीय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हैं। गले मिलना, खोखले नारे लगाना, संगीत कार्यक्रम आयोजित करना और लोगों से 'मोदी-मोदी' का नारा लगवाना विदेश नीति नहीं है। विदेश नीति हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने, भारत को सर्वोपरि रखने और समझदारी तथा संतुलन के साथ मित्रता निभाने के बारे में है। इसे केवल दिखावटी दिखावा नहीं माना जा सकता जिससे हमारी दीर्घकालिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचने का खतरा हो।

छह दशक की सेवा के बाद रिटायर होगा मिग-21

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना का भरोसेमंद लड़ाकू विमान मिग-21 अब रिटायर होने जा रहा है। छह दशकों तक देश की वायुशक्ति की रीढ़ रहे इस विमान को 26 सितंबर को औपचारिक विदाई दी जाएगी। वायुसेना ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर मिग-21 को ह्यराष्ट्र के गौरव को आसमान तक ले जाने वाला वॉरहॉर्स बताते हुए विदाई दी। एक वीडियो में वायुसेना ने बताया कि दशकों तक इस विमान ने न सिर्फ युद्ध क्षेत्र में सफलता दिलाई, बल्कि पायलटों को प्रशिक्षित भी किया। अब मिग-21 की जगह स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए)

मार्क-1ए को शामिल किया जाएगा।

देश का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान 1963 में वायुसेना में शामिल हुआ मिग-21 भारत का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान था।

इसे सबसे पहले चंडीगढ़ स्थित 28 स्क्वाड्रन ह्यफर्स्ट सुपरसोनिक्स के नाम से तैनात किया गया। तभी से यह विमान भारतीय आकाश की सुरक्षा का अहम हथियार बना रहा। हर युद्ध में दिखाया दम -1971 के भारत-पाक युद्ध में मिग-21 ने अपनी ताकत दिखाते हुए ढाका स्थित गवर्नर हाउस को निशाना बनाया और पाकिस्तान के एफ-104 स्टारफाइटर को मार गिराया। -1999 में कारगिल युद्ध में पाक सेना की चौकियों को निशाना बनाया। इसने मिग-27 और मिराज-2000 को कवर दिया और एयरस्पेस को सुरक्षित रखा। -2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के एफ-16 को ढेर कर इसने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। तकनीकी खूबियां -2,175 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से उड़ान भरने की क्षमता -57,400 फीट तक उड़ान भर सकता है -आर-25-300 टर्बोजेट इंजन से लैस, जो तेज एक्सेलेरेशन देता है -अचानक हमले की स्थिति में तुरंत ऑपरेशन के लिए भरोसेमंद -डॉगफाइट और एयर-टू-एयर कॉम्बैट में तेजी से दिशा बदलने की क्षमता -लगातार अपग्रेड के कारण दशकों तक ऑपरेशनल रहा -सीमावर्ती छोटे रनवे और कठिन परिस्थितियों से भी उड़ान भरने में सक्षम भारी हथियारों से लैस 23 एमएम ट्विन-बैरल कैनन 2झ्4 एयर-टू-एयर मिसाइलें रॉकेट पॉड और बम ले जाने की क्षमता

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से थाईलैंड के फुकेत जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1089 को बम की धमकी मिली। जिसके चलते शुक्रवार देर रात विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद, सीआईएसएफ कर्मियों और हवाई अड्डे के अधिकारियों ने विमान की जाँच की, लेकिन उन्हें वहाँ कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बाद में पता चला कि यह एक झूठी धमकी थी। एयरलाइन ने बताया कि 19 सितंबर को सुरक्षा कारणों से मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को चेन्नई डायवर्ट कर दिया गया था। प्रोटोकॉल के अनुसार, अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और चेन्नई में विमान की आवश्यक सुरक्षा जाँच की गई। हालाँकि, इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को असुविधा हुई। यात्रियों को चेन्नई हवाई अड्डे पर कई घंटे बैठना पड़ा।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत को सीबीआई का बुलावा

देहरादून (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को सीबीआई ने फिर से नोटिस दिया है। इसकी जानकारी स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। उन्होंने कहा कि नोटिस को ग्रहण कर लिया है। वह यह अनुरोध कर रहे हैं सितंबर में वह यात्रा करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए उन्हें अक्टूबर के दूसरे अथवा तीसरी सप्ताह में बुलाया जाए। दरअसल रावत के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए उनके स्टिंग के बाद उन पर सीबीआई जांच चल रही है। अब उन्हें सीबीआई ने फिर नोटिस भेजा है। रावत ने कहा कि सीबीआई को उनकी फिर याद आई है। इससे ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। भाजपा के दोस्तों ने उन्हें चुनाव के लायक समझा है। भारत सरकार में बैठे लोग अब भी मानते हैं कि वह चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए धन्यवाद के साथ नोटिस को स्वीकार कर रहे हैं।

आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव मिलने से हड़कंप

बागेश्वर (एजेंसी)। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के तहत नदीगांव में मौजूद आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव संदिग्ध परिस्थितयों में मिला है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्वजन बिलख रहे हैं। दोफाड़ गांव निवासी 50 वर्षीय आनंद कालाकोटी पुत्र नंदन कालाकोटी का शव शनिवार सुबह आइसक्रीम फैक्टरी पास मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक भवाली से बाइक से आ रहा था। नदीगांव में जहां पर शव मिला वहां खून की उल्टी हुई हैं। शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं। मृतक का एक बेटा है जो कक्षा नौ में पढ़ता है।

दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के बीच हुई मुठभेड़, 2 बदमाश घायल, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी देर रात पुलिस और गोगी गैंग के बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान गैंग के तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। इनमें से दो को गोली लगी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इरफान, लालू और नितेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बदमाश कार में सवार थे और घेराबंदी के दौरान उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उन्हें काबू कर लिया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई जारी है। बदमाश अक्सर पुलिस का सामना होने पर गोलियां चलाने से भी परहेज नहीं करते, लेकिन इस बार पुलिस ने उन्हें अपनी ताकत का अहसास करा दिया। इधर, पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ड्रग्स और 13 पिस्टल भी बरामद कीं।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम धमकी

यहां बताते चलें कि शुक्रवार को ही दिल्ली के कई स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और छात्रों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

लोन वसूलने के लिए लोगों से गाली-गलौज और अश्लील मैसेज भेजता था कॉल सेंटर

-पुलिस ने छापामारा, 7 महिलाओं और संचालक समेत आठ को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। गुरुग्राम पुलिस ने एक बैंक ऋण वसूली एजेंसी के कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरोह के सदस्य लोगों को गाली-गलौज और अश्लील वॉयस भेजते थे। साथ ही बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान भी करते थे। पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारा और 7 महिलाओं और कॉल सेंटर संचालक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि परिसर से 10 मोबाइल फोन, 26 सिम कार्ड, एक डायलर मशीन और एक लैपटॉप बरामद किया है। यह कार्रवाई 12 सितंबर को एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई, जिसमें लोन वसूली के लिए अलग-अलग नंबरों से गाली-गलौज, अभद्र भाषा और बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन (पूर्व) में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में पुलिस ने दिल्ली के डाबड़ी स्थित कॉल सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस गैंग के प्रवीण (20), ईशा वर्मा (24), कहकशा (26), मौरिस सिन्हा (26), मुकेश चौहान (35), रीना बिष्ट (28), रोशनी (27) और रोज़ी (23) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कॉल सेंटर संचालक मुकेश चौहान पिछले दो सालों से बैंक लोन वसूली के लिए कॉल सेंटर चला रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर) ने कहा कि आरोपी बार-बार लोन न चुकाने वालों या उनके रिश्तेदारों को फोन करते थे।

शाह-नीतीश की मुलाकात में दोनों के बीच सीट को लेकर बनी सहमति...सहयोगी दलों से चर्चा बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में तब नई हलचल मच गई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह से होटल के कमरे में मुलाकात की थी। शाह तभी पटना में आयोजित अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हैं, कि यह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की तैयारियों का हिस्सा है। बता दें कि इस मुलाकात के दौरान बिहार भाजपा के नेताओं के अलावा नीतीश कुमार के दो खास सिपहसालार संजय झा और विजय चौधरी भी बैठक में शामिल हुए।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू)के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरुआती खाका खींचा जा चुका है। इस लेकर लोजपा (एलजेपी), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मत्स्यजीवी पार्टी (आरएलएम) जैसे सहयोगी दलों से भी बातचीत चल रही है। गठबंधन के भीतर सभी दलों को संतुलित हिस्सेदारी देने की कोशिश हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला नवरात्र के पावन पर्व के दौरान घोषित हो सकता है, जिसकी शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। पटना के सियासी गलियारों में इसकी चर्चा है कि एनडीए इस मौके को शुभ मानकर एकजुटता का संदेश जनता तक पहुंचाना चाहता है। यह वहीं समय होगा जब से आम लोगों को जीएसटी की नई दरों का लाभ मिलना शुरू होगा। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं। दुर्गा पूजा के बाद कभी भी इसका ऐलान हो सकता है। इस साल छठ के बाद वोटिंग की संभावना है।

2020 के चुनावों में जेडीयू की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही थी, जबकि बीजेपी बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। लेकिन हाल के दिनों में नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद समीकरण फिर बदल गए हैं। बीजेपी नेतृत्व यह सुनिश्चित करना चाहता है कि गठबंधन की एकता बनी रहे और विपक्षी गठबंधन इंडिया को चुनौती मिल सके। वहीं, नीतीश कुमार भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क होकर चाहते हैं कि उन्हें गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले।

संजय राउत का शिंदे पर हमला : मानसिकता बेहद निचले स्तर की... अब कोई बात बाकी नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा, गद्दार हम पर आरोप लगा रहे हैं। शिंदे की मानसिकता बेहद निचले स्तर की है, इस पर अब कोई बात बाकी नहीं। राउत ने कहा कि राजन विचारे पहले से ही शिवसेना में हैं और पूरी तरह हमारे साथ हैं। अगर वे हमारे साथ नहीं होते तो शिंदे भी आज नहीं होते। उन्होंने सवाल उठाया कि सतीश प्रधान को टिकट किसने दिया था—शिंदे ने या खुद बालासाहेब ठाकरे ने?

यूबीटी नेता ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट धीरे-धीरे बीजेपी में मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमने कभी बालासाहेब ठाकरे के साथ किसी और का फोटो नहीं लगाया। अगर हिम्मत है तो पीएम मोदी से बड़ा आनंद दिघे का फोटो लगाइए। ठाणे दौरे पर राउत ने कहा कि वे कल ही ठाणे होकर आए थे, बिना किसी सरकारी सुरक्षा और मीडिया के। उन्होंने दावा किया कि वे जहां चाहें जा सकते हैं क्योंकि वे शिवसेना के नेता हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर राउत ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली से मुंबई को क्यों नहीं जोड़ा गया? आपको सिर्फ मुंबई को गुजरात से जोड़ने की जल्दी है। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उद्धव ठाकरे 4 अक्टूबर को पुणे और मराठवाड़ा का दौरा करेंगे। साथ ही राउत ने विरोधियों को चेतावनी दी कि आलोचना करें लेकिन 'मर्यादा में रहकर', क्योंकि विधानसभा में मारपीट करना उनकी आदत बन चुकी है।

राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ कोर्ट ने शिकायत दर्ज करने का दिया निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। जिला अदालत ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। एक वकील ने याचिका दायर कर राहुल गांधी पर देशविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। कोर्ट ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए एक अक्टूबर की तिथी दी है। वकील नृपेंद्र पांडे ने याचिका में राहुल गांधी पर देश को अस्थिर करने के इरादे से राष्ट्रविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए आरोप लगाया कि चूंकि वे उस कार्यक्रम में मौजूद थे, जहां यह टिप्पणी की गई, इसलिए उन्हें भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 15 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में नवनिर्मित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने ने यह बयान दिया था। याचिका के अनुसार राहुल गांधी के शब्दों का अर्थ है कि कांग्रेस पार्टी भारतीय गणराज्य के विरुद्ध लड़ रही है। यह राष्ट्र के विरुद्ध बयान से कम नहीं था। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय राज्य शब्द भारत के लोगों और सभी संवैधानिक संस्थाओं, संसद, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दर्शाता है, जो मिलकर भारतीय गणराज्य का निर्माण करते हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि गांधी की टिप्पणी भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर हमला है। यह टिप्पणी ज़बान फिसलने के कारण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से सचेत होकर, जानबूझकर और देश को अस्थिर करने के इरादे से की गई। वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के राष्ट्र-विरोधी बयान ने भारत माता और भारत के 140 करोड़ लोगों का अपमान किया। याचिका में गांधी के पहले के भाषणों और विवादों का भी हवाला दिया गया ताकि यह तर्क दिया जा सके कि उनके कार्य और टिप्पणियां 'विदेशी और राष्ट्र-विरोधी शक्तियों' के प्रभाव में एक 'सुनियोजित साज़िश' का हिस्सा हैं।

केजरीवाल का बीजेपी सरकार पर तंज... 4 इंजन वाली सरकार दिल्ली को सुरक्षा नहीं दे पा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही बम की धमकियों को लेकर बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि एक साल में कई बार बम की धमकियां मिलने के बावजूद अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के स्कूलों को बार-बार बम की धमकियां मिल रही हैं। हर जगह दहशत फैली हुई है, स्कूल बंद हैं और बच्चों और अभिभावकों में डर का माहौल है... लेकिन एक साल में न कोई पकड़ा गया और न ही कोई कार्रवाई की गई। उन्होंने बीजेपी पर हमला कर सवाल उठाया, 4 इंजन वाली बीजेपी सरकार राजधानी की सुरक्षा भी नहीं संभाल पा रही है। माता-पिता हर दिन डर के साये में जी रहे हैं। यह सब कब खत्म होगा?

बात दें कि शनिवार सुबह दिल्ली के कई स्कूलों को फोन पर बम की धमकियां मिलीं, जिसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, और सर्वोदय विद्यालय शामिल थे। इन धमकियों के बाद, छात्रों और कर्मचारियों को तुरंत परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया।

डीपीएस द्वारका ने शनिवार के लिए स्कूल बंद कर दिया और अपरिहार्य परिस्थितियों का हवाला देकर मध्यावधि परीक्षाओं को स्थगित किया। स्कूल ने सर्कुलर में कहा, प्रिय अभिभावकगण, कृपया ध्यान दें कि अपरिहार्य कारणों से शनिवार, 20 सितंबर 2025 को स्कूल बंद रहेगा। सभी स्कूल बसों और निजी वैन/कैब को तुरंत वापस भेजा जा रहा है। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों को लेने के लिए स्टॉप पर अवश्य पहुँचें।

स्कूलों के अलावा, शहर के विभिन्न कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। 9 सितंबर को, नई दिल्ली स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच के बाद धमकी फर्जी पाई गई। उसी दिन, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय को भी इसी तरह की धमकियां मिली थीं। हालाँकि, डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार, ये धमकियां भी फर्जी निकलीं।

भारतीय वायुसेना प्रमुख ने बताया... आखिरकार क्यों चार दिन में ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आखिर क्यों महज चार दिनों में ही ऑपरेशन सिंदूर रोकना पड़ा। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर केवल चार दिनों में रोक दिया गया, क्योंकि भारत ने अपने उद्देश्यों को हासिल कर लिया था। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी संगठनों के नौ प्रमुख ठिकानों को नष्ट किया गया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, हमारा मकसद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना था। हमारी वायुसेना ने आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया। जब उद्देश्य पूरे हो गए, तब हमें युद्ध को समाप्त करने में देरी क्यों करनी चाहिए? प्रत्येक संघर्ष की एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है जो हमारी अगली तैयारियों, अर्थव्यवस्था और देश की प्रगति को प्रभावित करती है। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया को भारत से यह सबक सीखना चाहिए कि किसी संघर्ष को कैसे शुरू किया जाए और यथाशीघ्र कैसे समाप्त किया जाए। उन्होंने विश्व के चल रहे संघर्षों, जैसे रूस-यूक्रेन और इजरायल के युद्धों का जिक्र कर कहा कि ये युद्ध वर्षों से चल रहे हैं, क्योंकि कोई भी संघर्ष को समाप्त करने की रणनीति पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बदलने या अहंकार के कारण युद्ध को लंबा खींचना गलत है।

पूनावाला ने कहा- कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया था और इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। भाजपा ने पित्रोदा के उस बयान का हवाला देते हुए, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को घर जैसा बताया था को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी और शहजाद पूनावाला ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान से अनवरत प्रेम उसकी नीतियों में झलकता है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आतंकवादी हाफिज सईद से यासीन मलिक के जरिए बातचीत की, 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की। पत्रकार वार्ता में भंडारी ने कहा कि क्या कोई देशभक्त कभी यह कह सकता है कि आतंकी राज्य पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति के तहत आया है और यह 140 करोड़ भारतीयों व शहीद सैनिकों का अपमान है। भंडारी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पित्रोदा गांधी परिवार के करीबी हैं और लंबे समय से उनकी रणनीति तय करते हैं।

लालू परिवार में खटपट, मांझी की बहू का तंज... यह सब कुछ एक दिन होना ही था

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू और हम पार्टी की विधायक दीपा मांझी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रही लड़ाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह उनका घरेलू मामला है, लेकिन लालू परिवार में यह सब कुछ एक दिन होना ही था।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य को लेकर दीपा मांझी ने कहा, लाल के बड़े बेटे तेजप्रताप पहले ही बगावत कर चुके हैं। वे परिवार से अलग रहते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने कहा, ये लालू परिवार का घरेलू मामला है। अगर लालू प्रसाद यादव अपने परिवार को एकजुट करना चाहते हैं, तब उन्हें परिवार को साथ बैठाकर विवाद सुलझाना चाहिए।

लालू अपने बड़े बेटे तेज प्रताप पहले ही राजद से निकाले जा चुके हैं। इस बार लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के तेवरों ने नए विवाद को हवा दे दी है। इस विवाद की शुरुआत तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सदस्य संजय यादव को लेकर रोहिणी आचार्य के पोस्ट से हुई।

बात दें कि परिवार से बागवात कर चुके तेज प्रताप भी संजय यादव पर सवाल उठा चुके हैं। इस बार रोहिणी आचार्य ने संजय यादव पर सवाल दागे हैं। संजय राजद की बिहार अधिकार यात्रा में तेजस्वी वाली फ्रंट सीट पर बैठे थे। रोहिणी ने उसकी तस्वीर एक्स पर शेयर करते हुए निशाना साधा था। जब विवाद की शुरुआत हुई, तब डैमेज कंट्रोल के लिए रोहिणी आचार्य ने दो और तस्वीरें शेयर कीं।

अपनी पोस्ट में रोहिणी ने कहा, वंचितों व समाज के आखिरी पायदान पर खड़े वर्ग समूह को आगे लाना ही राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के सामजिक और आर्थिक न्याय के अभियान का मूल मकसद रहा है। इन तस्वीरों में समाज के इन्हीं तबके से आने वालों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभूति है।

राजा से रहता है सीधा संवाद, इसलिए भूटान में नहीं होती हिंसा या जनआंदोलन

-संकट आने पर जनता और सरकार दोनों ही राजा से मांगते हैं मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, श्रीलंका राजनीतिक अस्थिरता और जनआंदोलनों से जूझते रहे, उसी दौरान भूटान अपवाद बना रहा। हिमालय की गोद में बसा यह छोटा सा देश हैप्पीनेस इंडेक्स में ऊपर दिखाई देता है और यहां सड़कों पर शायद ही कभी बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन होते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर भूटान कैसे बचा रहा इस उठापटक से?

भूटान में 2008 तक पूरा शासन राजा के हाथों में था। चौथे राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक ने दूरदृष्टि दिखाते हुए लोकतंत्र की नींव रखी थी। उनके ऊपर कोई दबाव नहीं था, न कोई आंदोलन, लेकिन उन्होंने नेपाल जैसे हालातों से सबक लेते हुए खुद सत्ता साझा करने का फैसला किया। संविधान बना, चुनाव हुए और लोकतंत्र शांतिपूर्वक स्थापित हो गया। सत्ता का यह स्वैच्छिक हस्तांतरण जनता के विश्वास को मजबूत करने वाला साबित हुआ।

भूटान में राजा आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। वे हेड ऑफ स्टेट बने रहते हैं, लेकिन रोजमर्रा का शासन निर्वाचित सरकार ही चलाती है। संकट के समय जनता और सरकार दोनों ही राजा की ओर देखते हैं। इस कारण वहां सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसक आंदोलन नहीं होते हैं। भूटान की आबादी कम है और यहां बौद्ध धर्म माना जाता है। साझा सांस्कृतिक पहचान और परंपराएं लोगों को जोड़कर रखती हैं। इसके विपरीत नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में विविधता और जातीय तनाव राजनीतिक अस्थिरता की जड़ बने।

जानकारी के मुताबिक भूटान में प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित है। सरकार और राजशाही की आलोचना आसान नहीं। स्थानीय मीडिया छोटा है और वित्तीय रूप से सत्ता पर निर्भर है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रहती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अक्सर आरोप लगाती रही हैं कि असहमति की आवाज दबा दी जाती है। उदाहरण के तौर पर, नेपाली मूल के हजारों लोगों का विस्थापन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठा, लेकिन भीतर भूटान में यह मुद्दा दबा दिया गया।

भूटान के राजाओं ने जनता के बीच जाकर सीधा संवाद किया। गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनना और संकट के समय मदद करना, उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण बना। इस वजह से लोग असंतोष व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतरने के बजाय राजा पर भरोसा करते हैं। भूटान में स्थिरता की वजह राजशाही की दूरदृष्टि, लोकतंत्र का शांतिपूर्ण अंगीकरण, सामाजिक-सांस्कृतिक एकरूपता और मजबूत सेंसरशिप है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि यह शांति आंशिक है और सेंसरशिप की कीमत पर हासिल हुई है। इसके बावजूद भूटान अब तक उस प्रोटेस्ट कल्चर से बचा है, जिसने भारत के पड़ोसी देशों को हिला दिया है और सत्ता परिवर्तन भी हुआ है।

गोबर से अब हरित ऊर्जा बनेगी दिल्ली : रेखा गुप्ता

- नंगली डेयरी में बायोगैस प्लांट का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उद्घाटन
- मुख्यमंत्री ने कहा 11 सालों में आपने गायों को लेकर कुछ क्यों नहीं किया

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के लिए 200 टीडीपी क्षमता वाले पहले बायोगैस प्लांट का उद्घाटन नंगली डेयरी में शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत दिल्ली को यह ऐतिहासिक सौगात मिली है। इस दौरान सांसद कमलजीत सहरावत, कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, महापौर राजा इकबाल सिंह, विधायक संदीप सेहरावत समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बायोगैस प्लांट न केवल गोबर और डेयरी अपशिष्ट के प्रबंधन का स्थायी समाधान देगा बल्कि हजारों गौशालाओं और डेयरियों की समस्याओं का हल भी बनेगा। अब गोबर से हरित ऊर्जा बनेगी। पर्यावरण स्वच्छ होगा, यमुना का प्रदूषण घटेगा और किसानों और पशुपालकों को भी सहारा मिलेगा। यह पहल प्रधानमंत्री के हरित ऊर्जा अभियान को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और हरित राजधानी बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट 2018 में शुरू होकर 2025 में जाकर पूरा हुआ। केंद्र सरकार ने इस बायोगैस प्लांट के 2018 में पैसे दिए, लेकिन आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसे अपने कार्यकाल में पूरा ही नहीं कर पाएं। केजरीवाल हर बार काम न पूरा होने का आरोप केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर लगाते रहे और दिल्ली के अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। पिछली सरकारों के दौरान जो गोबर लोगों की परेशानी का सबब बना रहा, उसे हमारी सरकार ने धन कमाने का माध्यम बना दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर दिन हजारों टन गोबर दिल्ली की नालियों और नालों पर बहाकर जलजमाव और यमुना नदी को प्रदूषित करता रहा है, आज इस बायोगैस प्लांट के शुरू होने से इस समस्या का समाधान हो गया। यह प्लांट यमुना को स्वच्छ करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने आआपा नेताओं के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर गायों को लेकर किए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आआपा नेता मां, बच्चा और गाय सब पर राजनीति करते हैं। उन्होंने आआपा नेताओं से पूछा, ह्यआप की सरकार पिछले 11 सालों से दिल्ली में रही, तो आपने गायों को लेकर कुछ क्यों नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यआज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ईमानदार सरकार है, जो 24 घंटे काम कर रही है और दिल्ली की भाजपा सरकार समस्या का तुरंत समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर जो गाय घूम रही है, यह तो आआपा सरकार की देना है। मुख्यमंत्री ने कहा, आज हमारी सरकार ने दिल्ली के सभी जिलों में गौशाला बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है। बायोगैस प्लांट बनाएं, सीवर लाइनों और नाली-नालों की व्यवस्था को दुरुस्त करने पर काम जारी है। दिल्ली की हर कॉलोनी में पीने का पानी पहुंचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 15 साल कांग्रेस और 11 साल आआपा आकर चली गई और 27 सालों के शेष कामों को करने में थोड़ा समय लगेगा। दिल्ली की भाजपा सरकार जनता के आशीर्वाद से लगातार काम कर रही है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री के हरित ऊर्जा अभियान को सशक्त बनाते हुए, दिल्ली को स्वच्छ, आत्मनिर्भर और हरित राजधानी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि आज नंगली डेयरी में दिल्ली के लिए 200 टीडीपी क्षमता वाले पहले बायोगैस प्लांट का लोकार्पण श्रीमती गुप्ता द्वारा किया गया।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली पुलिस का तलाशी अभियान, पाँच बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक बड़ा तलाशी अभियान चलाकर पाँच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस अभियान में पुलिस ने 36 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की।

दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस ऑपरेशन में उपायुक्त आशीष मिश्रा समेत 350 पुलिसकर्मी शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने तीन अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, दो देसी कट्टे और 20 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा, अपराधियों के पास से एक लैपटॉप, सात मोबाइल फोन और 18 लाख 70 हजार 150 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए पाँचों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में भी बड़ी कार्रवाई

इसके पहले, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने भी एक बड़ा अभियान चलाते हुए कई जगहों पर छापेमारी की थी, जिसमें 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। उस ऑपरेशन में 500 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। उस छापेमारी में 15 पिस्तौल, बड़ी मात्रा में एमडीएमए, कोकीन, हेरोइन और नकद राशि बरामद की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक नेटवर्क को खत्म करना था।

दिल्ली के कई स्कूलों को फिर बम की धमकी, छात्रों को सुरक्षित निकाला गया, नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह फिर एक बार फिर कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी सुबह करीब साढ़े नौ बजे फोन कॉल्स और संदेशों के माध्यम से मिली, जिसके तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि धमकी पाने वाले स्कूलों में डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय और सर्वोदय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कुतुब मीनार (महरौली) शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि नजफगढ़ इलाके के स्कूलों को भी धमकी की कॉल प्राप्त हुईं।

सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड और स्वान दस्ता मौके पर पहुंच गई। सभी स्कूलों को तुरंत खाली कराया गया और छात्र-छात्राओं और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अभिभावकों को भी अलर्ट कर दिया गया।

पुलिस और बम निरोधक दस्ता ने पूरे परिसरों की गहन तलाशी ली लेकिन अब तक किसी भी स्कूल में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। शुरूआती जांच में इसे फर्जी धमकी माना जा रहा है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि धमकी कॉल किसने और कहां से मिली, इसकी जांच कर रही है। साइबर सेल और स्पेशल सेल को भी अलर्ट किया गया है ताकि धमकी देने वालों का पता लगाया जा सके।

गौरतलब है कि इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को ई-मेल और कॉल के जरिए झूठी बम धमकियां मिल चुकी हैं। इसी तरह की घटनाओं के चलते दिल्ली सरकार पहले ही स्कूल प्रशासन के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी कर चुकी है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। फिलहाल सभी स्कूलों को सुरक्षित घोषित किया गया है और पुलिस जांच जारी है।

दिल्ली बीएमडब्ल्यू दुर्घटना: गगनप्रीत कौर की जमानत याचिका पर टली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को दिल्ली बीएमडब्ल्यू सड़क दुर्घटना मामले की मुख्य आरोपी गगनप्रीत कौर की जमानत याचिका पर सुनवाई 24 सितंबर तक के लिए टाल दी।

अदालत ने पुलिस की इस दलील को स्वीकार कर लिया कि वे अभी तक उसका मोबाइल फोन और ड्राइविंग लाइसेंस जब्त नहीं कर पाए हैं। जांचकताओं ने न्यायिक मजिस्ट्रेट अंकित गर्ग को बताया कि वे इस समय उसे जमानत देने के पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि जांच अभी शुरूआती चरण में है।

अभियोजन वकील ने कहा कि हमें अभी तक आरोपी का मोबाइल फोन और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला है। कौर के वकील ने अदालत को बताया कि कौर का फोन उनके पति के पास है और शनिवार शाम तक वह इसे पुलिस को सौंप देंगे। उन्होंने दावा किया कि कौर का ड्राइविंग लाइसेंस पहले जांचकताओं को दे दिया गया था, लेकिन अगर यह अभी भी रिकॉर्ड में नहीं है, तो परिवार इसे दोबारा पुलिस को सौंप देगा।

14 सितंबर को धौला कुआं के पास हुए एक सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय के उप-सचिव नवजोत सिंह की मौत और उनकी पत्नी संदीप कौर के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में कौर को गिरफ्तार किया गया है। यह हादसा दोपहर करीब 1 बजे दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन के पास हुआ।

पीड़ित दंपत्ति मोटरसाइकिल से बंगला साहिब गुरुद्वारा से लौट रहे थे, तभी उन्हें कथित तौर पर गगनप्रीत कौर द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू कार ने टक्कर मार दी। हादसे के समय उनका पति पैसेंजर सीट पर बैठा था।

एक अन्य घटनाक्रम में अदालत ने आरोपी द्वारा दायर एक अलग आवेदन पर पुलिस को नोटिस जारी किया। इस आवेदन में दुर्घटना स्थल का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की गई थी।

दुर्घटना के बाद, पुलिस ने हत्या के प्रयास और लापरवाही से गाड़ी चलाने जैसे विभिन्न आपराधिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस सबूतों से छेड़छाड़ करने के संभावित प्रयासों की भी जांच कर रही है।

पुलिस ने विशेष अभियान में 67 लोगों को पकड़ा, भारी मात्रा में अवैध हथियार एवं मादक पदार्थ जब्त किये

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्व दिल्ली पुलिस ने जिले में संगठित अपराध पर कड़ा प्रहार करने के लिए एक विशेष अभियान 'ऑपरेशन आघात' का आरंभ किया। जिसमें पुलिस ने 67 लोगों को पकड़कर उनके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार और मादक पदार्थ जब्त किया है।

दक्षिणी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त संजय जैन और पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी के मार्गदर्शन में चलाए गए इस व्यापक अभियान का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों को जड़ से समाप्त करना और नागरिकों के मध्य सुरक्षा का भाव स्थापित करना है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्तों ऐश्वर्या शर्मा और ईशान भारद्वाज ने इस अभियान की निगरानी की।

ऑपरेशन के दौरान पुलिस दल ने जिले के सभी सक्रिय अपराधियों पर शिकंजा कसा, जिसके फलस्वरूप पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। इस एक दिवसीय कार्रवाई में 28 अपराधी अवैध हथियारों के साथ पकड़े गए। पुलिस ने उनके पास से 14 देसी पिस्तौल, एक परिष्कृत पिस्तौल, 24 कारतूस और 16 चाकू बरामद किए।

पुलिस ने अवैध गतिविधियों में संलिप्त अन्य व्यक्तियों को भी नहीं बख्शा। मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में नौ व्यक्ति पकड़े गए, जिनके पास से 5.985 किलोग्राम गांजा, 51 ग्राम हेरोइन, 54 ग्राम एमडीएमए नामक मादक पदार्थ और एक मोटर साइकिल जब्त की गई।

अवैध शराब के कारोबार में लगे 13 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 6338 शराब के अवैध क्वार्टर जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त, सट्टेबाजी और जुए के अड्डों पर छापा मारकर 13 जुआरियों को पकड़ा गया और उनके पास से 78,350 रुपये की राशि बरामद हुई।

संपत्ति संबंधी अपराध करने वाले पांच अपराधियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिनसे तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गईं। पुलिस ने विभिन्न निवारक धाराओं के तहत कुल 92 और 72 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की। साथ ही, दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 66 के अंतर्गत 103 वाहनों को भी जब्त किया गया।

रोहिणी में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो घायल और एक गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले में पुलिस और कुख्यात अपराधी लल्लू उर्फ अशरफ और उसके साथियों के बीच शनिवार तड़के एक मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक आरोपी को मौके से ही पकड़ लिया गया। इस घटना के बाद दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे।

पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि यह घटना बुद्ध विहार थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस की एक विशेष टीम गश्त कर रही थी, जब उन्हें एक गुप्त सूचना मिली कि गोगी गिरोह से जुड़ा लल्लू अपने साथियों के साथ गौ-रक्षक दल से जुड़े एक प्रमुख व्यक्ति के घर या दफ्तर पर हमला करने की योजना बना रहा है। पुलिस के अनुसार, लल्लू हाल ही में तीन लोगों की बर्बरतापूर्वक पिटाई करके उसका वीडियो इंस्टाग्राम पर डाल कर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता था।

पुलिस को देखकर शुरू की गोलीबारी

शनिवार तड़के करीब 2:40 बजे, पुलिस टीम ने रोहिणी सेक्टर-24 में बांके बिहारी मंदिर के पास एक संदिग्ध सफेद स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही कार सवारों ने पुलिस गश्ती वाहन में टक्कर मार दी और भागने की कोशिश करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में, पुलिस ने भी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में पुलिस ने 6 राउंड और बदमाशों ने 6-7 राउंड फायर किए।

इस दौरान हुई गोलीबारी में दो अपराधियों को पैरों में गोली लगी। उनकी पहचान लल्लू उर्फ अशरफ (23) और इरफान (21) के रूप में हुई है। वहीं, उनके तीसरे साथी नितेश (30) को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। लल्लू, जो गोगी गिरोह से जुड़ा है, पर हत्या के प्रयास और लूट सहित पांच गंभीर मामले दर्ज हैं, जबकि इरफान पर हत्या के प्रयास के दो मामले दर्ज हैं। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और गिरोह के नेटवर्क की जांच कर रही है।

सितंबर में बदला मौसम का मिजाज, दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी और बारिश का अनोखा मिश्रण

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल सितंबर का महीना दिल्ली के लिए मौसम के उतार-चढ़ाव से भरा रहा। जहां एक तरफ इस महीने अच्छी बारिश हुई, वहीं दूसरी तरफ गर्मी और उमस ने भी लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग के अनुसार, दिन में तापमान सामान्य से अधिक रहा, जबकि रातें थोड़ी ठंडी रहीं। इस साल मॉनसून के सक्रिय रहने के बावजूद सितंबर के मौसम में एक असामान्य पैटर्न देखने को मिला।

मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सितंबर 2025 में दिल्ली में बारिश के दिन अधिक रहे, जिससे कई दिनों तक तापमान सामान्य से नीचे रहा। हालांकि, 7 से 17 सितंबर तक मौसम शुष्क रहा, जिसके कारण अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस अवधि में गर्मी का असर स्पष्ट रूप से महसूस किया गया।

सितंबर 2025 में बारिश और तापमान के आंकड़े

आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 192.56 मिमी बारिश दर्ज की गई। शहर के बेस स्टेशन सफदरजंग में 13 दिन बारिश हुई, जिसमें से 14 सितंबर को सबसे ज्यादा 56.5 मिमी बारिश हुई थी। इस साल दिल्ली में कुल 137.11 मिमी बारिश हुई, जिसमें आठ दिन बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश 18 सितंबर को हुई, जो 45 मिमी थी।

तापमान की बात करें तो, इस महीने का सबसे अधिक तापमान 16 सितंबर को 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पिछले साल के 37.4 डिग्री सेल्सियस से कम था, लेकिन इस साल के रिकॉर्ड में यह सबसे अधिक रहा।

सितंबर का मौसम क्यों है असामान्य?

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, सितंबर का महीना अक्सर असामान्य रहता है। यह सर्दियों की शुरूआत से पहले का महीना होता है, लेकिन महीने के अंत में तापमान में वृद्धि देखी जाती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मॉनसून आमतौर पर 25 सितंबर के आसपास दिल्ली से वापस चला जाता है। इसके बाद आसमान साफ होने से तेज धूप निकलती है, जिससे तापमान बढ़ जाता है। मौसम विभाग ने फिलहाल 25 सितंबर तक बारिश की कोई संभावना नहीं जताई है, हालांकि मॉनसून की वापसी की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

एक नजर

मामूली विवाद में युवक की निर्मम हत्या, बाहरी उत्तरी पुलिस ने छह घंटे में तीन हत्यारोपियों को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी दिल्ली पुलिस ने अपनी त्वरित और समन्वित कार्रवाई से एक जघन्य हत्या के मामले को मात्र छह घंटे में सुलझा लिया है। स्वरूप नगर में मामूली विवाद के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके तीन अभियुक्तों को पुलिस ने महज छह घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू भी बरामद कर लिया है, जबकि चौथे फरार आरोपी की तलाश में गहन छानबीन जारी है। पुलिस उपायुक्त हारेश्वर स्वामी ने शनिवार को बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात लगभग 11:40 बजे घटी। स्वरूप नगर पुलिस थाने को सूचना मिली कि लोअर जीटीके रोड पर देवेंद्र (26) नामक व्यक्ति को चाकू मारा गया है। पुलिस दल तुरंत अस्पताल पहुँचा, जहाँ चिकित्सकों ने देवेंद्र को मृत घोषित कर दिया। पुलिस की छानबीन में पता चला कि यह वारदात रात करीब 8:30 बजे हुई थी। देवेंद्र का अपने परिचित चार व्यक्तियों पवन, विकास, अविनाश और रोहित के साथ किसी मसले पर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि पवन ने देवेंद्र को चाकू मार दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। इस घटना के बाद, स्वरूप नगर थाने में तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए, संयुक्त पुलिस आयुक्त विजय सिंह और पुलिस उपायुक्त हारेश्वर स्वामी के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी आलोक कुमार रंजन के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस दल का गठन किया गया। पुलिस दल ने तुरंत चश्मदीद गवाहों से पूछताछ की और रात भर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी निगरानी का सहारा लिया।

लूट, झपटमारी व चोरी के अपराधी दबोचे गए, छह से अधिक मामले सुलझे

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्रवाई से लूट, झपटमारी और चोरी की अनेक वारदातों का सफलतापूर्वक सुलझा लिया हैं। पुलिस टीम ने अज्ञात मामलों को सुलझाने से लेकर मौके पर झपटमार को पकड़ने और कुख्यात चोर को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। इन कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप, कुल मिलाकर छह से अधिक मामले हल हुए हैं और चोरी तथा झपटे गए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त निधिन वालसन ने शनिवार को बताया कि पुलिस अपराधियों पर निरंतर शिकंजा कस रही है और तकनीकी एवं मानवीय निगरानी के बल पर अपराधियों तक पहुँच सुनिश्चित कर रही है। इस दौरान पटेल नगर पुलिस ने 16 सितंबर को हुई लूट की एक घटना को सुलझाया है। शिकायतकर्ता से मोबाइल और 4 हजार रुपये लूट लिए गए थे। एसीपी सुनील कुमार और एसएचओ नवीन कुमार के निर्देशन में गठित दल ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जाँच की। गुप्त सूचना और तकनीकी निगरानी के आधार पर दो नाबालिगों को पकड़ा गया। उनकी निशानदेही पर लूटा गया एक मोबाइल, चोरी का एक मोबाइल और एक आईफोन बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी से क्षेत्र के तीन चोरी और लूट के मामले सुलझे हैं। एक अन्य त्वरित कार्रवाई 16 सितंबर की शाम जामा मस्जिद क्षेत्र में हुई। बीएसएफ के एक जवान का मोबाइल झपटकर दो बदमाश भाग रहे थे। जवान के शोर मचाने पर क्षेत्र में गश्त कर रहे एएसआई नीरज त्यागी और कांस्टेबल सुमित ने पीछा कर एक आरोपी खुरशीद उर्फ बोना (22) को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया। उसके पास से लूटा गया वीवो मोबाइल बरामद हुआ। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह और उसका साथी अनजान लोगों को आसान शिकार मानते थे। मध्य जिला के विशेष स्टाफ को भी बड़ी कामयाबी मिली। गुप्त सूचना के आधार पर, टीम ने अजमल खां पार्क से कुख्यात चोर मोहम्मद इमरान उर्फ जुनैद को गिरफ्तार किया। आरोपी पर पहले से लूट, चोरी और शस्त्र अधिनियम सहित सात से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके पास से दो चोरी के मोबाइल मिले।

पश्चिमी दिल्ली में छह अपराधी गिरफ्तार, लूट-चोरी की कई वारदातें सुलझीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के पश्चिमी जिले ने अलग-अलग अभियानों में कुल छह सक्रिय अपराधियों को गिरफ्तार कर नकदी, मोबाइल फोन, लैपटॉप, चोरी की स्कूटी व मोटरसाइकिल और हथियार बरामद किए हैं। इन कार्रवाइयों से लूट, स्नैचिंग, चोरी और वाहन चोरी के कई मामले सुलझ गए हैं। पश्चिमी जिला उपायुक्त पुलिस दराडे शरद भास्कर ने शुक्रवार को बताया कि मायापुरी थाना क्षेत्र में 17 सितंबर को दर्ज लूट की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों अंकुल (25) और लक्ष्य भारती (23) को दबोचा। लक्ष्य पर पहले से सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपियों से नकदी, छीना गया मोबाइल, चोरी की स्कूटी और धारदार हथियार बरामद हुए। राजौरी गार्डन व हरि नगर इलाका में पुलिस ने कुख्यात स्नैचर पारस गोगिया (29) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 7,000 रुपये नकद, छीना गया महंगा मोबाइल फोन, बटनदार चाकू और चोरी की स्कूटी मिली। आरोपी पर पहले से 25 आपराधिक मामले दर्ज हैं। तिलक नगर थाना क्षेत्र में 16 सितम्बर को हुई लूट-पाट की घटना के बाद पुलिस ने ऋषु गुप्ता उर्फ मटका (23) और अर्जुन उर्फ मन्नी उर्फ नासा (27) को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ पहले से 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से 2,400 रुपये और छीना गया मोबाइल बरामद किया। मोती नगर थाना क्षेत्र में एक बैग चोरी के मामले में पुलिस ने गंगा राम (35) को 48 घंटे में गिरफ्तार कर पीड़ित का लैपटॉप, चार्जर और ट्रॉली बैग बरामद किया है। हरि नगर व रघुबीर नगर इलाके में अलग-अलग गश्ती अभियानों के दौरान पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को दबोचा। इनमें देवेन्द्र उर्फ सूरज से चोरी की मोटरसाइकिल, डिलीवरी बैग और अन्य सामान बरामद हुआ। वहीं, नरेन्द्र उर्फ बीरजू से चोरी की स्कूटी और मोबाइल मिला। दोनों पर पहले से दर्जनों मुकदमे हैं। उपायुक्त ने बताया कि इन कार्रवाइयों से इलाके में बढ़ रही लूट, स्नैचिंग और वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगेगी। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

दिल्ली की अदालत ने अदाणी मानहानि मामले में आदेश को रद्द किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने चार पत्रकारों को अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के खिलाफ कथित मानहानिकारक टिप्पणियां हटाने के लिए कहने वाले आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि एक अंतरिम एकपक्षीय आदेश द्वारा लेखों को हटाने का प्रभाव 'व्यापक' था और इसका 'बिना सुनवाई के ही मुकदमे का फैसला सुनाने जैसा प्रभाव' था। जिला न्यायाधीश आशीष अग्रवाल ने कहा कि दीवानी अदालत का आदेश 'स्थायी नहीं' है और उन्होंने अपीलकताओं और एईएल का पक्ष सुनने के बाद एक नया आदेश पारित करने को कहा। न्यायाधीश पत्रकार रवि नायर, अबीर दासगुप्ता, अयासकांत दास और आयुष जोशी द्वारा दीवानी अदालत के छह सितंबर के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें उन्हें एईएल के खिलाफ कथित असत्यापित और मानहानिकारक सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोक दिया गया था। वकील वृंदा ग्रोवर उनकी ओर से पेश हुईं। गत 18 सितंबर को जारी और शुक्रवार सुबह उपलब्ध कराए गए अपने आदेश में, अदालत ने कहा, ह्यह्यइस अदालत के समक्ष प्रस्तुत तर्कों के आधार पर, मैं पाता हूं कि यह मामला छह सितंबर के आदेश पर रोक लगाने के लिए उपयुक्त है, क्योंकि अपीलकताओं को सुने बिना ही निचली अदालत द्वारा व्यापक निर्देश पारित कर दिए गए हैं।

मीरजापुर पुलिस ने नाबालिग अपहरण, चोरी व वारण्टी मामलों में 11 आरोपियों को किया गिरफ्तार, कार्रवाई जारी

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: थाना कछवां पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार जनपद मीरजापुर थाना कछवां दिनांकः19.09.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-159/2025 धारा 87,137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कछवां को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कछवां पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में दिनांकः19.09.2025 को उप निरीक्षक विनय कुमार दूबे मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्र से रेलवे स्टेशन कछवां रोड़ से नामजद अभियुक्त दाऊ यादव पुत्र अशोक कुमार निवासी मोहिउद्दिनपुर थाना जफराबाद जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर मा0न्यायालय/जेल भेजा गया। थाना कछवां पुलिस द्वारा अपहृता को भी बरामद किया गया है। थाना संतनगर पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित एक आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का मोनो ब्लाक बरामद थाना संतनगर जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 19.09.2025 को वादी कुद्दुन पुत्र रामदेव निवासी हिदवा कपडफोरी थाना संतनगर जनपद मीरजापुर द्वारा वादी के खेत से मोनो ब्लाक चोरी के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। तहरीर के आधार पर थाना संतनगर पुलिस द्वारा पर मु0अ0सं0-112/2025 धारा 303(2) बीएनएस अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।

सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी संतनगर को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 20.09.2025 को उप निरीक्षक इश्वर चन्द्र यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना संतनगर क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये 01 नफर अभियुक्त महेश कोल पुत्र टीरू कोल निवासी देवरी दुबार खास थाना संतनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त के कब्जे से चोरी का मोनो ब्लाक बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

3. थाना को0शहर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गि सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0शहर पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः 20.09.2025 को थाना को0शहर पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी दीपक बिन्द पुत्र वमन बिन्द निवासी मलई का बारी थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जनपद में कानून/शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने के क्रम में 11 व्यक्तियों का भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता(बीएनएसएस) अन्तर्गत धारा 170/126/135 में चालान किया गया, जिनका थानावार संख्यात्मक विवरण निम्नांकित है –

थाना विंध्याचल-04 थाना चील्ह-01 थाना पड़री-03 थाना अदलहाट-01 थाना हलिया-02

महिला थाना दुद्धी में मिशन शक्ति 6 का शुभारंभ, छात्राओं ने सुना सीएम का संबोधन

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जनपद के दुद्धी महिला थाना में शनिवार को मिशन शक्ति 6 शुभारभ के दौरान बालिकाओं व महिलाओं ने ऑनलाइन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्बोधन सुना. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को मुख्यमंत्री ने जानकारी दिया.उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत साफ है. अगर मिशन को कोई अनावश्यक फेल करने की कोशिश करता है तो उसे कुशलतापूर्वक उनको बताना है. सीएम ने आत्मरक्षा, जीवन कौशल और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

बौद्ध विरासत संरक्षण: ज्ञापन में बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने की मांग

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: महराजगंज जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से बिहार मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को बौद्ध विरासत बचाने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने की मांग की गई है। बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जाना चाहिए। वर्तमान में बौद्ध विरासत को नुकसान पहुंच रहा है और बौद्ध अनुयायियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। ज्ञापन सौंपने वाले संगठनों के प्रतिनिधि मिशन महाराजा बली सेना संगठन मध्य प्रदेश के संस्थापक राहुल नवरंग ने कहा बौद्ध विरासत को बचाना हमारा कर्तव्य है। हमें इसके लिए एकजुट होकर काम करना होगा। ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष नरेश कुशवाह ने कहा बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने से ही बौद्ध विरासत की रक्षा हो सकती है। भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष ने कहा बौद्ध अनुयायियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और हमें इसके लिए कुछ करना होगा। ज्ञापन सौंपने के बाद बौद्ध अनुयायियों ने कलेक्ट्रेट तक मार्च किया और नारे लगाए। उन्होंने बोधगया में बौद्ध विरासत के संरक्षण और बौद्ध समुदाय के अधिकारों की मांग की अब देखना यह है कि सरकार इस ज्ञापन पर क्या कार्रवाई करती है। सरकार से मांग बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जाए।

बौद्ध विरासत की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बौद्ध अनुयायियों की धार्मिक भावनाएं आहत न हों इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने की मांग बौद्ध अनुयायियों ने कलेक्ट्रेट तक मार्च किया और नारे लगाए। बौद्ध विरासत को बचाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया है और सरकार से मांग की गई है कि बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 के तहत बौद्ध स्थलों का प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपा जाए अब देखना यह है कि सरकार इस ज्ञापन पर क्या कार्रवाई करती है।

जिला कलक्टर ने किया शिविरों का निरीक्षण, योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थान: सेवा पर्व पखवाड़े के तहत जिलेभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ, भूमि एवं स्वामित्व पट्टों का वितरण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं से संबंधित सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने जायल उपखंड के छापड़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर एवं नगरपालिका जायल में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत छापड़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जिला कलक्टर पुरोहित ने शिविर में चल रही गतिविधियों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि नामांतरण, आपसी सहमति से विभाजन, रास्ते खोलने संबंधी प्रकरणों का त्वरित नियमानुसार निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्वामित्व योजना, बीपीएल सर्वे, किसान ऐप द्वारा गिरदावरी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन आवेदन, स्वास्थ्य शिविर तथा पशु टीकाकरण जैसी गतिविधियों का भी जायजा लिया और ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी रजत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नगरपालिका में आयोजित शिविर का भी किया निरीक्षण

नगरपालिका जायल में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण करते हुए जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पट्टों के लंबित प्रकरण, फायर एनओसी, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीकरण, भवन निर्माण स्वीकृति, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 एवं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जुड़े कार्य प्राथमिकता से पूरे किए जाएँ। उन्होंने शिविर स्थल पर हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया और कहा आमजन को आवेदन भरने में सहयोग उपलब्ध हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मूलभूत शहरी कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आमजन से संवाद कर व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया अन्त में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की प्रथम किस्त का वितरण भी किया।

मजौना पंचायत भवन बंद, जिम्मेदार अधिकारी लापता, जनता को रोजगार और जानकारी से वंचित

मोहित मिश्रा

मध्य प्रदेश: ग्राम पंचायत भवन मजौना की पंचायत भवन मे लटका है ताला सरपच सचिव सहायक सचिव का कोई रता-पता

नहीं है यह सब आज ही नहीं बलकि हर दिन का कार्य है निर्माण मजदूर संगठन एटक मध्य प्रदेश टीम द्वारा ग्राम पंचायत भवन मजौना का भ्रमण किया गया जिसमें ग्राम पंचायत भवन बंद पाया गया जिसमें संगठन के पदाधिकारी सभी मौजूद रहे जिला अध्यक्ष संतोष कुमार पाठक जिला सचिव राज मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा मीडिया प्रभारी रवि कुमार वैश्य और मोहित मिश्रा

ग्राम पंचायत मजौना का निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया की ग्राम पंचायत भवन में लटका हुआ है ताला ग्राम पंचायत खुलती ही नहीं है तो जनता को रोजगार और पंचायत संबंधी जानकारी कैसे मिलेगी स्निय ग्राम वासियों द्वारा बताया गया ग्राम पंचायत का कोई खुलने का समय नहीं है जब कभी मन होता है तो कभी-कभी खुल जाती है नहीं तो लगभग बंद ही रहती है ग्राम वासियों द्वारा बताया गया कि हमें रोजगार संबंधी कोई भी जानकारी नहीं दी जाती है हम लोगों को तो पता ही नहीं होता है कब पंचायत में रोजगार खुलता है और कब बंद हो जाता है सिर्फ कागजी कार्यवाही में मजदूर रहते हैं साहब जमीनी हकीकत तो कुछ और ही बयां कर रही है।

थाना परिसर में मिशन शक्ति केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया संवाद

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर अहरौरा शनिवार को दिन में 11:00 बजे थाना परिसर में थाना अध्यक्ष सदानंद सिंह की अध्यक्षता में मिशन शक्ति केंद्र के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वर्चुअल संवाद पुलिस टीम एवं गणमान्य व्यक्तियों के बीच सुना गया। वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 1647 मिशन शक्ति केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन किया। प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति केंद्र का उद्देश्य देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही है महिलाओं के शिकायत दर्ज करने से लेकर पुनर्वासन तक लाभ पहुंचाने का लक्ष्य इसका मुख्य उद्देश्य हैं।

इस मिशन शक्ति केंद्र में बच्चियों के जन्म से लेकर उच्च शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाना बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ एवं मंत्र बंधन योजना भी इसमें निहित है। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, भाजपा मंडल महामंत्री कृष्ण कुमार तिवारी, नाहर सिंह के साथ क्षेत्र गणमान्य लोग, समेत समस्त उप निरीक्षक गढ़ व पुलिस कर्मी एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

मधुबन बचाओ संघर्ष मोर्चा की आक्रोश रैली

किसानों की जमीन बचाने की मांग तेज

संदीप कुमार बरनवाल

झारखंड: बीसीसीएल बरोरा एरिया-1 क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष शुक्रवार को मधुबन बचाओ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एक दिवसीय आक्रोश रैली व धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और मजदूर शामिल हुए। उन्होंने बीसीसीएल पर किसानों की उपजाऊ जमीन को निजी कंपनी को सौंपने का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध दर्ज कराया। धरना स्थल पर किसानों और ग्रामीणों ने जमकर नारे लगाए। 'किसानों की जमीन का सौदा करने वाला बीसीसीएल जवाब दो', 'जमीन हमारी हक हमारा, नहीं चलेगा अन्याय दोबारा।' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने कहा कि किसानों की जमीन किसी भी कीमत पर निजी हाथों में नहीं जाने दी जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बीसीसीएल अपने जनविरोधी निर्णय को वापस नहीं लेता तो आंदोलन और व्यापक स्तर पर होगा। मंच पर मौजूद मधुबन

मुखिया कमलेश महतो, हलधर महतो (BCKU केंद्रीय सचिव सह माले नेता), लगन यादव (RCMU), स्वरूप मिश्रा (KMP), गोपाल महतो (BCKU), शेख रहीम (BCKU क्षेत्रीय सचिव एरिया-3) समेत कई जनप्रतिनिधियों और श्रमिक संगठनों के नेताओं ने भी बीसीसीएल की नीति की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह जमीन किसानों की आजीविका का आधार है और इसे किसी भी कीमत पर कॉरपोरेट के हवाले नहीं किया जाएगा। धरना में शामिल किसानों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे अपनी जमीन की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि किसानों की जमीन से संबंधित फैसले पर तत्काल रोक लगाई जाए और बीसीसीएल स्पष्ट जवाब दे। संघर्ष मोर्चा के नेताओं ने घोषणा की कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को जिला स्तर पर फैलाया जाएगा और आवश्यक हुआ तो राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा।

एक नजर

नवरात्रि से पहले विहिप ने मांस दुकानों और अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले के दुद्धी मे विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता ने दुद्धी नगर में अतिक्रमण व मांस मछली दुकानों को हटाने को लेकर एसडीएम दुद्धी को मांग पत्र सौंपा. शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में विहिप जिला सहमंत्री पीयूष अग्रहरि ने पत्र देते हुए कहा कि खुले क्षेत्र मे आवासीय इलाको में धड़ल्ले से मांस की विक्री बिना मानकों के किया जा रहा है. इसी प्रकार जाबर ग्राम के मुख्य मार्ग पर तथा महुली बाजार में मेंन रोड पर खुले आम मछली मांस का विक्रय किया जा रहा है।

जिससे आने वाले पवित्र नवरात्रि के त्योहार को देखते हुए सभी अवैध दुकानो को तत्काल बंद करें. वहीं कुछ ही दिनों पूर्व अभी नगर पंचायत व प्रशाशन द्वारा अतिक्रमण हटाया गया, लेकिन पुनः अतिक्रमण प्रारम्भ हो गया है. जिसकी जद में राहगीर आ रहे हैं. इसी प्रकार नगर पंचायत के तमाम संपर्क मार्ग भी अतिक्रमित हो रहे हैं। जिस पर उपजिलाधिकारी द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

जय बजरंग अखाड़ा के गुरु गोपाल का निधन, शिष्यों ने डंडा खेलकर दी अंतिम विदाई

आनंद कुमार/उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले के दुद्धीनगर स्थित जय बजरंग अखाड़ा समिति रामनगर के मुख्य गुरु (मार्गदर्शक) गोपाल जी का शुक्रवार की देर रात हार्ट अटैक से निधन हो गया. वे 72 वर्ष के थे और घटना के पूर्व तक बिलकुल स्वस्थ बताये जा रहे थे. उनके निधन की खबर सुनते पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गयी. शनिवार की प्रातः से ही अंतिम दर्शन के लिए उनके रामनगर स्थित आवास पर शुभचिंतकों का तांता लगा रहा. शनिवार को पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार कनहर-ठेमा नदी के संगम तट पर किया गया।

दिन के करीब 12 बजे उनके आवास से प्रारंभ हुई शवयात्रा में सैकड़ो की भीड़ उमड़ पड़ी. रामनगर अखाड़ा के पास उनके चहेते शिष्यों ने पीताम्बर व पुष्प अर्पित करते डंडा खेलकर अश्रुपूरित विदाई दी. इसी क्रम में श्रीसंकट मोचन चौक दुद्धी पर भी चेयरमैन कमलेश मोहन,जेबीएस केंद्रीय अखाड़ा के संरक्षक रामलोचन तिवारी, अध्यक्ष पंकज जायसवाल, महामंत्री दीपक शाह, रामलीला कमेटी अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रहरि व महामंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र जायसवाल व दिनेश आढ़ती, सेवानिवृत्त जिला जज राजन चौधरी समेत सैकड़ों लोगों ने चादर व पुष्प अर्पित कर,डंडा खेलकर उन्हें अंतिम विदाई दी।

एसटी दर्जे की मांग को लेकर कुर्मी समुदाय का 'रेल रोको' आंदोलन, झारखंड-बंगाल-ओडिशा में रेल सेवाएं बाधित

रोहित कुमार विश्वकर्मा/झारखण्ड: यह तस्वीर भारत में कुर्मी समुदाय के सदस्यों द्वारा "रेल रोको" (रेल नाकाबंदी) विरोध प्रदर्शन को दशार्ती है। शनिवार, 20 सितंबर, 2025 को हुआ यह विरोध प्रदर्शन, समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा पाने की मांग को लेकर एक बड़े, अनिश्चितकालीन आंदोलन का हिस्सा था। प्रदर्शन के बारे में मुख्य विवरण कौनः यह विरोध प्रदर्शन आदिवासी कुर्मी समाज सहित कुर्मी समुदाय के समूहों द्वारा आयोजित किया गया था। क्याः प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक अवरुद्ध कर दिए, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। इस आंदोलन को स्थानीय बोली में "रेल टेका, दहार छेका" के नाम से जाना जाता है, जिसका अर्थ है "रेल रोको, सड़कें अवरुद्ध करो। कहाँः यह विरोध प्रदर्शन झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न स्थानों पर हुए। तस्वीर में विशेष रूप से "कुर्मी को एसटी में शामिल करना होगा" का उल्लेख है, जो आंदोलन की मुख्य मांग है। क्योंः कुर्मी समुदाय दशकों से एसटी का दर्जा मांग रहा है। उनका तर्क है कि 1931 की जनगणना में उन्हें ऐतिहासिक रूप से एक आदिवासी समूह के रूप में वगीर्कृत किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी मे डाल दिया गया। यह समुदाय अपनी कुरमाली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की भी मांग कर रहा है।

तरबगंज पुलिस ने 9 वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

दीपक कौशल/उत्तर प्रदेश: यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी यू. पी. सिँह तरबगंज के निर्देश पर की गई। थाना तरबगंज के प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा निर्गत NBW वारण्टी के अनुपालन मे 09 नफर वारण्टी अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में महेश पुत्र अशोक कुमार निवासी नन्दराम पुरवा सरावां थाना तरबगंज जनपद गोण्डा,अरविन्द शुक्ला पुत्र कल्पनाथ शुक्ला निवासी नन्दराम पुरवा सरावां थाना तरबगंज जनपद गोण्डा, उमेश तिवारी पुत्र भरतलाल तिवारी निवासी नगदही थाना तरबगंज जनपद गोण्डा, लम्बरदार उर्फ राजकुमार पुत्र बेकारू निवास गोसाईपुरवा थाना तरबगंज जनपद गोण्डा, रामप्रकाश वर्मा पुत्र राधेश्याम वर्मा निवासी रामापुर दीनपुरवा थाना तरबगंज जनपद गोण्डा,तिलकराम पुत्र भगौती प्रसाद निवासी ढोढ़ेपुर बाजार थाना तरबगंज जनपद गोण्डा,श्यामू पुत्र तिलकराम निवासी ढोढ़ेपुर बाजार थाना तरबगंज जनपद गोण्डा, शिवकुमार पुत्र भगौती प्रसाद निवासी ढोढ़ेपुर बाजार थाना तरबगंज जनपद गोण्डा, अनिल पुत्र त्रिलोकीनाथ तिवारी निवासी गड़ेरियन पुरवा भानपुर थाना तरबगंज जनपद गोण्डा शामिल हैं।

गाजीपुर में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा द्वारा भव्य विश्वकर्मा पूजन समारोह संपन्न

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर के जिला पंचायत कार्यालय में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा गाजीपुर द्वारा विशाल विश्वकर्मा पूजन उत्सव समारोह का आयोजन किया गया जिसमें श्री राम अवतार विश्वकर्मा कार्य कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार सभा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेश विश्वकर्मा राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा प्रदेश सचिव सपा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के जब सरकार बनेगी तो विश्वकर्मा पूजा का सार्वजनिक अवकाश होगा व गोमती नगर रिवर फंड लखनऊ में विश्वकर्मा मंदिर बनेगा सोने का सिंहासन और विश्वकर्मा मैदान बनेगा गाजीपुर के सांसद माननीय अफजाल अंसारी ने कहा कि विश्वकर्मा समाज जन्मजात इंजीनियर है.अपने मेहनत और ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं भगवान राम का लंका जाने के लिए नल मिल ने पुल बनाया जो विश्वकर्मा के पुत्र थे।

बहुत गौरव शक्ति इतिहास है डॉक्टर वीरेंद्र यादव जंगीपुर विधायक ने कहा कि पूरे प्रदेश में विश्वकर्मा समाज का संगठन बहुत मजबूत है अपने मेहनत से समाजवादी पार्टी को मजबूत करते हैं सरकार का बनने में मदद किया विश्वकर्मा समाज में माननीय जय किशन साहू विधायक सदर ने कहा कि विश्वकर्मा समाज इतना ईमानदार है की अपनी मजदूरी भी नहीं मांग पाते अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा गाजीपुर द्वारा विशाल विश्वकर्मा पूजन समारोह की अध्यक्षता श्री राम अवतार विश्वकर्मा कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा मुख्य अतिथि श्री राजेश विश्वकर्मा राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा मुख्य प्रवक्ता श्री हरेंद्र विश्वकर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय श्री डॉक्टर मदन मोहन विश्वकर्मा प्रदेश सचिव श्री गोपाल यादव जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी गाजीपुर माननीय अफंजाल अंसारी जी सांसद गाजीपुर माननीय डॉक्टर वीरेंद्र यादव विधायक जंगीपुर माननीय जय किशुन साहू जी विधायक सदर. श्री रामधारी यादव पूर्व जिला अध्यक्ष श्री रविंद्र प्रताप यादव जिला उपाध्यक्ष श्री मन्नू सिंह जी श्री अमित ठाकुर जिला अध्यक्ष संचालक श्री कन्हैया लाल विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष कार्यक्रम आयोजक श्री शशिकांत विश्वकर्मा प्रधान. श्री रीता विश्वकर्मा महिला जिला अध्यक्ष श्री राम नारायण विश्वकर्मा जिला संरक्षक श्री अवधेश विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष श्री दीनानाथ विश्वकर्मा श्री ओम प्रकाश विश्वकर्मा श्री रविंद्र प्रताप यादव जिला अध्यक्ष श्री शिवकुमार यादव जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग श्री गंगासागर विश्वकर्मा विशेष सचिव. श्री चंद्रमा विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष श्री अमित ठाकुर जिला अध्यक्ष लोहिया वाहिनी श्री कृपा शंकर विश्वकर्मा जमानिया तहसील अध्यक्ष श्रीमती रीता विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ डॉक्टर प्रमोद विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष श्री राम जन्म विश्वकर्मा श्री संजय विश्वकर्मा कपिल देव विश्वकर्मा अजय विश्वकर्मा तुलसी विश्वकर्मा विनोद विश्वकर्मा सुरेंद्र विश्वकर्मा अमरनाथ विश्वकर्मा राजबली विश्वकर्मा राम जन्म विश्वकर्मा विकास विश्वकर्मा लल्लन विश्वकर्मा अमित विश्वकर्मा गुलशन विश्वकर्मा देवेंद्र विश्वकर्मा नंदलाल विश्वकर्मा राजीव विश्वकर्मा आदि विश्वकर्मा लोग इस कार्यक्रम में एक जुट के साथ भाग लेकर विश्वकर्मा पूजन का समापन किया गया।

फर्जी सील से लाखों की खाद चोरी, तेंदूखेड़ा में बड़ा घोटाला उजागर

धर्मेंद्र साहू

मध्य प्रदेशः तेंदूखेड़ा नगर के डबल लॉक गोदाम से सरकारी अधिकारियों की लापरवाही से शासकीय सील बनाकर हजारों बोरी यूरिया खाद निकलकर बेचने का मामला सामने आया है मीडिया को जानकारी लगते ही पुलिस को सूचना दी गई जिस पर थाना प्रभारी ने सक्रियता से कार्यवाही की और एक युवक को थाने पकड़कर लाई और लाखों की खाद हेराफेरी मामले की जांच शुरू कर दी साथ विपणन संघ की सील कहा से बनवाई डबल लॉक के प्रभारी तूफान पटेल के पुत्र ने पकड़ी चोरी जब सजल साहू नामक युवक को जब एक पर्ची से 6 बोरी खाद ले गया।

तब गोदाम परिवारिक पुत्र पीयूष पटेल को शक हुआ चुकी एक पर्ची पर सिर्फ दो बोरी खाद देने का नियम था साथ ही उक्त पर्ची में

नंबर नहीं था जिसके चलते महीनों से हो रही खाद की चोरी पकड़ में आई चुकी प्रशासन की पर्ची नंबर नहीं छपा होता था संबंधित खुद पेन से नंबर लिखकर किसानों को देते थे इस मामले एक महिला का नाम सामने आ रहा है सजल साहू पिता शैलेंद्र साहू बंटी साहू मालगुलर तेंदूखेड़ा; पर

धारा 318 (४) 420 कूट रचित दस्तावेज तैयार करना के तहत मामला दर्ज विवेचना के बादऔर धाराएं बढ़ सकती है।

सपा को झटका दिलशाद मलिक सैकड़ों समर्थकों संग BSP में शामिल

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः पंचायत प्रत्याशी दिलशाद मलिक ने सैकड़ो समर्थकों के साथ थामा बहुजन समाज पार्टी का दामन सहारनपुरः समाजवादी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है, जब पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी दिलशाद मलिक ने सैकड़ो समर्थकों के साथ बहुजन समाज पार्टी का दामन थाम लिया है। इस घटनाक्रम ने सपा की चिंता बढ़ा दी है और बीएसपी के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। दिलशाद मलिक ने अपने समर्थकों के साथ बीएसपी की सदस्यता ग्रहण की और कहा कि वे बीएसपी की नीतियों और मायावती के नेतृत्व में विश्वास रखते हैं उन्होंने कहा कि बीएसपी ही एकमात्र पार्टी है जो दलितों पिछड़ों शोषितों और मुसलमानों के हितों की बात करती है दिलशाद मलिक की जीत की कहानी।

दिलशाद मलिक का बीएसपी में शामिल होना एक बड़ी सफलता है। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक बड़ा बदलाव लाने का फैसला किया है। दिलशाद मलिक ने कहा हम बीएसपी के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश

की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लाएंगे हम दलितों पिछड़ों शोषितों और मुसलमानों के हितों की रक्षा करेंगे और उनकी आवाज को मजबूत करेंगे बीएसपी की जीत की रणनीति बीएसपी ने दिलशाद मलिक के शामिल होने का स्वागत किया है और कहा है कि इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी बीएसपी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल ने कहा दिलशाद मलिक का बीएसपी में शामिल होना एक बड़ी सफलता है। हमें उम्मीद है कि वे अपने समर्थकों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव लाएंगे।

भारतीय किसान यूनियन ने मीरगंज बिजली विभाग पर किसानों के गलत बिल भेजने पर दिया ज्ञापन

राजू

उत्तर प्रदेशः आज भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारीयों ने मीरगंज बिजली पावर हाउस पहुंचकर किसानों का गलत बिल बनाकर भेजने एवं बिजली बिल का समाधान एवं संशोधन न करने पर नाराजगी व्यक्ति की। मंडल उपाध्यक्ष इमरान अली खान ने बताया कि मीरगंज बिजली विभाग की तरफ से किसानों के गलत बिल बनाकर भेज दिए गए। जब किसान बिजली बिल को ठीक करने एवं संशोधन करने के लिए जाते हैं वहां बैठे बिजली विभाग के कर्मचारी कोई बात सुनने को तैयार नहीं और किसानों को कोई ना कोई बहाना बनाकर उन्हें वापस कर देते हैं। जिसमें किसानों का बिल जमा नहीं हो पा रहा है। जिससे किसानों को बहुत परेशानी हो रही है। नीचे से लेकर ऊपर तक भ्रष्ट अधिकारी बैठे हुए हैं, मंडल उपाध्यक्ष इमरान

अली खान ने बताया कि हमने बिजली विभाग के एसडीओ से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन देकर नरखेडा की गोटिया निवासी रब्बानी पुत्र छिददन एवं अन्य किसानों का बिजली बिल ठीक कर बिल

जमा करने की बात कही है। एसडीओ ने किसानों के बिजली बिल ठीक करने का आश्वासन दिया। बरेली मंडल अध्यक्ष चौधरी अरुण सिंह राठी ने बताया कि अगर बिजली विभाग के कर्मचारीयों एवं अधिकारियों ने किसानों के बिजली बिल अगर 2 दिन में ठीक नहीं किये तो 2 दिन बाद बिजली घर पर एक बड़ा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। और भ्रष्ट अधिकारियों के दिमाग सही करने का काम किया जाएगा।ज्ञापन देने वालों में मंडल अध्यक्ष चौधरी अरुण सिंह राठी, मंडल उपाध्यक्ष इमरान अली खान, युवा मंडल उपाध्यक्ष रेहान, मीरगंज तहसील अध्यक्ष ठाकुर राजन सिंह, जिला उपाध्यक्ष फाजिल खान, रियाज खान, आमिर खान आदि लोग मौजूद रहे।

माई की महापंचायत की पहल पर मंत्री उदय प्रताप ने दुर्गा पंडालों की टीसी राशि ली जिम्मेदारी

अरुण श्रीवास्तव

मध्य प्रदेशः शहर की समस्त दुर्गा उत्सव समिति को होने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु एक मंच पर लाने के प्रयास के साथ "माई की महापंचायत" नामक मंच का विगत दिवस गठन किया गया। जिसके माध्यम से दुर्गा उत्सव समिति को विद्युत विभाग से टीसी की राशि संबंधित समस्या के लिए गतदिवस कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक उदय प्रताप को अवगत कराया गया।

जिसे माननीय मंत्री महोदय द्वारा त्वरित गंभीरता से समाधान करते हुए सभी समितियो की टीसी राशि स्वयं के द्वारा प्रदान करने की घोषणा की गई। महापंचायत ने मंत्री उदय प्रताप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया सम्मान क्षेत्रीय विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन में स्कूल शिक्षा तथा परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह का माई की महापंचायत एवं सभी दुर्गा उत्सव समितियां के अध्यक्ष व समिति सदस्य की मौजूदी में आभार व्यक्त किया गया। साथ ही माई की महापंचायत की ओर से आशीष राय में कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का साल एवं श्रीफल से कृतज्ञता ज्ञापित प्रगट कर अभिवादन किया गया। वहां मौजूद सभी ने खुशी जाहिर करते हुए मंत्री जी के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, महाविद्यालय अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन, मिनेंद्र डागा, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रितेश राय, पूर्व नपा उपाध्यक्ष कमल खटीक, पूर्व पार्षद मनोज पटेल, अभिषेक सराठे, सुनील ठाकुर, आशीष राय, सतीश साहू, सुजीत चौधरी, बबला राय सहित अनेक सभी दुर्गा समितियों के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान से 25 हजार महिलाओं को मिला स्वास्थ्य लाभ

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए चलाए जा रहे स्वस्थ नारी सषक्त परिवार अभियान ने समाज में नई ऊर्जा और जागरूकता पैदा की है। अभियान के तहत अब तक की प्रगति रिपोर्ट के मुताबिक नागौर जिले में 25 हजार से अधिक मरीजों को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। अभियान के अंतर्गत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में लगाए जा रहे

महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों में ब्लड प्रेशर, शुगर, हीमोग्लोबिन, हड्डियों की जाँच, कैंसर की शुरूआती स्क्रीनिंग, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श जैसी सुविधाएँ दी जा रही हैं। साथ ही, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम महिलाओं को संतुलित आहार, योग एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मार्गदर्शन भी प्रदान कर रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जुगल किशोर सैनी का कहना कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मातृशक्ति के मंगल स्वास्थ्य की कामना को लेकर 17 सितम्बर को शुरू किए गई इस राष्ट्रव्यापी पहल से मातृ मृत्यु दर में कमी आएगी और आने वाली पीढ़ियाँ अधिक स्वस्थ होंगी। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्रसिंह खींवसर के मार्गदर्शन व जिला कलक्टर अरूण पुरोहित के निदेर्शानुसार टीम हैल्थ नागौर द्वारा संचालित इस स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत समाजसेवी संगठनों और स्वयंसेविकाओं की सक्रिय भागीदारी से अभियान को और अधिक गति मिल रही है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर महेश वर्मा ने बताया कि अभियान की विशेषता यह है कि यह केवल स्वास्थ्य सेवाएँ ही नहीं दे रहा, बल्कि महिलाओं को अपने परिवार और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित भी कर रहा है। गाँव-गाँव और वार्ड-वार्ड चल रहे इस अभियान ने महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया है कि वे अपनी और अपने परिवार की सेहत को प्राथमिकता दें। वहीं दूसरी ओर अभियान के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में लाभान्वित महिलाओं का ह्लपहले हमें छोटी-छोटी बीमारियों को लेकर भी अनदेखी करनी पड़ती थी, लेकिन अब घर के पास ही स्वास्थ्य सेवाएँ मिलने से जीवन आसान हो गया है।

एक नजर

शराबबंदी को लेकर भगवती मानव कल्याण समिति की विशाल रैली

धर्मेंद्र साहू/मध्य प्रदेशः जबलपुर जिले के पाटन क्षेत्र में भगवती मानव कल्याण समिति ने शराब माफिया पर रोक लगाने के लिए एक विशाल रैली आयोजित की। इस रैली में समिति के सदस्य जैसे किसान चौधरी, भगरध चौधरी, अमित चौधरी, गुड्डा पटेल, अरविंद सिंह पटेल, नवल सिंह, टैक सिंह, विनीद यादव और सेवाराम सिंह ने वा भगवती मानक कल्याण समस्त समिति ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। समिति ने क्षेत्र में शराब बंदी और युवाओं को नशामुक्त समाज बनाने के लिए समुदाय में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

इस अभियान का उद्देश्य अवैध शराब की तस्करी को रोकना, सामाजिक सुरक्षा बढ़ाना और क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य और समृद्धि की रक्षा करना है। रैली के माध्यम से स्थानीय जनता को शराब के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया गया और सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की गई। भगवती मानव कल्याण समिति का मानना है कि सामूहिक प्रयासों से ही शराब माफिया को जड़ से खत्म किया जा सकता है और क्षेत्र में खुशहाली लाई जा सकती है। यह रैली समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए एक मजबूत संदेश है, जिसने स्थानीय प्रशासन और जनता से भी व्यापक समर्थन हासिल किया है।

डांग में राज्यपाल के समक्ष प्राकृतिक खेती का परिसंवाद, जिले को आदर्श बनाने की कामना

घीसाराम फुआजी चौधरी/गुजरातः डांग जिले के वघई कृषि विद्यालय में 'प्राकृतिक कृषि : प्रकृति के शरण में' परिसंवाद का आयोजन हुआ। इस अवसर पर किसान भाइयों-बहनों, कृषि अधिकारियों, मास्टर ट्रेनरों और कृषि सखियों से संवाद किया। प्राकृतिक खेती वास्तव में शुद्ध सूक्ष्म जीवाणुओं द्वारा होने वाली खेती है। केवल एक देशी गाय के गोबर और गौमूत्र से 30 एकड़ भूमि पर खेती संभव है। इसमें लागत न्यूनतम और लाभ अधिक मिलता है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बनते हैं। प्राकृतिक खेती अपनाने से भूमि में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ती है, जिससे भूमि की उर्वरता, नमी संग्रहण क्षमता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है।

आज विश्वभर में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़े हैं। प्राकृतिक खेती इन चुनौतियों से बचाव का सशक्त उपाय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भी इसे बढ़ावा दे रहे हैं। डांग जिले के 311 गाँव 100% प्राकृतिक खेती अपनाएं और डांग जिला पूरे देश में प्राकृतिक खेती का आदर्श जिला बने, यही मेरी कामना है।

शीदिया हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट ने सिवाल खास में पर्यावरण संरक्षण अभियान शुरू किया, 201 पौधे लगाए

फहीम/उत्तर प्रदेशः रशीदिया हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट" के द्वारा रशीदिया पर्यावरण संरक्षण अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि ट्रस्ट के सचिव व नगर पंचायत सिवाल खास के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर समाजसेवी मास्टर शादाब खान ने मास्टर अलाउद्दीन साहब , मोहम्मद तसलीम चौहान , डॉ मोहम्मद फहीम, डॉ मोहम्मद नौशाद चौहान, डॉ मोहम्मद इमरान खान, डॉ शाहिद , मोहम्मद सारिक , हाफिज उस्मान साहब इमाम चांद मस्जिद, संयुक्त रूप से सागौन का पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ किया। सिवाल खास के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर मास्टर शादाब खान ने बताया,कि "रशीदिया हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट" ने पर्यावरण संरक्षण अभियान के प्रथम चरण में सिवाल खास में विभिन्न स्थानों पर 201 पौधे लगाए हैं, उन्होंने कहा कि धरती को बचाने का एकमात्र साधन पेड़ लगाना ही है, उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाने चाहिए। जिससे पर्यावरण को सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के पर्यावरण बचाने के लिए सभी से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान क्या है। इसी प्रेरणा से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है उन्होंने कहा कि यह भावनात्मक आंदोलन है और इसको सामाजिक आंदोलन बनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर हकीम सुबहान अली, मोहम्मद इकराम, उम्मेद अली, मोहम्मद फरमान, वसीम ठेकेदार, बाबा अफसर अली आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

बिहार चुनाव दिलचस्प होगा

हाजीपुर में मंगलवार की रात जन सुराज यात्रा के दौरान प्रशांत किशोर ने लालू परिवार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि लालू परिवार की वापसी से बिहार में जंगल राज लौट सकता है। प्रशांत किशोर ने लालू यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। बिहार और बिहार के लोग लालू-राबड़ी के जंगलराज से परिचित हैं, लेकिन 90 के दशक में जंगलराज का मतलब केवल बूथ लूटना, लूट-हत्या, छेड़खानी या लालू यादव की बेटियों की शादी के लिए गाड़ियों के शोरूम से नई गाड़ी उठाई गई ऐ मैं नहीं, पटना हाईकोर्ट ने 1990 से 2005 तक बिहार में लालू-राबड़ी शासनकाल को 'जंगलराज' की संज्ञा 1997 में दी थी.उस समय जमीन लूटना, गोली मरना, चोरी और गन्दी फिल्मों का रिलीज होना आम बात था नौकरी के लिए पैसा देना पड़ता था नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने अपने सराहनीय प्रयास से बिहार में जंगल राज को खत्म किया पहले दिन में ही डाका पड़ता था थाने वाले भी उसे पकड़ने में नाकाम रहते और छोटे व्यापारी को चंदा देना होता था अपहरण की कितनी घटना हुई शिक्षा का भी व्यापार हुआ इसलिए बिहार से जो लोग भी नौकरी की तलाश में दूसरे राज्य में जाते तो इंटरव्यू में उल्टा क्वेश्चन पूछ कर भगा दिया जाता, मैंने वहाँ से 1992 में 3 साल का बीएससी का कोर्स 5 साल यानी 1994 में पूरा किया और कई बार बिहार की डिग्री के कारण अच्छे अच्छे संस्थान में इंटरव्यू में फेल हुआ क्योंकि जब कमिटी डिग्री देखती तो उसे भरोसा ही होता की सही है एक बार एक मास्टर डिग्री के छात्र को किसी अनुसंधान संस्थान, इंदौर में रिटेन के बाद इंटरव्यू देना पड़ा तो बिहार का डिग्री सुन कर लालू यादव के बारे में सवाल पूछ दिया और उसके बाद फेल हो गया केवल एक डिग्री का इस्सू नहीं था बल्कि वहाँ के लोग से सच्चाई का विश्वास भी उठ गया था अतः मैंने देहरादून से जब 1साल का इलेक्ट्रॉनिक में एडवांस कोर्स किया तब जाकर कहीं अच्छे संस्थान में बहुत क्वेश्चन का जबाब देने के बाद नौकरी मिली ऐ बहुत ही शर्म की बात है कि एक अनपढ़ लड़का पैसा और राजनीति ताकत के बल पर नौकरी पा लेता और जो पढ़े लिखे थे उन्हें अपने खर्ज के लिए सुबह 6 बजे भोर से ही ट्यूशन पढ़ना पड़ता और रात में घर लौटता क्योंकि वहाँ इंफ्रास्ट्रक्चर भी नहीं था इसलिए कहीं आने जाने में ही 2-3 घंटे लग जाते ऐ इंफ्रास्ट्रक्चर का काम तो दीखता है पुल बने रोड बना और लोगों को बेहतर सुविधा मिली विपक्ष के बोलचाल से जैसे किसी को भी गाली देना मंच से उतार देना है आज भी जिस तरह इंडिया गठबंधन के बोलने की भाषा आ रही है उससे यही लगता है कि यदि गलती से भी इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में फिर से गुंडाराज आ सकता है लेकिन मैं अभी तक ऐ समझ नहीं पा रहा हूँ माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने उसका दो बार सरकार बनाने में साथ क्यों दिया और क्या संभावना है कि अगर त्रिशुंक बहुमत मिला तो क्या वो फिर से इंडिया गठबंधन में जा सकते हैं।

दोहा पर किया हमला बढ़ायेगा इजरायल की मुसीबतें

> ट्रम्प ने व्यक्तिगत रूप से यह कहकर अपनी नाराजगी जाहिर की कि इस हमले ने 'इजरायल या अमेरिका के लक्ष्यों को आगे नहीं बढ़ाया' क्योंकि अमेरिका की मर्जी के मुताबिक ही कतर 2012 से इजरायल के साथ 'अप्रत्यक्ष वार्ता' के लिए हमास नेताओं की मेजबानी कर रहा था। इसके अलावा सितंबर, 2020 में ट्रम्प द्वारा इजरायल-अरब राज्यों के संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में शुरू किया गया 'अब्राहम समझौता' टूट गया क्योंकि समझौते पर हस्ताक्षरकताओं में से एक महत्वपूर्ण देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 'कतर को लक्षित करने वाले स्पष्ट और कायरतापूर्ण इजरायली हमले' की निंदा की।

-वाप्पला बालाचंद्रन-

यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी व्यक्तिगत अपमान था क्योंकि उन्होंने इस साल मई में 1200 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिका-कतर आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर करते समय इस समझौते को 'ऐतिहासिक' बताया था। नतीजा यह हुआ कि अमेरिका हमले की निंदा करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हो गया। यह एक अभूतपूर्व कदम था क्योंकि अमेरिका हमेशा इजरायल विरोधी प्रस्तावों को वीटो करता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने आरोप लगाया कि इजरायली सरकार का नेतृत्व 'क्रूर चरमपंथियों द्वारा किया जा रहा है।

जैसे-जैसे इजरायल गजा के खिलाफ अपने जमीनी हमलों को तेज कर रहा है, संकेत हैं कि नेतन्याहू सरकार को 9 सितंबर, 2025 को दोहा में हमास कार्यालय पर हमला करना भारी पड़ रहा है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) के स्वास्थ्य सचिव वेस स्ट्रीटिंग ने 9 सितंबर को चेतावनी दी कि 'गजा युद्ध से निपटने के लिए नेतन्याहू सरकार इजरायल को अछूत बनाने की स्थिति में ले जा रहा है।

यह बयान ब्रिटिश यहूदी समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए इजरायल के राष्ट्रपति हजोर्ग की ब्रिटेन यात्रा की पूर्व संध्या पर था। हजोर्ग के कार्यालय ने आरोप लगाया था कि 'ब्रिटिश यहूदी समुदाय गंभीर हमले और यहूदी विरोधी भावना की लहर का सामना कर रहा है।' हालांकि स्ट्रीटिंग ने जोर देकर कहा कि हजोर्ग को 'इजराइल की सरकार पर लगाए जा रहे युद्ध अपराधों, जातीय सफाए और नरसंहार के आरोपों का जवाब देने की जरूरत है।'

एक इजरायली वामपंथी पत्रिका '972 पत्रिका' ने दिसंबर 2014 में एक सर्वेक्षण में कहा कि 70 प्रतिशत से अधिक इजरायली अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बारे में चिंतित थे। हाल ही में पत्रिका 'विदेश नीति' ने कहा था कि विदेशी व्यापार और निवेश पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाला इजरायल हमेशा पश्चिमी लोकतंत्रों का हिस्सा बनना चाहता है क्योंकि ईरान और रूस के विपरीत उसके पास 'प्रतिबंधों और वैश्विक अस्वीकृति के साथ आर्थिक, सैन्य और मनोवैज्ञानिक रूप से सामना करने' के लिए कम लचीलापन है।

गौरतलब है कि 8 सितंबर को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 10, डाउनिंग स्ट्रीट पर फिलिस्तीनी प्राधिकरण के राष्ट्रपति महमूद अब्बास की मेजबानी की थी। बताया जाता है कि 'यदि इजरायल अपना रास्ता नहीं बदलता तो प्रधानमंत्री ने इस महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा से पहले फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने का वादा किया है'। स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे पहले ही मान्यता की घोषणा कर चुके हैं जबकि फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने में 140 से अधिक अन्य देशों सहित बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल, कनाडा तथा माल्टा ने ब्रिटेन और फ्रांस का साथ देने की योजना बनाई है।

'लॉस एंजिल्स टाइम्स' ने 11 सितंबर के अंक में लिखा है खाड़ी राज्यों में अमेरिकी विश्वसनीयता पहली बार आहत हुई जब इजरायल ने 9 तारीख को दोहा में हमास के कार्यालय पर हमला किया। इन राज्यों ने सोचा था कि उनकी सुरक्षा' उनके अरबों पेट्रोडॉलर और समझौतों के साथ सुनिश्चित की गई थी जिसने अमेरिका को अपनी कुछ सबसे बड़ी सैन्य सुविधाओं के साथ मध्य पूर्व में घेराबंदी करने की अनुमति दी'। यह विशेष रूप से अविश्वसनीय था कि अपने अस्तित्व के लिए मुख्य रूप से अमेरिका पर निर्भर रहने वाला इजरायल, इस क्षेत्र में सबसे बड़े अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठान अल उदीद एयर बेस की मेजबानी करने वाले कतर पर हमला कर सकता है।

यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी व्यक्तिगत अपमान था क्योंकि उन्होंने इस साल मई में 1200 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिका-कतर आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर करते समय इस समझौते को 'ऐतिहासिक' बताया था। नतीजा यह हुआ कि अमेरिका हमले की निंदा करने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हो गया। यह एक अभूतपूर्व कदम था क्योंकि अमेरिका हमेशा इजरायल विरोधी प्रस्तावों को वीटो करता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल-थानी ने आरोप लगाया कि इजरायली सरकार का नेतृत्व 'क्रूर चरमपंथियों द्वारा किया जा रहा है।

ट्रम्प ने व्यक्तिगत रूप से यह कहकर अपनी नाराजगी जाहिर की कि इस हमले ने 'इजरायल या अमेरिका के लक्ष्यों को आगे नहीं बढ़ाया' क्योंकि अमेरिका की मर्जी के मुताबिक ही कतर 2012 से इजरायल के साथ 'अप्रत्यक्ष वार्ता' के लिए हमास नेताओं की मेजबानी कर रहा था। इसके अलावा सितंबर, 2020 में ट्रम्प द्वारा इजरायल-अरब राज्यों के संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में शुरू किया गया 'अब्राहम समझौता' टूट गया क्योंकि समझौते पर हस्ताक्षरकताओं में से एक महत्वपूर्ण देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 'कतर को लक्षित करने वाले स्पष्ट और कायरतापूर्ण इजरायली हमले' की निंदा की। अबू धाबी ने इजरायल के राजदूत को यह बताने के लिए बुलाया कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देश के खिलाफ किसी भी आक्रामकता को 'सामूहिक खाड़ी सुरक्षा ढांचे पर हमला' माना जाता है। कतर पर हुआ यह हमला खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य देशों में से किसी देश पर इजरायल का पहला सीधा हमला था। इससे पहले भी वेस्ट बैंक के विलय पर नियोजित चर्चा पर नेतन्याहू सरकार की खुली धमकी के बाद अबू धाबी और इजरायल के बीच संबंध बिगड़ने लगे थे जिसके बारे में यूएई ने कहा था कि इससे 'खतरे की रेखा' बनेगी।

'पोलिटिको' ने 9 सितंबर को बताया कि ट्रम्प और उनके शीर्ष सहयोगी यह सवाल कर रहे थे कि हमले को अधिकृत करने वाले नेतन्याहू क्या बातचीत में तोड़फोड़ करने की कोशिश कर रहे थे। उसने व्हाइट हाउस के एक अंदरूनी सूत्र के हवाले से कहा- 'हर बार जब वार्ता में प्रगति होती दिखाई देती है तो ऐसा लगता है कि वे किसी पर बम फेंक देते हैं। उस सूत्र ने कहा कि यही कारण है कि राष्ट्रपति और उनके सहयोगी नेतन्याहू से इतने निराश हैं। इजरायली अखबार 'हारेत्ज' ने 13 सितंबर को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दोहा में हमास नेताओं पर इजरायल के हमले के कुछ दिनों बाद न्यूयॉर्क में कतर के प्रधानमंत्री के साथ रात्रि भोज किया। उनके साथ अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी शामिल हुए।

नेतन्याहू ने आरोप लगाया था कि कतर हमास के आतंकवादियों को पनाह देने के अलावा उन्हें धन प्रदान करने वाला मुख्य देश भी है। स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस आरोप से इंकार किया। उन्होंने 2023 में 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' में अमेरिका में कतर के राजदूत शेख मेशाल बिन हमद अल थानी के लेख का हवाला दिया कि वाशिंगटन चाहता था कि कतर 'हमास के साथ संचार की अप्रत्यक्ष लाइनें स्थापित करे'। अल थानी ने कहा था 'हमास कार्यालय की उपस्थिति को समर्थन के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए बल्कि अप्रत्यक्ष संचार के लिए एक महत्वपूर्ण चैनल स्थापित करना चाहिए। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 10 दिसंबर, 2023 को पुष्टि की कि बेंजामिन नेतन्याहू ने गुप्त रूप से दोहा के माध्यम से इस संपर्क को मंजूरी दी थी।

9/11 की बरसी पर एक वीडियो संबोधन में बेंजामिन नेतन्याहू ने दोहा में 'आतंकवादियों' के अड्डे पर हमला करने के लिए इजरायल के अधिकार होने की बात कही थी। उनका तर्क था कि यह ठीक वैसा ही है जिस तरह 9/11 को हमला करने के लिए आतंकवादियों को भेजने के कारण अमेरिका ने अफगानिस्तान पर 7 अक्टूबर, 2001 को हमला किया था। इस तर्क ने किसी को प्रभावित नहीं किया क्योंकि अमेरिका ने पहले यूएनएससी में प्रस्ताव संख्या 1368 पारित किया था जिसमें 11 सितंबर 2001 को हुए भयानक आतंकवादी हमलों की निंदा की गई थी तथा सभी देशों से इन आतंकवादी हमलों के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए तत्काल एक साथ काम करने का आह्वान किया गया था।

युद्ध-आतंक के दौर में शांति के लिये भारत की पुकार

-ललित गर्ग-

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस, जिसे प्रतिवर्ष 21 सितंबर को मनाया जाता है, आज के समय की सबसे बड़ी मानवीय आवश्यकता की याद दिलाता है। जब पूरी दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, जलवायु संकट और असमानताओं के दौर से गुजर रही हो, तब शांति का महत्व केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन जाता है। इतिहास गवाह है कि युद्धों ने मानव सभ्यता को केवल विनाश ही दिया है। दो विश्वयुद्धों में करोड़ों लोगों की जान गई, असंख्य परिवार उजड़ गए और सभ्यता के सपनों पर गहरी चोट लगी। आज भी यूक्रेन से लेकर सीरिया, अफगानिस्तान और अफ्रीका तक की धरती पर संघर्ष और आतंकवाद की आग धधक रही है। निर्दोष नागरिक, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक पीड़ा झेल रहे हैं। शरणार्थियों की भीड़, विस्थापितों के आँसू और टूटे हुए घर-परिवार इस बात का सबूत हैं कि युद्ध और आतंकवाद किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि और बड़ी समस्या पैदा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना ही इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व में शांति और सहयोग कायम हो। इसी क्रम में 1981 में महासभा ने 21 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस घोषित किया, ताकि पूरी दुनिया को यह याद दिलाया जा सके कि युद्धविराम, संवाद और अहिंसा ही मानव सभ्यता की रक्षा कर सकते हैं। इस दिन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में शांति की घंटी बजाई जाती है, जो यह प्रतीक है कि जब तक धरती पर शांति नहीं होगी, तब तक जीवन सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज विज्ञान और तकनीक ने मानव को अभूतपूर्व शक्ति और संसाधन दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भय, हिंसा, तनाव और असुरक्षा भी बढ़ी है। परमाणु हथियारों की दौड़ ने धरती को विनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। आर्थिक असमानताएँ और संसाधनों की होड़ युद्धों और संघर्षों को जन्म दे रही हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट नए विवादों एवं संकटों को जन्म दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक चेतावनी और आह्वान है। यह हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम हिंसा और युद्ध की संस्कृति से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सहयोग की संस्कृति को स्थापित कर सकते हैं, क्या हम धर्म, जाति और राजनीति की संकीर्णताओं से निकलकर एक वैश्विक परिवार के रूप में जी सकते हैं, क्या हम शिक्षा, करुणा और अहिंसा को अपने जीवन और समाज का आधार बना सकते हैं।

विश्व शांति की दिशा में भारत का योगदान हमेशा से उल्लेखनीय रहा है और वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार ह्लवसुधैव कुटुंबकम्ह्व और ह्लएक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्यह्व का संदेश देकर मानवता को एक साझा परिवार के रूप में देखने की दृष्टि दी है। संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे वैश्विक मंचों पर मोदी ने संवाद, कूटनीति, अहिंसा और सहअस्तित्व को संघर्ष और युद्ध से बेहतर विकल्प बताया है। भारत के नेतृत्व में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान शांति और सतत विकास के एजेंडे को प्राथमिकता दी गई। आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग, योग को विश्व स्तर पर शांति और मानसिक संतुलन का साधन बनाना, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के लिए ह्लअंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधनह्व दुनियाभर विश्व अहिंसा दिवस मनाने जैसे प्रयास भी विश्व शांति को दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह मानना है कि ह्लशांति केवल संघर्षों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सहयोग की उपस्थिति है। ह्व उनके नेतृत्व में भारत विश्व को न केवल आर्थिक और राजनीतिक सहयोग दे रहा है, बल्कि नैतिकता, अहिंसा, योग और सांस्कृतिक रूप से भी शांति की राह दिखा रहा है।

महात्मा गांधी ने कहा था-ह्लशांति का कोई रास्ता नहीं, शांति ही रास्ता है। ह्व गांधी का यह विचार आज और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। नेल्सन मंडेला ने भी कहा था-ह्लशांति का निर्माण हथियारों से नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और मेल-जोल से होता है। ह्व संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस बार-बार यह चेतावनी देते रहे हैं कि ह्लदुनिया को हथियारों की नहीं, बल्कि कूटनीति और संवाद की आवश्यकता है। शांति केवल एक आदर्श नहीं, यह सभी के जीवन और विकास का अधिकार है। ह्व महात्मा गांधी ने जिस अहिंसा और सत्याग्रह का मार्ग दिखाया, वह आज भी वैश्विक शांति की सबसे बड़ी आशा है। स्वामी विवेकानंद ने भी विश्व धर्म महासभा में यह संदेश दिया था कि समस्त धर्म मानवता को जोड़ने के लिए हैं, बाँटने के लिए नहीं। आज संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भारत की भूमिका सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण है, भारतीय सैनिक और अधिकारी अनेक देशों में जाकर शांति स्थापना के मिशनों में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। भारत ने न केवल सिद्धांतों से बल्कि व्यवहार में भी यह दिखाया है कि शांति उसका मूल आदर्श है।

वर्तमान नेपाल के समक्ष चुनौतियां एवं समाधान

-डॉ.बालमुकुंद पांडे-

सन् 1997 से सन् 2012 के मध्य पैदा हुए लोगों को ह्य जेन जीह्ल या ह्य जेनरेशन जूमर ह्य कहा जाता है। यह पीढ़ी उस दौर में पैदा हुई जब इंटरनेट का प्रभाव बहुत ज्यादा बढ़ गया था। ये युवा बड़े होकर सामाजिक प्लेटफार्मों पर अत्यधिक सक्रिय होकर अपने करियर, पेशा, अन्य व्यवहार, एवं व्यक्तित्व के आयाम का उन्नयन कर-के अपने उज्ज्वल भविष्य को सकारात्मक स्वरूप देने में सक्रिय रहे।

हालिया आंदोलन में नेपाल का प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक वर्ग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष स्तर पर जुड़ा है। इस आंदोलन में नेपाल के राजनीतिक दलों के नेताओं का भी समर्थन है। यह सोशल मीडिया ज्यादातर संयुक्त राज्य अमेरिका एवं चीन के हैं। केपी ओली जो चीन के काफी करीब थे एवं चीन से उनके संबंध भी बहुत मधुर थे, उन्होंने 6 से 7 महीने पहले इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म को अनिवार्य पंजीकरण करवाने के कानून पारित किए। इसके पीछे सरकार का मकसद कर (टैक्स) में फायदे से था। इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण के कारण युवाओं में सरकार एवं नौकरशाही के प्रति तीव्र आक्रोश व असंतोष उत्पन्न हो गया जो हिंसक क्रांति(उङ्ग४स्त्र ी३३) का स्वरूप ग्रहण कर लिया। लेखक नेपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के तौर पर काम किए है और नेपाल के सामयिक विषयों में गंभीर पकड़ रखते है। इनका मानना है कि, ह्व बाहर से देखने वालों को लग सकता है कि इस क्रांति से सत्ता का अचानक पतन हुआ है जबकि इसके पीछे युवाओं के मन में बहुत महीने पहले भ्रष्टाचार विरोधी जनाक्रोश था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध वर्तमान कारण है।

नेपाल में राजनीतिक भ्रष्टाचार उच्चतम स्तर पर था। युवाओं में सरकार एवं राजनीतिक नेतृत्व के प्रति विक्षोभ उच्चतम स्तर का था। ह्य नेपोकिड्सह्ल का जीवन संभ्रांत वर्ग का हो चुका था। नेपाल की जनता को राजशाही से असंतोष व निराशा होने के कारण गणतांत्रिक गणराज्य को अपने राजनीतिक व संवैधानिक व्यवस्था में अंगीकार किए एवं निर्वाचित सरकार(लोकतांत्रिक सरकार) को वरण किए। दुर्भाग्य से निर्वाचित होकर सत्ता तक पहुंचे प्रतिनिधि सत्ता संघर्ष में लिप्त हो गए। निर्वाचित प्रतिनिधियों के सरकार बनाने के परिणाम स्वरूप ह्य संसाधनह्ल एवं ह्य संवैधानिक शक्ति ह्य का प्रयोग व्यक्तिगत उत्थान के लिए करने लगे। सोशल प्लेटफॉर्म समकालीन में ऐसा त्वरित माध्यम हो चुका है कि सूचनाओं का संप्रेषण शीघ्र हो जा रहा है। इन कारणों से नेपाल के प्रत्येक एवं प्रमुख वर्ग में असमानता, असंतोष एवं अविश्वास का वातावरण उत्पन्न कर हो चुका था। इस क्रांति में ह्य जेन जीह्ल के सभी वर्गों ने सरकार के विरुद्ध बलात हिंसक मार्ग को अपनाया। ह्यजेन जीह्ल आंदोलन के साथ दिक्कत यह भी हैं कि उनके साथ कोई अनुभवी नेता नहीं है। उनकी अपनी विचारधारा नहीं है एवं इनका व्यवस्थित संगठन नहीं है। किसी भी आंदोलन की सफलता के लिए संगठन, विचारधारा, एवं नेतृत्व की अति आवश्यकता होती है। नेता के अभाव मेंह्ल जेन जीह्ल लामबंद नहीं हो सके। उनकी कुछ मांगे थी और यह मांगे भी एक आवाज के रूप में नहीं आ रही थी। लोग अलग-अलग मांगे कर रहे थे। आंदोलन के लिए नेता का नेतृत्व अति आवश्यक है। नेता के अभाव में आंदोलन बिखरा हुआ नजर आता है। यह आंदोलन कुछ दिनों में भीडतंत्र में बदल चुकी थी।

नेपाल में भ्रष्टाचार के कारण आर्थिक संकट एवं बेरोजगारी बढ़ चुकी थी. 2023 में नेपाल में गरीबी 20. 27% थी जिसमें 20% से अधिक आबादी दैनिक न्यूनतम 1.9 अमेरिकी डॉलर (1.9$से कम) खर्च करती है। सन् 2025 में नेपाल को निम्न झ मध्यम वाला देश माना जाता था। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2024 के अनुसार, नेपाल में 0.085 बहुआयामी गरीबी सूचकांक मूल्य है जो यह दशार्ता है कि नेपाल की आबादी गरीबी, अभाव, एवं कष्ट में अपना जीवन व्यतीत कर रही है। यह आंदोलन सत्ता पर काबिज राजनीतिक नेताओं के परिवारों व परिजनों की ऐसों आराम जिंदगी और उसकी तुलना में नेपाली युवाओं का कठिनाई का जीवन का परिणाम है। बेरोजगारी के कारण प्रत्येक सप्ताह नेपाल से 2000 युवा विदेश जा रहे हैं। विदेश में काम करके जो धनराशि अपने घर वालों को भेजते हैं, वह सकल घरेलू उत्पाद का 26% है। नेपाल की पूर्व सरकार ने इसको अवसर की तरह देखा है। विदेश से आ रही धनराशि की वजह से सरकारी कोष में फॉरेन एक्सचेंज बढ़ रहा था, इसलिए पूर्व सरकार युवाओं के लिए अच्छा करने के लिए भी तैयार नहीं थी। पूर्ववर्ती सरकार ज्यादा से ज्यादा युवाओं को विदेश भेजने के लिए प्रोत्साहित कर रही थी। इस असंतोष ने ह्य जेन जी ह्य आंदोलन के लिए उर्वरा भूमि तैयार की थी।

नेपाल में भ्रष्टाचार सबसे उच्चतम स्तर पर था। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के 2024, भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में, जिसमें 180 देशों में नेपाल को 34 अंक प्राप्त हुआ था, जो भ्रष्टाचार का उच्चतर स्तर है। नेपाल में भ्रष्टाचार की समस्या गहरी एवं बहुआयामी है। देश के राजनीतिक व्यवस्था में राजनीतिक अस्थिरता का दौर रहा है। सरकारें बार-बार बदलती रही हैं। लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता नीतियों के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नीतियों में निरंतरता ना होने के कारण जवाबदेही और उत्तरदायित्व का अभाव होता है, जिससे नीतियों का क्रियान्वयन नहीं हो पता है और विकास कार्य अवरूद्ध हो जाते हैं। विकास के कार्यों में निरंतरता का अभाव व स्थिर सरकार का ना होना नेपाल की राजनीतिक व्यवस्था में विरोध का मार्ग बनाया है।

यह आंदोलन भ्रष्टाचार एवं कुशासन के खिलाफ था। व्यवस्था के विरोध में होना व्यवस्था के प्रति अविश्वास है। सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार की खबरें लगातार आने लगी थी।

नेपाल-बांग्लादेश जैसी अराजकता की दुआ क्यों

-राजेश कुमार पासी-

पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश और अब नेपाल में छात्रों ने आंदोलन करके एक ही दिन में सत्ता पलट दी। इससे हमारे देश के कुछ नेताओं और उनके समर्थकों के मन में लड्डू फूटने लगे कि ऐसे ही भारत में आंदोलन करके सत्ता पलट देंगे। ये लोग सोशल मीडिया पर चिल्ला रहे हैं कि जैसे नेपाल में जेन जी ने एक दिन में सत्ता पलट दी, वैसा ही भारत के युवा क्यों नहीं कर रहे हैं। जिन्हें न तो भारत की समझ है और न ही भारतीय राजनीति की समझ है, वो लोग ही दुआ कर रहे हैं कि भारत में भी पड़ोसी देशों जैसी क्रांति हो जाये और उन्हें जनता सत्ता में बिठा दे। ऐसे लोग अपने अंध विरोध में यह भी नहीं देख पा रहे हैं कि नेपाल के जेन जी ने केवल सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ ही मारपीट नहीं की है बल्कि विरोधी दल के नेताओं पर भी हमले किए हैं। वास्तव में आज भी हमारे देश में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है, जो सोचते हैं कि सत्ता बंदूक की गोली से निकलती है। उन्हें भारतीय सैन्य बलों की ताकत का अहसास नहीं है जिनकी गोली ऐसे लोगों को बहुत जल्दी औकात में ला सकती है। ये पाकिस्तान नहीं है जहां सेना लोकतंत्र को अपने पैरों से कुचल देती है. ये भारत है, जिसकी सेना और पुलिस लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देती है।

लोकतंत्र के दुश्मन नक्सलियों और आतंकियो से सेना कई दशकों से लड़ रही है। आतंकवाद को कश्मीर तक सीमित कर दिया गया है और नक्सलवाद कुछ जिलों तक सिमट गया है। भारत की सेना ने कभी भी तख्तापलट की कोशिश नहीं की बल्कि सदैव लोकतंत्र की रक्षा के लिए डटी रही। यही हालत नेपाल की भी है, जहां अराजकता के बावजूद सेना ने सत्ता पर कब्जे की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत नेपाली सेना ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने में मदद की है। नेपाल में एक आंदोलन सत्ता पलटने में इसलिए कामयाब हो गया क्योंकि नेपाल एक छोटा देश है जबकि भारत विभिन्नताओं से भरा हुआ 140 करोड़ की जनसंख्या वाला विशाल देश है। कुछ लाख लोग सड़क पर निकल पर सत्ता पलट दें, ऐसा होने की संभावना भारत में नाममात्र की भी नहीं है।

ऐसा नहीं है कि भारत में आंदोलनों ने सत्ता नहीं बदली है लेकिन उसका तरीका अलग था। सबसे पहले 1975 में कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल में सरकार द्वारा की गई तानाशाही और जनता के उत्पीड़न के खिलाफ जेपी आंदोलन चलाया गया था। इस आंदोलन के कारण ही 1977 में जनता ने सरकार को बदल दिया। जिन नेताओं ने इस आंदोलन में हिस्सा लिया था, उन्हीं नेताओं में से निकलकर कुछ लोगों ने सत्ता संभाली। दूसरी बार यूपीए सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ चले अन्ना आंदोलन ने केंद्र की सत्ता पलट दी। विपक्ष को देखना चाहिए कि जिन दो आंदोलनों ने भारत की सत्ता बदली, वो सड़क पर हुए आंदोलन से नहीं बदली थी। सड़क पर आंदोलन चलाकर सरकार विरोधी लोगों ने जनता को अपने साथ जोड़ा और जनता ने चुनाव में अपने वोट से सत्ता पलट दी। नेपाल में सड़क पर हुए आंदोलन से जो सत्ता बदली गई है, वो सत्ता भी एक हिंसक आंदोलन से आई थी। वामपंथी संगठनों ने वर्षों तक हिंसक आंदोलन चलाकर नेपाल से राजतंत्र को खत्म किया था। वामपंथी विचारधारा कहती है कि सत्ता बंदूक की गोली से निकलती है और नेपाल में वामपंथियों ने बंदूक से ही सत्ता हासिल की थी।

अब बंदूक से ही उनसे सत्ता छीन ली गई है। ये वामपंथी गुरिल्ला लड़ाके थे और बंदूक के जरिये सत्ता में आ गए। इन्हें जनता की भावनाओं और उसके कल्याण से कोई मतलब नहीं था। ये लोग अनैतिक गठबंधनों और दलबदल से कुर्सी बदल-बदल कर सत्ता का आनंद ले रहे थे। जब इन्होंने राजतंत्र के खिलाफ आंदोलन चलाया तो जनता इन्हें अपना हीरो मानने लगी थी। जब सत्ता में आने के बाद इन्होंने जनता की अवहेलना शुरू कर दी तो इसकी असलियत जनता के सामने आ गई। जब उनकी हरकतों के कारण जनता में उनके प्रति नाराजगी बढ़ रही थी तो उन्होंने उसकी परवाह नहीं की। अगर जनता उनसे नाराज थी तो उन्हें जनता की शिकायतों पर ध्यान देना चाहिए था लेकिन बंदूक के बल पर सत्ता पाने वाले जनता की भावनाओं को कैसे समझ सकते थे।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

आठ सदस्यीय टीम पहुंची उपनिबंधन कार्यालय, रजिस्ट्री की फाइलें खंगालना शुरू

महराजगंज , एजेंसी। आयकर विभाग की टीम बुधवार सुबह अचानक महराजगंज उपनिबंधन कार्यालय पहुंची। फर्जी पैन से जमीनों की रजिस्ट्री की जांच करने आयकर विभाग की टीम महराजगंज के उप निबंधन सदर महराजगंज कार्यालय पहुंची है। आठ से दस सदस्यीय टीम पिछले दिनों हुई रजिस्ट्री की जांच करवा रही है। टीम में बनारस, गोरखपुर और लखनऊ के सदस्य शामिल हैं। आयकर विभाग की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने निबंधन कार्यालय से प्रति वर्ष भेजी गई रजिस्ट्री के रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि गोरखपुर के महानगर क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022–23, 2023–24 और 2025 में बहुत सारी रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज किए गए हैं। ऐसी कुल 75 रजिस्ट्री की सूची तैयार की गई जिसमें डेढ़ करोड़ से छह करोड़ रुपये की जमीन खरीदी गई है।

तीन माह में 29 गोशालाओं में 41 गोवंशों ने तोड़ा दम, संरक्षित किए गए 31 और 73 सहभागिता के चलते दिए गए गोवंश

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के घाटमपुर ब्लॉक क्षेत्र की 29 गोशालाओं में 20 मई से 20 अगस्त के बीच तीन कुल 41 गोवंश की मौत हुई है। वहीं इसी 31 गोवंश पकड़कर बंद किए गए हैं जबकि 73 गोवंश को सहभागिता के चलते लोगों को दिए गए हैं। विकास खंड क्षेत्र में मदुरी गांव में गोशाला वृहद है, जबकि पालिका क्षेत्र में कान्हा गोशाला स्थित है। इसके अलावा 27 गोशालाएं क्षेत्र में हैं। महीने की 20 तारीख को आंकड़े संकलित कर गोशालाओं को मिलने वाले खर्च की डिमांड भेजी जाती है। 20 मई को सभी गोशालाओं में कुल 2630 गोवंश थे। तीन माह बाद 20 अगस्त को गोवंश की संख्या घटकर 2547 रह गई। इस तरह से 83 गोवंश कम हो गए। इनमें 73 गोवंश सहभागिता (लोगों का पालन के लिए लेना) में गए हैं। वहीं 31 आवारा गोवंश आए हैं, जबकि 41 गोवंशों की बीमारी और अन्य कारणों से मौत हुई है। वृहद गोशाला मदुरी में तीन महीनों में सर्वाधिक पांच गोवंश की मौत हुई है। वहीं कोरियां गोशाला में चार पशुओं ने दम तोड़ा है। अन्य गोशालाओं में एक या दो गोवंशों की मौत का आंकड़ा है।

फौजी के पिता की नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में मौत, जंक्शन पर मचा हड़कंप

प्रयागराज , एजेंसी। इलाज के लिए दिल्ली ले जा रहे एक फौजी के पिता की नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस में सफर के दौरान मौत हो गई। प्रयागराज जंक्शन पर मृतक का शव उतरा गया। इस दौरान उसकी पत्नी मंजू देवी का रो–रो कर बुरा हाल हो गया। बक्सर (बिहार) निवासी बरमेश्वर प्रसाद (61) हृदय रोग से पीड़ित थे। उनके बेटे अर्जुन ने बताया कि इलाज पहले मिलिट्री हॉस्पिटल में शुरू हुआ, लेकिन हालत बिगड़ने पर पटना रेफर किया गया। पटना में डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उन्हें दिल्ली के बड़े अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। इसी वजह से बुधवार को अर्जुन अपनी मां मंजू देवी और पिता परमेश्वर प्रसाद को लेकर दानापुर से नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के बी 4 कोच से दिल्ली के लिए रवाना हुए। सुबह 6-20 बजे ट्रेन पटना के दानापुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुई सफर के दौरान ही उनकी तबीयत बिगड़ने शुरू हो गई। प्रयागराज आने के पहले उनकी मौत हो गई। ट्रेन प्रयागराज जंक्शन पर दोपहर 12.30 बजे पहुंची। यहां शव को उतारा गया। स्टेशन पर यात्रियों का मजमा लग गया। यात्री भी यह मंजर देखकर भावुक हो उठे। अर्जुन ने बताया कि उनके बड़े भाई अनिल सिंह सेना में हैं और फिलहाल ड्यूटी पर हैं। परिवार में यह दुखद घटना सुनते ही मातम का माहौल हो गया। जीआरपी ने शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीन दिन नहीं मिलेगी शराब...देर रात आदेश किया गया जारी ; इसलिए ठेके रहेंगे बंद

आगरा , एजेंसी। आगरा में जनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति ने मंगलवार को नगर निगम, टोरंट, पुलिस और प्रशासन के साथ बैठक कर महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा बंगारी ने सभी से आयोजन में सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। साथ ही उन्होंने 18, 19 व 20 सितंबर को पूरे जनकपुरी क्षेत्र में शराब के ठेके बंद रखने का आदेश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनकपुरी उत्तर भारत का सबसे बड़ा आयोजन है। इसको पर्यटन से लिंक करना चाहिए ताकि जो पर्यटक ताजमहल और फतेहपुर सीकरी देखने आते हैं, वे जनक महल भी देखने आएं। इसका समुचित प्रचार–प्रसार करना चाहिए। जिलाधिकारी ने मुगल रोड पर नालों के किनारे की सिल्ट उठाने के साथ नगर निगम के अधिकारियों से सफाई कर्मचारी बढ़ाकर सफाई अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नाले को पाटने का काम मत करना, वरना बाद में सफाई में दिक्कत होगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य को अब रोक दिया जाए वरना गंदगी फैलेगी। बचा हुआ निर्माण कार्य जनकपुरी संपन्न होने के बाद किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से सुरक्षा व अग्निशमन व्यवस्था को दुरुस्त रखने की अपील की। इस दौरान शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक यातायात की दृष्टि से कमला नगर क्षेत्र को नो कार जोन घोषित करने की मांग की गई।

योगी ने पीएम मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का किया उद्घाटन, 2 अक्तूबर तक चलेंगे कार्यक्रम

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने सुबह 11 बजे जीपीओ पार्क में पीएम मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह व कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे।

सीएम ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस चित्र प्रदर्शनी में पीएम मोदी के बाल्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के पूरे सफर को दर्शाया गया है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक भारतीय जनता पार्टी विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा पखवाड़ा मनाएगी। इसकी शुरुआत बुधवार से हो गई।

सीएम ने प्रदेशवासियों की ओर से पीएम को दी बधाई : अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी को 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से

जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। कहा कि आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रही है। जो, भारत कभी पिछलग्गू माना जाता था, लेकिन आज अपने आत्मविश्वास से दुनिया को प्रेरित कर रहा है। 11 वर्षों में अर्थव्यवस्था, विरासत, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, नियुक्तियां, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन जैसे तमाम क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं, दलित और वंचित समाज को प्राथमिकता देने की वजह से हर नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है।

धार्मिक स्थलों का हुआ कायाकल्प : सीएम ने आगे कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला का भव्य मंदिर बना। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण वैश्विक जगत को आकर्षित कर रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का कायाकल्प हुआ है। महाकाल लोक का निर्माण और अन्य धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण नए भारत की पहचान बन चुके हैं। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों की स्मृतियों से जुड़े अनेक रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब पूरी दुनिया महामारी के सामने असहाय थी, तब भारत ने सबसे बेहतरीन कोविड प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। जहां 100 वर्षों में कोई वैक्सीन भारत तक नहीं पहुंच पाई, वहीं मोदी के नेतृत्व में सिर्फ 9 महीनों में कोविड वैक्सीन विकसित की गई।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान : मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का पहला चरण स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान है। इसके अंतर्गत महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा हर जिले में रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। आने वाले दिनों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर तथा जांच से जुड़े कार्यक्रम होंगे।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश-ये सभी आपस में जुड़े हुए लक्ष्य हैं। इन्हें हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का विजन 2047 हमें मार्गदर्शन देता है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। 19 और 20 सितंबर को होने वाले ये सम्मेलन हर जनप्रतिनिधि, मंत्री, सांसद और विधायक की सहभागिता से आगे बढ़ेंगे।

युवाओं के लिए नमो मैराथन : मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 सितंबर को व्यापक जनजागरण के लिए नमो मैराथन का आयोजन उत्तर प्रदेश के 17 बड़े नगरों में किया जाएगा। इसमें हजारों युवा हिस्सा लेंगे। यह आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट और विकसित भारत अभियान को मजबूती देगा।

पैर पर मारकर तो कभी शरीर छूकर भटकाती हैं ध्यान...पलक झपकते उड़ा लेती हैं चेन

गोरखपुर , एजेंसी। ऑटो या ई-रिक्शा से जाने वाली महिलाएं सतर्क रहें। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सक्रिय लुटेरी महिलाएं बड़ी चालाकी से ध्यान भटकाती हैं। बातचीत और हंसी-मजाक करती हैं। वे पैर मारकर तो कभी शरीर को छूकर ध्यान भटकाती हैं और फिर पलक झपकते ही गहने उड़ा लेती हैं। हाल में ही पुलिस ने ऐसे गिरोह को पकड़ा है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह महिलाओं की आड़ लेकर बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम देता है। गिरोह की महिलाएं कभी सलवार-कुर्ता तो कभी साड़ी और घूंघट में ऑटो या ई-रिक्शा में बैठती हैं। इनके साथियों का काम था चौराहों पर ऑटो बदलवाना।

शिकार बनी महिला को भनक भी नहीं लगती थी और झुमके या गले का हार अचानक गायब हो जाता था। अगले चौराहे पर उतरने के बाद ये महिलाएं दूसरे ऑटो में बैठकर आसानी से भीड़ में गुम हो जातीं।

सरहरी के पास तीन महिलाएं बैठीं और धक्का देकर परेशान करने लगीं। कुछ देर बाद वह मलंग स्थान के पास उतर गईं। आगे जाकर अनीता ने ध्यान दिया तो गले से सोने की चेन गायब थी। कुशीनगर की मनोरमा देवी ने बताया कि वह एक बार मेडिकल कॉलेज से काली मंदिर की तरफ जा रही थीं।

इस दौरान राप्तीनगर में दो औरतें ऑटो में बैठीं और चरगांवा में उतर गईं। थोड़ी देर बाद जब ध्यान दिया तो गले से चेन गायब थी। इसी तरह अनामिका सिंह रुस्तमपुर से एम्स जाने के लिए ऑटो में बैठीं तभी बुढिया माता मंदिर जाने के लिए पांच महिलाएं बैठ गईं। उनके साथ एक बच्ची भी थी। बच्ची बार-बार पैर मार रही थी। वह देखने के लिए झुकी भी थीं। एम्स के पास उतरने के बाद देखा तो गले में चेन नहीं था।

आम यात्रियों जैसे रहती थीं..भांप पाना मुश्किल : ऑटो में महिलाओं के साथ जेवरात चोरी के बढ़ते मामलों को देखते हुए शातिर चोरों को पकड़ने के लिए शहर के सभी थानों से दो-दो महिला सिपाहियों को लगाया गया था। सादे कपड़े में ये महिला सिपाही जेवरात पहनकर अलग-अलग रूट पर ऑटो में सफर कर रहीं थीं।

पुलिस की जांच में आया है कि गिरोह का सबसे बड़ा हथियार था उसका भेष बदलना। सलवार-कुर्ता, साड़ी, घूंघट और कभी-कभी बच्चों को गोद में लेकर सफर करने से ये महिलाएं आम यात्रियों जैसी दिखती थीं। यही कारण था कि कई बार पीड़ित महिलाएं खुद भी भ्रमित हो जातीं और चोरी का पता काफी देर बाद चलता। ये महिलाएं एक ही ऑटो में ज्यादा देर नहीं रुकतीं थीं।

अखिलेश और साथियों की 12 से अधिक कंपनियां, काला धन सफेद करने की आशंका

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में एसआईटी व एलआईयू को अखिलेश दुबे और उसके साथियों की 12 से अधिक कंपनियों और संस्थाओं का पता चला है। आशंका है कि इनका उपयोग कालेधन को एक नंबर में करने में किया गया है। यह जानकारी प्रारंभिक जांच में कंपनी रजिस्ट्रार कार्यालय से मिली है। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस कमिश्नर कार्यालय में अखिलेश दुबे और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत करने वाले कई लोगों ने अलग कंपनियां बनाकर नंबर दो का धन एक नंबर में करने की बात बताई।

ऐसे ही बयान कुछ लोगों ने एसआईटी को भी दिए जिस पर एलआईयू और पुलिस की ओर से आरोपियों से जुड़ी कंपनियों की तलाश हुई। पुलिस सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन के आसपास कंपनियां और संस्थाएं ऐसी हैं जिनको दूसरे के नाम संचालित किया गया। इसमें अलग-अलग कार्यों के लिए रुपयों का आदान-प्रदान करने की आशंका है। एलआईयू और एसआईटी कंपनियों, संस्थाओं और सोसाइटियों के पदाधिकारियों से भी पूछताछ कर सकती है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के निर्देश पर सभी की डिटेल निकाली जा रही है। कुछ कंपनियों के बोगस होने की भी आशंका है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, क्षेत्राधिकारी ऋषिकांत शुक्ला, संतोष सिंह, विकास कुमार पांडेय, इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी और केडीए के पूर्व कर्मचारी महेंद्र सोलंकी, वर्तमान कर्मचारी कश्यपकांत दुबे की रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। इसमें उनके अखिलेश दुबे से संबंध होने के साथ ही जमीन से जुड़े मामलों में संलिप्तता होने की जानकारी दी गई है। कुछ अधिकारियों की संपत्तियों के बारे में भी रिपोर्ट भेजी गई है जिसमें पैतृक जमीनों के साथ अलग-अलग शहरों में लिए गए प्लॉट भी शामिल हैं। सूत्र बताते हैं कि लखनऊ से एक पत्र आया है जिसमें उन संपत्तियों के मौजूदा सर्किल रेट बताने के लिए कहा गया है। जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके परिवार वालों के खिलाफ वक्फ की संपत्ति पर कब्जा करने के आरोप में ग्वालटोली थाने में एक रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इस मुकदमे में अखिलेश दुबे, उसके भाई सर्वेश, भतीजी सौम्या व राजकुमार शुक्ला की ओर से याचिकाएं हाईकोर्ट में दाखिल की गई हैं। इन पर मंगलवार को न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की खंडपीठ में सुनवाई होनी थी, लेकिन न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है।

युवक का खुद की कनपटी पर पिस्टल रखकर सीएम को जान से मारने का वीडियो वायरल

इंडिया सावधान न्यूज

मथुरा के फरह में मुख्यमंत्री के जाने के बाद इंटरनेट मीडिया में एक युवक का खुद की कनपटी पर पिस्टल रखकर सीएम को जान से मारने का वीडियो वायरल हो गया। जानकारी जुटाकर पुलिस उसके पास पहुंची तो युवक तीन मंजिल मकान की छत पर चढ़ गया। पुलिस पर पिस्टल से तीन फायर झोंक दिए। तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद मांट थाना प्रभारी ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर उसे पीछे से दबोच लिया। युवक नशेड़ी है। पारिवारिक विवाद के कारण वह मानसिक रूप से अवसाद में चल रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मांट थाना क्षेत्र के नगला हरदयाल मजरा जाबरा निवासी युवक का ताऊ के बेटे रामप्रकाश से एक स्कूल की जमीन का विवाद चला आ रहा है। रामप्रकाश ने युवक की मां से बैनामा कराया था।

युवक का आरोप है कि मां से धोखे से बैनामा कराया गया है। जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद चला आ रहा है। उसने सीएम पोर्टल से लेकर कई अधिकारियों से शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके चलते युवक मानसिक परेशान रहने लगा और अधिक नशा करने लगा। गुरुवार रात को युवक ने नशे में एक वीडियो बनाया। 21 सेकंड के वीडियो में उसने अपनी कनपटी में पिस्टल रखकर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दे दी। गुरुवार को फरह कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री के जाने के बाद इंटरनेट मीडिया में वीडियो प्रसारित हो गया।

पुलिस ने वीडियो में धमकी देने वाले को चिन्हित करके शाम चार बजे उस्के घर पहुंची। पुलिस को देख युवक पिस्टल लेकर तीन मंजिल के मकान की छत पर पहुंच गया और अपनी जान देने की धमकी देने लगा। पुलिस उसके पास जाने लगी तो उसने तीन फायर झोंक दिए। चार घंटे तक पुलिस समझाने को जूझती रही। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने युवक को बातों में उलझाया। मांट थाना प्रभारी जसबीर सिंह ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर उसे पीछे से दबोच लिया। एसपी ग्रामीण ने बताया कि आरोपित नशेड़ी किस्म का है। उसे गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुरादाबाद में हादसा: पेड़ों की छंटाई करते हुए लगा करंट, तीन विद्युतकर्मी घायल,

मुरादाबाद , एजेंसी। दिल्ली रोड पर बिजली के तारों के पास से पेड़ों की छंटाई करते हुए करंट लगने से तीन विद्युत कर्मी घायल हो गए। करंट का तेज झटका लगने से तीनों बेहोश हो गए, उन्हें विवेकानंद अस्पताल में भर्ती करिया गया है। तीनों को दो घंटे बाद होश आया।

अब उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। मंगलवार सुबह करीब 10-30 बजे संविदा लाइनमैन ओम सिंह, विक्रम और टेक्नीशियन सुरेंद्र सिंह नगर वन बिजलीघर के पीछे पेड़ों की छंटाई कर रहे थे। वहां से चार हाईटेंशन लाइन गुजर रही हैं और एक डेड लाइन भी है। उन्होंने 33 केवी की तीन हाईटेंशन लाइनों का शटडाउन ले लिया लेकिन 11 केवी की लाइन में करंट चालू था। पेड़ की कटी हुई शाखा जैसे ही डेड लाइन पर गिरी तो तार टूटकर 11 केवी की लाइन से छू गया। इससे तेज धमाका हुआ और करंट लगने से तीनों बिजली कर्मी बेहोश हो गए।

राहगीरों ने उन्हें नीचे उतारा और बिजलीघर को सूचना दी। इसके बाद विद्युतकर्मी मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। संविदा विद्युत कर्मचारी संघ के अध्यक्ष उमेश चंद ने बताया कि ठेकेदार ने अस्पताल में आकर संविदा कर्मियों के इलाज की प्रक्रिया पूरी कराई।

साथ ही एक्सईएन ने मौके पर पहुंचकर इलाज में आने वाले खर्च के लिए परेशान न होने का आश्वासन दिया। डॉक्टरों का कहना है कि बुधवार शाम तक या बृहस्पतिवार सुबह तीनों कर्मचारियों को घर भेज देंगे।

सुरक्षा उपकरण होते तो शायद न लगता करंट

विद्युत निगम के स्टाफ ने बताया कि लाइन पर काम करते समय संविदा कर्मियों व टेक्निशियन ने सुरक्षा उपकरण नहीं पहन रखे थे।

ई-स्कूटी में इतना भीषण विस्फोट...जैसे बम फटा हो, बुजुर्ग दंपती की मौत

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना जगदीशपुरा के लक्ष्मी नगर में मंगलवार तड़के परचून व्यापारी प्रमोद अग्रवाल के घर में चार्जिंग पर लगी ई-स्कूटी में दो धमाकों के बाद भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर कमरे में सो रहे व्यापारी के पिता भगवती प्रसाद (95) और मां उर्मिला देवी (85) जिंदा जल गईं। वहीं बेटी काव्या किसी तरह बचकर भाग निकली। घटना के बाद पहली मंजिल पर रहे व्यापारी, उनकी पत्नी और बेटे ने पड़ोसी की छत पर कूदकर जान बचाई। आग लगने पर पड़ोसियों ने सबमर्सिबल पंप से पानी चलाकर आधे घंटे में आग पर काबू पाया।

घटना तड़के चार बजे की है। प्रमोद अग्रवाल का दो मंजिला मकान है। वह घर के पास ही परचून की दुकान चलाते हैं। प्रमोद ने बताया कि बेटी काव्या (18) बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह स्कूटी से कॉलेज जाती है। उन्होंने रात एक बजे स्कूटी को कमरे में चार्जिंग पर लगा दिया। पास ही पिता भगवती प्रसाद और मां उर्मिला देवी बेड पर सो रह थे। काव्या फोल्डिंग पर सो रही थी।

प्रमोद अपनी पत्नी सुषमा, बेटे अनमोल और मोहित के साथ मकान की पहली मंजिल पर बने कमरे में सो रहे

थे। अचानक उन्होंने भूतल पर मां-पिता की चीखपुकार सुनी, तो सभी जाग गए। भूतल से धुआं निकल रहा था। उन्होंने सीढ़ियों से नीचे आने का प्रयास किया मगर सांस लेने में दिक्कत होने लगी। बाद में वह पड़ोसी रिंकू के घर की छत पर कूद गए। उसके घर से अपने घर के बाहर आ गए।

काव्या किसी तरह जान बचाकर छत पर आ गई। प्रमोद ने मीटर से बिजली काट दी। इसके बाद हथौड़े से मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर गए। वहीं पड़ोसियों ने सबमर्सिबल पंप चलाकर आगर पर काबू पाया। वह माता-पिता को बाहर निकालकर अस्पताल ले गए मगर भगवती प्रसाद (95) की जलने की वजह से मौत हो चुकी थी। वहीं उर्मिला देवी (85) ने इलाज के दौरान एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में डेढ़ घंटे बाद दम तोड़ दिया।

लक्ष्मी नगर निवासी भगवती प्रसाद के तीन बेटे विजय, रामेश्वर और प्रमोद अग्रवाल हैं। विजय मथुरा और रामेश्वर बिचपुरी में रहते हैं। भगवती प्रसाद कुछ दिन से रामेश्वर के साथ रह रहे थे। दो दिन पहले ही प्रमोद के पास रहने आए थे। बाद में बड़े बेटे विजय के पास जाने वाले थे। उधर, प्रमोद ने लक्ष्मीनगर वाला मकान हाल में ही बेच दिया था। अपने बड़े भाई रामेश्वर के पास बिचपुरी में मकान का निर्माण करा रहे थे। लिंटर का काम अधूरा होने की वजह से समय लग रहा था। दो दिन बाद खाली कर जाने वाले थे। उससे पहले ही हादसा हो गया। माता-पिता की जान चली गई।

संभागीय परिवहन विभाग के आरआई सतेंद्र कुमार ने बताया कि ई-स्कूटी में लीथियम और लेड बैटरी का प्रयोग किया जाता है। कंपनी की स्कूटी में लीथियम बैटरी होती है। यह ज्यादा चलती है। इसमें चार्जिंग भी अधिक होती है। सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक होती है। बैटरी को चार्ज करने के लिए कंपनी की ओर से निश्चित समय दिया जाता है। अगर इस समय से अधिक चार्ज किया जाता है तो बैटरी में ऑटोकट लगा होता है। इसके साथ ही बीप की आवाज भी आने लगती है। कई बार ऑटोकट होने की वजह से बैटरी ओवरहीटिंग का शिकार हो जाती है। इससे वह धमाके के साथ फट सकती है। स्कूटी में आग लग जाती है। इस मामले में भी ऑटोकट खराब होने की वजह से ही हादसे की आशंका है।

प्रमोद ने बताया कि दो दिन पहले स्कूटी का चार्जिंग प्लग खराब हो गया था। इस पर वो घर के पास ही एक कारीगर के पास गए थे। उसने प्लग बदल दिया था। प्रमोद सोमवार रात को स्कूटी से ही मंदिर गए थे। इसके बाद घर आए थे। तब उन्होंने उसे चार्ज नहीं किया। रात में नींद से जागने पर चार्जिंग पर लगाया। एफएसएसओ अभिषेक कुमार ने बताया कि वह जांच करने गए थे।

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में दो कार बम धमाकों में आठ की मौत

तुर्बत, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को दो अलग-अलग कार बम धमाकों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन घायल हो गए। पहले धमाके में, तुर्बत जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा दल की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें दो सुरक्षा कर्मी मारे गए और 23 घायल हुए। इसके ठीक कुछ घंटे बाद, अफगान सीमा के पास चमन शहर में दूसरा बम फटा, जिसमें छह लोग मारे गए। हालांकि मामले में अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदिग्ध पाकिस्तान तालीबान और बलूच अलगाववादी समूह हैं। बलूचिस्तान में वर्षों से अलगाववादी हिंसा जारी है, जहां कई समूह केंद्र सरकार से स्वतंत्रता की मांग करते रहे हैं।

नेपाल की सैनिक बैरक से बाहर आए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) एमाले के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सैनिक बैरक से बाहर आ गए हैं। जेन-जी आंदोलन के दौरान सुरक्षा कारणों से नेपाली सेना ने उन्हें बैरक में रखा था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद वह 9 सितंबर से वहीं ठहरे हुए थे। अब ओली भक्तपुर के गुण्डु इलाके में स्थानांतरित हो गए हैं, जहां उनके लिए किराये का घर लिया गया है। बालकोट स्थित उनका निजी घर प्रदर्शनकारियों द्वारा जला दिए जाने के कारण उन्हें वहां से हटना पड़ा। नेपाल की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश में आम चुनाव समय पर होंगे। अगले साल पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव को सफलतापूर्वक कराने के लिए सरकार पूरी तैयारी कर रही है। नवनियुक्त गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सभी राजनीतिक दलों और संबंधित पक्षों से प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अगले साल 5 मार्च को संसदीय चुनाव कराने पर सरकार पूरी तरह ध्यान दे रही है।

पाकिस्तानी सिंधी समुदाय ने किया जिनेवा में प्रदर्शन

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान, सिंधी कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान सरकार व उसके सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा सिंधियों के साथ हो रहे व्यवस्थित दुर्व्यवहार और शोषण पर भी प्रकाश डाला। इन प्रदर्शनों के साथ-साथ सिंध पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और सिंधी मानवाधिकार प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसमें जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याएं, भूमि हड़पना, सिंधी लड़कियों का जबरन धर्मांतरण सहित कई मुद्दों पर चिंता जताई गई।

अमेरिकी सेना का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश, इलाके में फैली आग ; चार सैनिक थे सवार

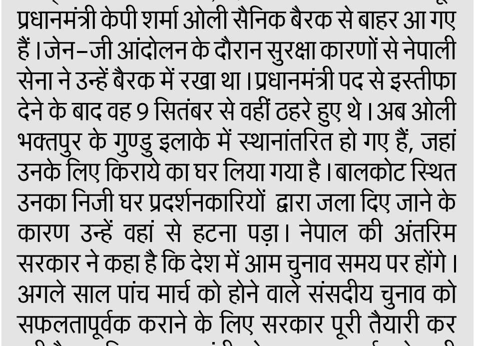

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के एमएच-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे। यह अमेरिकी सेना के जॉइंट बेस हेडक्वार्टर के अधीन आता है। यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। मामले में अमेरिकी सेना की ओर से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि क्रैश की वजह क्या थी, यह अभी पता नहीं चला है। हालांकि मामले की जांच चल रही है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभी एक सक्रिय और जारी स्थिति है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो क्रैश की वजह से इलाके में जंगल में आग लग गई, जो गुरुवार सुबह तक करीब एक एकड़ (लगभग 0.4 हेक्टेयर) क्षेत्र में फैल चुकी थी। वॉशिंगटन के प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीएनआर) ने यह जानकारी दी। आग बुझाने के लिए सेना, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। वहीं मामले में थर्स्टन काउंटी के शेरिफ डेरिक सैंडर्स ने बताया कि हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया गया है, लेकिन इलाके में आग होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सेना और स्थानीय एजेंसियां मिलकर पूरा प्रयास कर रही हैं कि जल्द से जल्द सैनिकों तक पहुंचा जा सके। वहीं मामले में अमेरिकी सेना की प्रवक्ता रूथ कैस्ट्रो ने बताया कि यह एक सर्च मिशन है जिसमें सबसे कुशल और अनुभवी टीमें लगी हुई हैं।

ट्रंप प्रशासन को झटका, जज ने ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को देश से निकालने पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय जज ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तत्काल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी। ये बच्चे अकेले अमेरिका आए थे। ट्रंप की सख्त आप्रवासन (इमिग्रेशन) नीति को लेकर कानूनी विवाद में यह एक नया मोड़ है। जिला जज टिमोथी जे केली ने यह फैसला सुनाया। यह मामला उस समय सामने आया, जब ट्रंप प्रशासन ने श्रमिक दिवस की छुट्टियों के दौरान ग्वाटेमाला के उन बच्चों को निर्वासित करने की कोशिश की, जो सरकारी आश्रयों और फोस्टर केयर (अस्थायी देखभाल की व्यवस्था) में रह रहे थे।

ट्रंप प्रशासन ने किया था बच्चों को माता-पिता से मिलाने का दावा : ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाने के लिए वापस भेज रहा है, क्योंकि माता-पिता खुद ऐसा चाहते थे। लेकिन जज केली ने कहा कि यह दलील एक हफ्ते में झूठी साबित हो गई। कोर्ट के सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो सकते बच्चों के माता-पिता चाहते थे कि उन्हें वापस भेजा जाए।

जज के फैसले पर ट्रंप प्रशासन ने क्या कहा : गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉघलिन ने अपने बयान में प्रशासन की बात दोहराई कि माता-पिता ने ही बच्चों की वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा, जज उन प्रयासों पर रोक लगा रहे हैं, जिनसे बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया जा सकता था। अब इन बच्चों को फिर से सरकारी आश्रय गृहों में रहना होगा। यह ट्रंप को निशाना बनाने की कोशिश है। यह शर्मनाक और अनैतिक है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्स ने बयान में कहा कि निचली कोर्ट ने परिवारों को मिलाने की इस कोशिश में गलत तरीके से दखल दिया है।

बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट : बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में एक रिपोर्ट भी सौंपी थी, जिसमें कहा गया कि जिन बच्चों को वापस भेजा जा रहा था, उनमें से कई पहले से ही बाल शोषण, गिरोह हिंसा और मानव तस्करी जैसी गंभीर परिस्थितियों का शिकार रहे हैं। जज केली ने इस बात का जिक्र अपने आदेश में भी किया। वहीं, राष्ट्रीय आव्रजन कानून केंद्र के उपाध्यक्ष एफ्रेन ओलवारेज ने कहा कि कोर्ट ने सरकार के बार-बार झूठ बोलने और कमजोर बच्चों को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अगर इन बच्चों को जबरन वापस भेजा जाता, तो वे खतरनाक परिस्थितियों में फंस सकते थे।

कोर्ट ने पहले भी दिया था अस्थायी आदेश : इससे पहले भी बच्चों की वापसी रोकने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया गया था, लेकिन इसकी समयसीमा मंगलवार को समाप्त होने वाली थी। जज केली ने अब एक अस्थायी फैसला दिया है, जिससे वह अस्थायी सुरक्षा अब अनिश्चितकाल तक बढ़ा दी गई है। हालांकि, सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है।

अन्य देशों के बच्चों पर भी लागू होगा फैसला : जज केली ने यह मांग खारिज की कि अन्य देशों के बच्चों की वापसी पर भी रोक लगाई जाए। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरीके से अन्य बच्चों को भी वापस भेजेगी, तो वह भी अवैध माना जा सकता है।

अफगानिस्तान में फिर लौटने वाली है अमेरिकी फौज ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ब्रेकिंग न्यूज दी है। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस का नियंत्रण अपने हाथों में लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालिबानी कब्जे के चार साल बाद एक बार फिर अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में लौट सकती है। बता दें कि अफगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिकी सेना ने एयरबेस पर भी नियंत्रण छोड़ दिया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम इस एयरबेस को वापस लेने का प्रयास कर रहे हैं। यह आपके लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज जैसा हो सकता है। उन्हें भी हमसे कुछ जरूरतें हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह एयरबेस चीन के करीब है, इसलिए इसे अपने कब्जे में रखना जरूरी है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट नहीं बताया कि अमेरिका क्या करने जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जो बाइडेन के समय में ही यह एयरबेस तालिबान को सौंप दिया गया था, जो कि एक गलत फैसला था। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान छोड़ने के बाद भी अमेरिकी सेना को बगराम एयरबेस अपने पास ही रखना चाहिए था। यह दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को छोड़ना भी था तब भी खुद को मजबूत रखना जरूरी था। ऐसे में यह एयरबेस उपयोगी हो सकता था।

जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के, अभिव्यक्ति की आजादी पर लाएंगे विधेयक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर लगाए आरोप : डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है।

जिमी किमेल की टिप्पणी पर हुआ विवाद : हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार

कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और मैगा गिरोह इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा। फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने किमेल के बयान को गलत और घटिया आचरण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एबीसी ने कार्रवाई नहीं की तो उनका प्रसारण लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। वहीं, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रसारण कंपनियों में शामिल नेक्सस्टार ने भी किमेल की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शो का प्रसारण रोकने का ऐलान कर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक आई खराबी, लंदन से लौटते वक्त करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से लौटते समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक खराबी आ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया लंदन से साथ में रवाना हुए थे। इसी दौरान हेलिकॉप्टर में हाइड्रॉलिक समस्या आ गई जिसकी वजह से दूसरा हेलिकॉप्टर लेना पड़ा। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस खराबी की वजह से उनका हेलिकॉप्टर एक स्थानीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप और मेलानिया को सपोर्ट हेलिकॉप्टर में शिफ्ट होना पड़ा, जिसके चलते स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पर उनके पहुंचने में थोड़ी देरी हुई। कैरोलिन लेविट ने प्रेस पूल को दिए बयान में कहा, एक छोटी सी हाइड्रॉलिक समस्या आई थी, जिसकी वजह से सावधानी के तौर पर पायलटों ने प्लान बदल दिया। स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पहुंचने से पहले एक स्थानीय हवाई अड्डे पर हेलिकॉप्टर उतारा गया। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सुरक्षित रूप से सपोर्ट हेलिकॉप्टर में सवार होकर रवाना हुए। वहीं, ब्रिटेन के राजकीय यात्रा से लौटने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह भव्य स्वागत और शानदार आतिथ्य के लिए बेहद आभारी हैं। उनकी यह यात्रा मुश्किल व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक मतभेदों से काफी हद तक बची रही। दोनों पक्षों के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। राष्ट्रपति ट्रंप और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर ने विज्ञान और तकनीक पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे दोनों पक्षों ने सराहा।

दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं के साथ एक गोलमेज सम्मेलन भी किया। इसमें दोनों नेताओं ने कहा कि इस समझौते से रोजगार में वृद्धि हो सकती है। ट्रंप और स्टॉर्मर के बीच निजी बातचीत में जिन विषयों पर ज्यादा चर्चा हुई, उनमें यूक्रेन-गाजा में युद्ध और ब्रिटेन से आयातित स्टील पर अमेरिकी शुल्क दरें शामिल थीं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे देशों के बीच जो संबंध हैं वैसा दुनिया में कहीं और नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन ने इतिहास में किसी भी अन्य देश की तुलना में पृथ्वी के लिए अधिक अच्छा काम किया है।

रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप-सुनामी का अलर्ट जारी, बीते 3 महीनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप आए

मॉस्को, एजेंसी। रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशॉक महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनानी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट जियोफिजिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई।

कुरिल द्वीप में भी सुनामी की चेतावनी जारी : गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा- आज (19 सितंबर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है। भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। कामचटका एक अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले एक हफ्ते में यहां 7 से अधिक तीव्रता के कम से कम दो भूकंप आ चुके हैं।

इस साल 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज हुए : रूस का कामचटका इलाका, जो प्रशांत महासागर में रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे (मैग्नीट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप आए। इस क्षेत्र में 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के दर्ज किए गए हैं।

दुनिया की पहली एआई मंत्री, जो ना भ्रष्टाचार करेगी और ना ही रिश्वत लेगी, क्या तकनीक चला पाएगी सरकार ?

तिराना, एजेंसी। इन दिनों एआई तकनीक दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। एआई सॉफ्टवेयर और एआई टूल्स के साथ-साथ, एआई न्यूज़ एंकर भी कई जगहों पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। अब तो एआई संसद में भी प्रवेश कर चुका है। जी हाँ, एआई संसद में। किसी उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में। 18 सितंबर को, एआई से प्रेरित मंत्री डायला ने अल्बानियाई संसद में प्रवेश किया। डायला ने अपना पहला प्रभावशाली भाषण दिया। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मदद करने आए हैं, उन्हें बदलने नहीं। डायला पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक में एक महिला के रूप में वीडियो के ज़रिए संसद में उपस्थित हुईं।

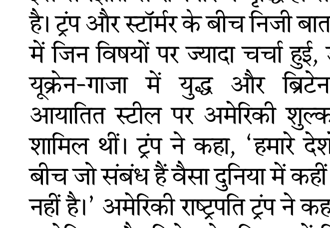

प्रधानमंत्री एडी रामा ने डायला को सभी सार्वजनिक निविदाओं पर निर्णय लेने की ज़िम्मेदारी सौंपी है।

संविधान संस्थाओं की बात करता है : एआई मंत्री डायला ने 18 सितंबर को संसद में अपना भाषण दिया, जिसकी व्यापक चर्चा हुई। अपने भाषण के दौरान, डायला ने कहा कि संविधान संस्थाओं की बात करता है, न कि मानव शरीर या गुणसूत्रों की। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कोई नागरिकता नहीं है, कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है, कोई स्वार्थ नहीं है।

प्रधानमंत्री ने एआई मंत्री के बारे में क्या कहा : पोलिटिको के अनुसार, प्रधानमंत्री एडी रामा ने गुरुवार को अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा की। बैठक के दौरान, उन्होंने डिआला का परिचय कराया, जिनके नाम का अल्बानियाई भाषा में अर्थ सूर्य होता है। रामा ने कहा कि डिआला की भूमिका सरकारी निविदाओं का प्रबंधन और निजी कंपनियों को परियोजनाएँ देने के निर्णय लेने की होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डिआला को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वह रिश्वत, धमकियों या किसी भी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से प्रभावित नहीं होंगे। रामा का दावा है कि डिआला के आने से अल्बानिया में सरकारी निविदाएँ पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएँगी। बाल्कन देश अल्बानिया लंबे समय से भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। अनियमितताओं और रिश्वतखोरी की खबरें, खासकर सरकारी निविदाओं में, अक्सर आती रही हैं। इसके अलावा, अल्बानिया में नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं, जो सरकारी व्यवस्था में घुसपैठ करके अपना पैसा लूटते हैं। यह भ्रष्टाचार अल्बानिया के यूरोपीय संघ (ईयू) में प्रवेश में भी बाधा बन रहा है। प्रधानमंत्री रामा का लक्ष्य 2030 तक ईयू में शामिल होना है, लेकिन विशेषज्ञ इसे बहुत मुश्किल काम मानते हैं।

बलूच आर्मी पर पाबंदी लगवाने चले थे चीन और पाक, अमेरिका से झटका, फ्रांस और ब्रिटेन भी खिलाफ

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान में सक्रिय विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी और उसकी मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र की पाबंदी सूची 1267 में शामिल कराने के प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन की ओर से इस प्रस्ताव को रखा गया था। इस पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया। इसके अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने भी विरोध किया। इस तरह यह प्रस्ताव गिर गया। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध समिति 1267 के तहत यह प्रावधान है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से किसी भी तरह का ताल्लुक रखने वाले आतंकी संगठन पर पाबंदी लगाई जाती है।

ऐसे संगठनों की संपत्तियों को दुनिया भर में जब्त किया जा सकता है। इसी को लेकर अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने कहा कि जिस बलूच लिबरेशन आर्मी और उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड पर पाबंदी का प्रस्ताव है, उसका अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से तो कोई संबंध ही नहीं है। ऐसे में इन दोनों को इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा था कि अफगानिस्तान में अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, तहरीक-ए-तालिबान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के ठिकाने हैं। पाकिस्तानी राजनयिक का दावा था कि अफगानिस्तान में इन संगठनों के कम से कम 60 ठिकाने हैं। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने इस दलील के आधार पर पाबंदी से इनकार किया। अमेरिका ने साफ कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी का अलकायदा या फिर इस्लामिक स्टेट से कोई संबंध नहीं पाया गया। इसलिए इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। हालांकि यह भी सही है कि अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित किया है। बलूचिस्तान में लंबे समय से स्वायत्तता की मांग उठती रही है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस मांग को लेकर विद्रोह ही छेड़ रखा है। बता दें कि भारत कई बार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों पर पाबंदी की मांग कर चुका है, लेकिन चीन अकसर अड़ंगे लगाता रहा है। अब ऐसा पहली बार हुआ है, जब चीन और पाकिस्तान के साझा प्रयास को अमेरिका ने इस तरह झटका दिया है। उसके अलावा फ्रांस और ब्रिटेन ने भी विरोध किया है।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अनिश्चितता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनी। कनाडा-मैक्सिको के सहयोग से मजबूत हुआ अमेरिका-कार्नी बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सबसे प्रतिस्पर्धी आर्थिक क्षेत्र माना जाता है और इसका एक बड़ा कारण कनाडा और मैक्सिको के बीच सहयोग है। हम अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे वह और भी मजबूत बनता है। हस सभी मिलकर और भी

मजबूत बनते हैं। कार्नी और शीनबाम की बैठक का मुख्य विषय अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता यानी यूएसएमसीए था, जिसकी 2026 में समीक्षा होनी है।

स्थिर विकल्पों की तलाश में कनाडा-मैक्सिको : यह एफटीए तीनों देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है। इससे तीनों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। कनाडा का 75 फीसदी से अधिक निर्यात और मैक्सिको का 80 फीसदी से अधिक निर्यात अमेरिका को ही जाता है। ट्रंप की लगातार बदलती व्यापार नीति और टैरिफ की धमकियों ने इन देशों के नेताओं और व्यापार जगत चिंतित कर दिया है, जिससे वे अब व्यापार के लिए अधिक स्थिर विकल्पों की तलाश में है। कार्नी के मैक्सिको दौरे पर हावी ट्रंप की छवि टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ट्रंप की गैरमौजूदगी के बावजूद उनकी छवि इस दौरे पर हावी है। कनाडा और मैक्सिको अब अमेरिका से एक समान खतरा महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को कार्नी ने कहा कि वह कनाडा और मैक्सिको के बीच और अधिक व्यापार और निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। शीनबाम ने कहा कि दोनों देशों ने एक ऐसी योजना पर सहमति बनाई है, जो उनकी आपसी आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगी। शीनबाम ने यह भी कहा कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करेंगे, ताकि उनका माल अमेरिका से होकर न गुजरे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना भी कार्नी के दौरे का मकसद कार्नी के दौरे का मकसद मैक्सिको के साथ संबंध बेहतर करना भी था। दरअसल, कनाडा के कुछ प्रांती नेताओं ने पिछले साल कहा था कि अगर अमेरिका से नया व्यापार समझौता होता है, तो उसमें मैक्सिको को शामिल न किया जाए। ट्रंप ने फेंटानिल की तस्करी के मुद्दे पर कनाडा को मैक्सिको के साथ जोड़ा था और दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उस समय ओंटारियो प्रांत के प्रमुख नेता डग फोर्ट ने कहा था कि ट्रंप द्वारा कनाडा की तुलना मैक्सिको से करना सबसे अपमानजनक बात है। शीनबाम के राष्ट्रपति पद की शपथ समारोह में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाले कनाडा के सांसद पीटर बोहम ने कहा कि इन प्रांतीय नेताओं की टिप्पणियों से मैक्सिको नाराज हो गया था।

3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली कंपनी पहली बार दे रही बोनस

मुंबई

मल्टीबैगर स्टॉक सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। मात्र 3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली यह कंपनी पहली बार बोनस शेयर दे रही है। सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने एक्सचेंज को बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 भागों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।कंपनी निवेशकों को बोनस शेयर भी दे रही है। कंपनी की ओर से एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। बता दें, बोनस शेयर 10 रुपये के फेस वैल्यू पर मिलेगा। अभी तक बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन अगले 2 से 3 महीने में प्रोसेस पूरा होगा। शुक्रवार को सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। 2 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 105.61 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 54 प्रतिशत की तेजी आई है।वहीं, 3 महीने में स्टॉक का भाव 252 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं, 6 महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 315 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में 32 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 सप्ताह का शीर्ष 105.61 रुपये और 52 सप्ताह का लो लेवल 20.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 221.85 करोड़ रुपये का है। बीते 5 साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 838 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी में जून तिमाही के अंततक पब्लिक की हिस्सेदारी 87.89 प्रतिशत थी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द, दोनों देशों ने तेज़ किए प्रयास

– नई दिल्ली में हुई सकारात्मक बातचीत, शुल्क विवाद के बाद रिश्तों में आई गर्माहट

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रयास तेज करने पर सहमति जताई है। यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच इस सप्ताह नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि यह बातचीत अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच और भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के बीच हुई। उन्होंने कहा कि चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक रही। लिंच ने वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की और विभिन्न व्यापारिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। जायसवाल के अनुसार दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते को शीघ्र निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, ताकि यह दोनों देशों के हित में लाभकारी हो सके। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्ते उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। भारत ने इस कदम की तीखी आलोचना करते हुए इसे अनुचित और असंगत बताया था।

हालांकि, हाल के वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने सहयोग की दिशा में कई सकारात्मक संकेत दिए हैं। नई वार्ताएं इस बात का संकेत हैं कि भारत और अमेरिका अब द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए गंभीर हैं।

अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी की 7-सीटर अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया। मारुति सुजुकी इंडिया की अगस्त महीने की बिक्री रिपोर्ट जारी हो चुकी है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त महीने में अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं और यह न सिर्फ मारुति बल्कि पूरे देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई। खास बात यह है कि मारुति के पास 16 मॉडल लाइनअप में हैं, लेकिन अर्टिगा की लोकप्रियता ने बाकी सभी गाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही यह लगातार तीसरे महीने है जब अर्टिगा की बिक्री बढ़ती हुई दिखाई दी है। जुलाई में 16,604 और जून में 14,151 ग्राहकों ने अर्टिगा खरीदी थी। मारुति ने अगस्त में कुल 1,31,278 गाड़ियां बेचीं, जो जुलाई की 1,37,776 यूनिट्स से कम रहीं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिक्री में यह गिरावट ग्राहकों द्वारा नए जीएसटी रेट्स का इंतजार करने के कारण देखने को मिली। कंपनी के लिए अगस्त में 8 मॉडल ऐसे रहे, जिनकी 10-10 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिकीं। डिजायर ने 16,509, वैगनआर ने 14,552, ब्रेजा ने 13,620 और बलेनो ने 12,549 ग्राहकों को आकर्षित किया। वहीं, फ्रोंक्स की 12,422 और स्विफ्ट की 12,385 यूनिट्स बिकीं। ईको भी 10,785 यूनिट्स की बिक्री के साथ इस लिस्ट में शामिल रही। ग्रैंड विटारा की बिक्री घटकर 5,743 यूनिट्स रही, जबकि जुलाई में यह 6,373 रही थी।

ऑल्टो के10 की 5,520, एक्सएल6 की 2,973, इग्निस की 2,097 और सेलेरियो की 1,505 यूनिट्स बिकीं। एस-प्रेसो की 1,333, जिम्नी की 603 और इनविक्टो की सिर्फ 237 यूनिट्स बिकीं।

सियाज की हालत सबसे खराब रही और अगस्त में इसकी एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि जुलाई में 173 और जून में 1,028 यूनिट्स बिकी थीं।

भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में 2 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

नई दिल्ली

भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में वार्षिक आधार पर 2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और इस दौरान कुल 6 करोड़ यूनिट्स की शिपमेंट हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शिपमेंट में 35 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ एप्पल सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बना है। रिपोर्ट में बताया कि 50,000 रुपए से अधिक कीमत वाले प्रीमियम स्मार्टफोन ने ग्रोथ को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई, जबकि 10,000-20,000 रुपए का मिड-रेंज सेगमेंट कुल बिक्री के मामले में सबसे बड़ा रहा।रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्रीय स्तर पर, उत्तरी राज्यों ने 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सबसे तेजी से वृद्धि हुई है।मैसूर और शिमला सहित छोटे टियर-4 शहरों में भी दो अंकों की मजबूत देखी गई, जो महानगरों और बड़े शहरों से परे बढ़ती मांग को दिखाता है। इस बीच, एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले त्यौहारी सीजन में

भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ सकती है। साथ ही मार्केट वैल्यू में 24 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिल सकता है। प्रीमियम सेगमेंट, सुपर-प्रीमियम सेगमेंट (50,000-1,00,000 रुपए) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़ सकता है। वहीं, अपर-प्रीमियम सेगमेंट (1,00,000 रुपए और उससे अधिक) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 167 प्रतिशत बढ़ सकता है। इसकी वजह फ्लैगशिप स्मार्टफोन की मांग का बढ़ना है। बाजार जानकार के अनुसार, प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार सेगमेंट को महत्वाकांक्षी खरीदारों, जेनरेशन जी और मिलेनियल उपभोक्ताओं द्वारा अपनी विकसित होती डिजिटल जीवनशैली के अनुरूप पावरफुल डिवाइस की तलाश के कारण लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है।

50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को गुड न्यूज दे सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली

मोदी सरकार दिवाली से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक खास तोहफा देने वाली है। खबर है कि जुलाई 2025 के महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। फिलहाल 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलता है, लेकिन अब 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत तक पहुंचाने पर विचार चल रहा है। इस बढ़ोतरी के बाद देशभर में करीब 50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को मोटी रकम मिलेगी। केंद्र सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी करती है- जनवरी और जुलाई में। जनवरी 2025 की बढ़ोतरी पहले ही लागू हो चुकी है, जबकि जुलाई की बढ़ोतरी दिवाली के आसपास होने की उम्मीद है।

मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे प्रमुख वजह है 8वें वेतन आयोग की तैयारी। अभी तक सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हैं, लेकिन महंगाई की वर्तमान स्थिति को देखकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को तय माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में महंगाई में नरमी आई है, इसलिए इस स्तर की बढ़ोतरी संभव है।

महंगाई भत्ता का निर्धारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर किया जाता है। यदि पिछले छह महीनों में

महंगाई में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तब इसी अनुपात में डीए में इजाफा होता है। इसी तरह, जुलाई 2025 के लिए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का अनुमान है।

एएमडी भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में करेगी निवेश

नई दिल्ली

अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनी एएमडी, जिसका मुख्यालय सांता क्लारा में है, भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण के लिए सक्रिय हो गई है। एएमडी के भारत के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि देश में तकनीकी प्रतिभा की कमी नहीं है और यदि कोई अच्छा मौका मिलता है तो कंपनी निवेश या अधिग्रहण करने से पीछे नहीं हटेगी। एएमडी हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हार्डवेयर के डिजाइनिंग क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है और भारत में भी इसके विस्तार की योजना बना रही है। एएमडी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) के विकास और उत्पादन में एक प्रमुख खिलाड़ी है। अे धिकारी ने बताया कि भारत में एआई पीसी को अपनाने की प्रक्रिया अब शुरू हो चुकी है और अगले दो वर्षों में हर तीन में से एक पीसी एआई सक्षम होगा। इसके साथ ही एआई पीसी और पारंपरिक पीसी की कीमतों में पहले जो अंतर था, वह अब समाप्त हो गया है। कीमतों में गिरावट के कारण एआई पीसी मुख्यधारा में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं।

सरकार 22 सितंबर से करेगी बाजारों की निगरानी

– दाम न घटाने पर व्यापारियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने 22 सितंबर से 54 वस्तुओं पर जीएटी दरों में कटौती का ऐलान किया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सीधा लाभ पहुंचाना है। इन वस्तुओं में सूखे मेवे, किचन के बर्तन, प्रसाधन सामग्री और घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल हैं। सरकार चाहती है कि इन वस्तुओं के दाम टैक्स कटौती के अनुसार घटें। इसकी निगरानी के लिए केंद्रीय और राज्य जीएटी विभागों के फील्ड अधिकारी बाजारों में औपचारिक निरीक्षण करेंगे। अधिकारी उन वस्तुओं को खुद खरीदेंगे, जिनके दाम में कटौती की गई है। यदि पाया गया कि दुकानदारों ने टैक्स में कमी के बावजूद कीमतें नहीं घटाईं, तो उनके इनपुट टैक्स क्रेडिट को ब्लॉक कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि व्यापारी अपनी खरीद पर चुकाए गए टैक्स का फायदा नहीं उठा सकेंगे, जिससे उनकी कर देनदारी बढ़ जाएगी। जीएटी विभाग ने उन 54 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिन पर यह कटौती लागू होगी। सामानों को श्रेणियों में बांट कर एक जगह सूचीबद्ध किया गया है, ताकि निगरानी में आसानी हो। अधिकारियों को पहले पुराने दाम दर्ज करने और फिर 22 सितंबर के बाद नए दामों की तुलना करने के निर्देश दिए गए हैं। हर शहर और कस्बे में स्थानीय स्तर पर यह सूची बनेगी। यदि किसी दुकान पर कीमतों में अपेक्षित कटौती नहीं हुई, तो विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। सरकार का उद्देश्य है कि टैक्स कटौती का लाभ आम जनता को पूरी तरह मिले।

ब्लू टाइड्स सम्मेलन में केरल को 7,288 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

तिरुवनंतपुरम केरल में आयोजित दो दिवसीय 'ब्लू टाइड्स' सम्मेलन में राज्य को 7,288 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने सम्मेलन के समापन सत्र में दी। उन्होंने बताया कि 28 निवेशकों ने रुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के समुद्री और मत्स्य क्षेत्र में संभावनाओं को दर्शाता है। सम्मेलन में भारत सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख भागीदार रहे। ईयू ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह यूरोपीय देशों के साथ सतत संवाद के लिए एक स्थायी मंच स्थापित करे। भारत में ईयू के राजदूत हेर्वे डेल्फिन ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से इस संदर्भ में बातचीत की। मंत्री चेरियन ने कहा कि सम्मेलन के परिणाम अपेक्षाओं से कहीं अधिक सकारात्मक रहे हैं और इसने देशभर में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुकः गोयल

– भारत–यूएई उच्च स्तरीय कार्यबल की बैठक में रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

दुबई वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियां भारत में निवेश के नए अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। यूएई विशेष रूप से बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, स्टार्टअप और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में गहरी रुचि दिखा रहा है। मंत्री गोयल ने यह जानकारी अबू धाबी में भारत-यूएई निवेश पर गठित उच्च-स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग के नए लक्ष्य तय किए हैं और निवेश के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यूएई भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है और अब उच्च तकनीकी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश कर रहा है। गोयल के अनुसार, भारत में हरित ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त प्रयास की संभावनाएं प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना एक आकर्षक अवसर बन गया है। इसके साथ ही, भारत और यूएई के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भी गहरी साझेदारी की उम्मीद है। गोयल की यह दो दिवसीय यात्रा 19 सितंबर को समाप्त हुई। इस दौरान दोनों देशों ने निवेश सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई।

वैश्विक तेल बाजार में गिरावट, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के शेयर दबाव में

नई दिल्ली

वैश्विक तेल एवं गैस बाजार में मांग की धीमी गति और अधिक आपूर्ति के चलते गिरावट का रुख जारी है। अगस्त में ब्रेंट क्रूड की कीमत 67.4 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुई, जो मासिक आधार पर 3 फीसदी और वार्षिक आधार पर 14.6 फीसदी की कमी दर्शाती है। चीन में औद्योगिक मंदी, ओपेक प्लस की आपूर्ति बढ़ाने की योजना, और तेल भंडार में वृद्धि से कच्चे तेल के दाम 60 डॉलर से नीचे आने की संभावना बढ़ गई है। इसके अलावा, महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे रुझानों ने तेल की मांग को संरचनात्मक रूप से प्रभावित किया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने भी तेल की खपत घटाई है। भारत की प्रमुख अपस्ट्रीम कंपनियां ओएनजीसी और ऑयल इंडिया इस दबाव से अछूती नहीं हैं। पिछले 12 महीनों में इनके शेयर क्रमशः 18 फीसदी और 32 फीसदी नीचे आ चुके हैं।

निवेशकों में नीतिगत अनिश्चितता, जैसे प्रशासित मूल्य निर्धारण और विंडफॉल टैक्स, को लेकर चिंता है।

इसके साथ ही उत्पादन वृद्धि भी कमजोर रही है। हालांकि, दोनों कंपनियां अब नए विकास के दौर में प्रवेश कर रही हैं। ओएनजीसी को केजी बेसिन और अन्य परियोजनाओं से मदद मिलेगी, जबकि ऑयल इंडिया गैस पाइपलाइन विस्तार और नई क्षमता वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सस्ते मूल्यांकन और बढ़ती उत्पादन संभावनाओं के कारण इन कंपनियों के शेयरों में निवेश के अवसर बन सकते हैं।

नीतिगत सुधार जैसे एपीएम गैस कीमतों में बदलाव और विंडफॉल टैक्स हटाने से रेटिंग में सुधार की उम्मीद है।

आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने बीमा कंपनियों को पछाड़ा

नई दिल्ली

हाल की चार तिमाहियों में आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने एंकर निवेशकों के रूप में 21,976 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बीमा कंपनियों के 5,216 करोड़ रुपये निवेश से लगभग चार गुना अधिक है। म्युचुअल फंडों को आईपीओ में एंकर कोटे का एक-तिहाई हिस्सा गारंटी से मिलता है, जिससे उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 31 जुलाई को एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आईपीओ में अतिरिक्त 7 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के तहत एंकर आरक्षण को 40 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा, ताकि बीमा कंपनियों की भागीदारी बढ़े और निवेशकों के आधार में विविधता आए। म्युचुअल फंडों का एक-तिहाई आरक्षण कायम रखा जाएगा, जिससे उनकी निवेश गहराई और स्थिरता बनी रहेगी। बीमा कंपनियों का आईपीओ निवेश 2019 में चार तिमाहियों का औसत 300 करोड़ रुपये से कम था, जो अब 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, म्युचुअल फंडों का निवेश 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 2019 में 9 करोड़ निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 2025 में 24 करोड़ से अधिक हो गई है। म्युचुअल फंडों के पास लगभग 48 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है, जबकि बीमा कंपनियों के पास करीब 24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है।

डॉलर-रुपए से आगे अन्य मुद्राओं में भी व्यापार की सुविधाएं बढ़ाए सीसीआईएलः आरबीआई गवर्नर

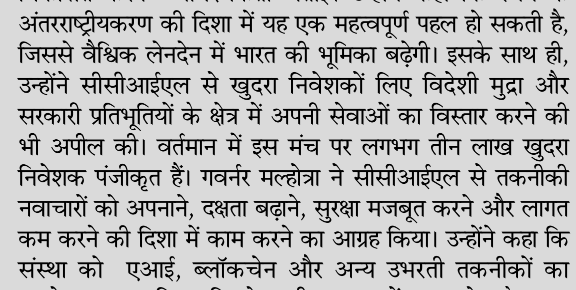

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) से आग्रह किया कि वह रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाए। सीसीआईएल की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर-रुपया के अलावा अन्य मुद्राओं में भी व्यापार और निपटान को संभव बनाने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है, जिससे वैश्विक लेनदेन में भारत की भूमिका बढ़ेगी। इसके साथ ही, उन्होंने सीसीआईएल से खुदरा निवेशकों लिए विदेशी मुद्रा और सरकारी प्रतिभूतियों के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की भी अपील की। वर्तमान में इस मंच पर लगभग तीन लाख खुदरा निवेशक पंजीकृत हैं। गवर्नर मल्होत्रा ने सीसीआईएल से तकनीकी नवाचारों को अपनाने, दक्षता बढ़ाने, सुरक्षा मजबूत करने और लागत कम करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संस्था को एआई, ब्लॉकचेन और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

आरएंडआई ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी प्लस' किया

मुंबई

जापानी रेटिंग एजेंसी, रेटिंग एंड इंवेस्टमेंट इंफार्मेशन इंक (आरएंडआई) ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी प्लस' कर दिया है। यह रेटिंग, भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और स्थिर भविष्य में ग्लोबल भरोसे को दिखाती है। यह इस साल तीसरी बार है जब किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया है। इससे पहले, एसएंडपी ने अगस्त 2025 में और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में भी भारत की रेटिंग बढ़ाई थी। यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और सरकार की वित्तीय नीतियों को मान्यता मिल रही है।आरएंडआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रेटिंग में सुधार के प्रमुख कारण ये हैंः भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। भारत की बड़ी युवा आबादी देश की विकास क्षमता को बढ़ाती है। देश के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की लगातार बढ़ती मांग आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। कर राजस्व में बढ़ोतरी, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना और ऋण स्तरों को नियंत्रित करने में सरकार की प्रगति ने भारत की स्थिति को और मजबूत किया है।

कम विदेशी कर्ज और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडारः इससे भारत की बाहरी स्थिरता बनी हुई है।रेटिंग अपग्रेड से आम लोगों को भी कई फायदे हो सकते हैंः विदेशी निवेश बढ़ने से नए प्रोजेक्ट और बिजनेस शुरू होंगे, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होना। रुपये की स्थिरता से आयातित सामान जैसे तेल और

इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते हो सकते हैं। सरकार और कंपनियों के लिए कर्ज सस्ता होने से इसका असर होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की दरों पर भी दिख सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

यह रेटिंग अपग्रेड भारत की वैश्विक साख को मजबूत करता है और निवेशकों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

नेपाल की अस्थिरता से नहीं डगमगाएगी आईटीसी की निवेश योजना

आईटीसी ने नेपाल में एफएमसीजी और होटल क्षेत्र में विस्तार की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली आईटीसी लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने स्पष्ट किया है कि नेपाल में हालिया अस्थिरता का कंपनी की निवेश योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चाहे बात एफएमसीजी क्षेत्र की हो या आतिथ्य उद्योग की, आईटीसी नेपाल में अपने विस्तार की रणनीति पर कायम है। उन्होंने ने यह बात मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) की 124वीं सालाना आम बैठक में कही। उन्होंने कहा` कि दुनिया में अनिश्चितता और अशांति का माहौल है, लेकिन हमें इससे निपटना सीखना होगा और आगे बढ़ना होगा, वरना प्रगति संभव नहीं है। आईटीसी की सहायक कंपनी सूर्या नेपाल1986 से सिगरेट कारोबार में है और बाजार में अग्रणी भूमिका निभा रही है। हाल के वर्षों में कंपनी ने कन्फेक्शनरी और बिस्कुट जैसे एफएमसीजी उत्पादों के जरिए नेपाल में अपने दायरे को और भी बढ़ाया है। कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि वह नए एफएमसीजी व्यवसायों को तेजी से आगे बढ़ा रही है और उभरते बाजारों में नए अवसरों का मूल्यांकन कर रही है। आतिथ्य क्षेत्र में भी आईटीसी ने 2024 में नेपाल में एक होटल के प्रबंधन अनुबंध से शुरुआत की है, और जल्द ही दूसरा होटल भी इसी मॉडल के तहत शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त

मेसी के दो गोल से इंटर मियामी की शानदार जीत

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी के दम पर इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में शनिवार को शानदार जीत दर्ज की। मेसी ने पहले हाफ में एक गोल करने में मदद की तथा दूसरे हाफ में दो गोल किए जिससे इंटर मियामी डीसी युनाइटेड पर 3-2 से जीत दर्ज की। मेसी ने 66वें मिनट में अपना पहला गोल दागा। इसके बाद उन्होंने 85वें मिनट में एक और गोल किया। अवॉर्ड की दौड़ में : इस तरह से इस सत्र में उनके कुल 22 गोल हो गए हैं, जो गोल्डन बूट अवॉर्ड की दौड़ में नैशविले एससी के सैम सुरिज से एक ज़्यादा है। इससे पहले मिडफील्डर तादेओ अलेंदे ने 35वें मिनट में मेसी की मदद से इस सत्र का अपना आठवां गोल किया। डीसी युनाइटेड ने 53वें मिनट में बराबरी हासिल कर ली जब क्रिश्चियन बेंटेके ने ब्रैंडन सर्वानिया से मिले पास पर गोल किया।

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना बहुत जरूरी : मूनी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी का मानना है कि परिस्थितियों से जल्द से जल्द सामंजस्य बिठाना और धैर्य बनाए रखना किसी भी चैंपियन टीम की पहचान है और महिला विश्व कप में इन गुणों की एक बार फिर परीक्षा होगी। सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में अपनी इन दोनों ही खूबियों का बखूबी प्रदर्शन किया। उसने शनिवार को यहां तीसरे वनडे में 43 रन से जीत हासिल कर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। भारत ने 413 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पलटवार किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने धैर्य बनाए रखा और आँखिर में जीत हासिल की।

ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप 29 सितंबर से

नई दिल्ली, एजेंसी। फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप का 30वां चरण 29 सितंबर से डीएलटीए में शुरू होगा। इसमें पूर्व चैंपियन विष्णु वर्धन और वीएम रणजीत भी हिस्सा लेंगे। पुरुष और महिला वर्ग के क्वालिफाइंग दौर 27 सितंबर से शुरू होंगे। जूनियर वर्ग (अंडर-18, अंडर-16, अंडर-14) की स्पर्धाएं इसके बाद होंगी। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय एस श्रीराम ने कहा, हमें चैंपियनशिप का आयोजन करने पर गर्व है जो भारतीय टेनिस के लिए एक बेहतरीन मंच है। हमारा ध्यान हमेशा प्रतिभा की पहचान करना, उन्हें मौका देना और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर से वैश्विक स्तर तक ले जाने में मदद करना है।

रविंद्र लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

जयपुर, एजेंसी। मुंबई के अनुभवी खिलाड़ी रविंद्र पाटिल को दिव्यांग क्रिकेट वार्षिक पुरस्कार समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कर्नाटक के राजेश कन्नूर को प्लेयर ऑफ द ईयर का सम्मान मिला। दिव्यांग क्रिकेटरों की उपलब्धियों को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लिए यह पुरस्कार स्थापित किए गए हैं। राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए) के सहयोग से भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित समारोह में देश भर के क्रिकेटरों को सम्मानित किया गया। विदर्भ के गुरुदास राउत को विशेष योगदान पुरस्कार, मुंबई के विक्रांत केनी को प्लेयर्स च्वाइस (लोकप्रिय खिलाड़ी) और कर्नाटक के शिवशंकर को आइकॉनिक प्लेयर पुरस्कार मिला। राजस्थान के सुरेंद्र खोरवाल को सर्वश्रेष्ठ शानदार खिलाड़ी, गुजरात के आदिल ननसोला को वर्ष का उभरता सितारा और उत्तर प्रदेश के अनवर अली को सर्वश्रेष्ठ जूनियर खिलाड़ी का पुरस्कार मिला।

एशिया कप : अभिषेक शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुबई, एजेंसी। भारत ने एशिया कप सुपर फोर मुकाबले में पाकिस्तान को 6 विकेट से धोया। पाकिस्तान द्वारा मिले 172 रनों के लक्ष्य को भारत ने 7 गेंद शेष रहते हासिल किया। भारत की टूर्नामेंट में ये लगातार चौथी जीत है।

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-4 मैच में आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने दुबई के मैदान पर 39 गेंदों में 74 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और पांच छक्के शामिल हैं। उन्होंने महज 24 गेंदों में पचासा पूरा किया। अभिषेक ने इस दौरान एक धांसू वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 50 छक्के जड़ने वाले फुल मेंबर नेशन प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने सिर्फ 331 गेंदों में यह कारनामा किया।

एविन लुईस

अभिषेक ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज एविन लुईस का रिकॉर्ड तोड़ा है। लुईस ने 366 गेंदों में छक्कों की फिफ्टी कंप्लीट की थी। फिलहाल, लुईस के खाते में 65 T20I मैचों में 136 छक्के हैं।

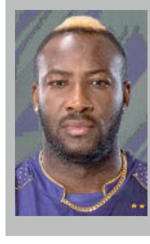

आंद्रे रसेल

वेस्टइंडीज के धाकड़ ऑलराउंडर आंद्रे रसेल लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 409 गेंदों में पचास सिक्स का आंकड़ा छुआ था। रसेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 86 टी20 मैचों में 95 छक्के उड़ाए।

हजरतुल्लाह जजई

अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई ने 492 गेंदों में छक्कों की फिफ्टी लगाई थी। 27 वर्षीय जजई ने अभी तक 45 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 66 छक्के जमाए हैं।

सूर्यकुमार यादव

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव फेहरिस्त में पांचवें पायदान पर हैं। उन्होंने 510 गेंदों में 50 सिक्स उड़ाए थे। सूर्या 87 T20I मैचों में 148 छक्के लगा चुके हैं। उनका पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खाता नहीं खुला।

मन्हास का बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन

नामांकन

- **विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं।**

मुंबई, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास अगले बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। बीसीसीआई के विभिन्न पदों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले, शनिवार तक, मन्हास अध्यक्ष पद की दौड़ में एकमात्र नाम थे, जो इस साल अगस्त में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के पद छोड़ने के बाद से खाली है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तब से अंतरिम रूप से इस पद पर कार्यरत थे। बीसीसीआई पदाधिकारियों में एक और क्रिकेटर के शामिल होने की संभावना है, कर्नाटक और भारत के पूर्व स्पिनर रघुराम भट कोषाध्यक्ष का पदभार संभालेंगे। भट वर्तमान में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं।

मन्हास, जो अक्टूबर में 46 वर्ष के हो जाएंगे, जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ के संचालन के लिए बीसीसीआई द्वारा नियुक्त उप-समिति का हिस्सा हैं। जम्मू में जन्मे मन्हास 2015 में दिल्ली से जम्मू और कश्मीर चले गए थे और उसके अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो गए। तब से उन्होंने विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में काम किया है, जिसमें बांग्लादेश पुरुष अंडर-19 टीम के बल्लेबाजी सलाहकार के साथ-साथ आईपीएल टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के लिए भी काम किया है। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज मन्हास ने 1997-98 से 2016-17 तक 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां उन्होंने 9714 रन बनाए; 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन बनाए; और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो को पता चला है कि मन्हास का नाम शनिवार को दिल्ली में हुई एक अनौपचारिक बैठक में सामने आया, जिसमें बीसीसीआई के कुछ प्रमुख पूर्व और वर्तमान सदस्य शामिल हुए, जिनमें वर्तमान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, शुक्ला, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व बोर्ड सचिव निरंजन शाह शामिल थे।

विभिन्न पदाधिकारियों के लिए चुनाव 28 सितंबर को मुंबई में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होने वाले हैं। हालांकि, रविवार के अंत तक नए नामांकन दाखिल नहीं किए जाते, तो दिल्ली बैठक में चर्चा किए गए नामों के अंतिम होने की उम्मीद है।

मिथुन मन्हास को बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए जेके क्रिकेट संघ ने दी शुभकामनाएं

जम्मू। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ और जम्मू-कश्मीर के पूर्व रणजी ट्रॉफी कप्तान अश्विनी गुप्ता ने मिथुन मन्हास के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने पर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ के सदस्य प्रशासन, ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने 'यूनीवार्ता' से कहा, "मैंने मिथुन मन्हास के बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किये जाने खबर सुनी है। अगर ऐसा होता है तो यह जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी खबर होगी। वह बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में जेकेसीए के नामित सदस्य हैं। अगर हममें से कोई बीसीसीआई का अध्यक्ष चुना जाता है, तो हमारे लिए इससे बड़ी खबर और क्या हो सकती है। उन्होंने कहा, "व्यक्तिगत रूप से कहूं तो, वह इस पद के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं क्योंकि एक उत्कृष्ट क्रिकेटर होने के अलावा उन्हें प्रशासन का भी अच्छा अनुभव है क्योंकि वह जेकेसीए के क्रिकेट संचालन और विकास सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे। इस भूमिका में उनका योगदान अद्वितीय है और यह जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के उत्थान और राष्ट्रीय स्तर पर जेकेसीए के खिलाड़ियों की संख्या को मिली पहचान से स्पष्ट है। उनकी उपलब्धियों में नवीनतम उपलब्धि यह रही कि हाल ही में संपन्न दलीप ट्रॉफी में जेकेसीए के पांच खिलाड़ी न्यूजीलैंड के लिए खेले तथा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ए टीम के लिए युद्धवीर सिंह का चयन हुआ। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।"

गांगुली आज फिर बनेंगे बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष

कोलकाता, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की सोमवार को होने वाली बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निर्विरोध अध्यक्ष पद पर वापसी तय है। हालांकि उनका दूसरा कार्यकाल अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। हाल के महीनों में संघ वित्तीय अनियमितताओं और विश्वसनीयता संबंधी चिंताओं से जूझ रहा है। गांगुली के नेतृत्व वाले पूरे पैनल में बबलू कोलाय (सचिव), मदन मोहन घोष (संयुक्त सचिव), संजय दास (कोषाध्यक्ष) और अनु दत्ता (उपाध्यक्ष) का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष 53 वर्षीय गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली का स्थान लेंगे। उन्हें लोढ़ा समिति के निर्देशों के अनुसार कार्यकारी पदों पर छह साल की समय सीमा पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। गांगुली ने पिछले रविवार को नामांकन भरा था। वह 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। हाल के दिनों में विवादों की एक सीरीज के कारण सीएबी की छवि को नुकसान पहुंचा है। जबकि रणजी ट्रॉफी टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। वित्त समिति के सदस्य सुब्रत साहा पर हाल ही में दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। हितों के टकराव का दोषी पाए जाने पर उन्हें उप-समिति की गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया

ब्रिस्बेन, एजेंसी। हेनिल पटेल (तीन विकेट) तथा किशन कुमार और कौशिक चौहान (दो-दो विकेट) के बाद अभिज्ञान कुंडू (नाबाद 87) और वेदांत त्रिवेदी (नाबाद 61) के बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत की पुरुष अंडर -19 टीम ने रविवार को पहले यूथ एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 117 गेंद शेष रहते सात विकेट से हरा दिया।

226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की अंडर-19 टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट वैभव सूर्यवंशी के रूप में गिरा। वैभव ने 22 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 38 रनों की पारी खेली।

इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे (छह) और विहान मल्होत्रा नौ के विकेट जल्द गंवा दिये। लेकिन बाद वेदांत त्रिवेदी और अभिज्ञान कुंडू ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 30.3 ओवरों में 227 रन बनाकर भारत को सात विकेट से जीत दिला दी। अभिज्ञान कुंडू ने 74 गेंदों में आठ चौके और पांच छक्के लगाते हुए नाबाद 87 रनों की पारी खेली और वेदांत त्रिवेदी ने 69 गेंदों में आठ चौको की मदद से नाबाद 61 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से चार्ल्स लैचमुंड ने दो विकेट लिये। हेडन शिलर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की अंडर -19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम को शुरुआत में ही झटका लगा। किशन कुमार ने पहले ही ओवर में दोनो सलामी बल्लेबाजों एलेक्स टर्नर और साइमन बज को बिना खाता खोले ही पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद स्टीवन होगन और विल मालाजचुक ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 33 रन जोड़े। इन दोनों बल्लेबाजों को हेनिल पटेल ने आउट किया। स्टीवन होगन ने 39 रन बनाये, विल मालाजचुक 17 रन बनाकर आउट हुये। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दिया। इस दौरान वे ऑस्ट्रेलिया के नियमित अंतराल पर विकेट चटकाते रहे। टॉम होगन (40), आर्यन शर्मा (10), हेडन शिलर (नौ) और बेन गॉर्डन (16) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 225 रन का स्कोर बनाया। जॉन जेम्स 68 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 77 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की अंडर-19 टीम के लिए हेनिल पटेल ने तीन विकेट, किशन कुमार और कौशिक चौहान ने दो-दो विकेट लिये। आर एस अम्ब्रिश ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

वनडे विश्व कपः सैकिया को उम्मीद, महिला टीम खिताब जीतने में सफल होगी

वनडे विश्व कप

- **30 सितंबर से गुवाहाटी में शुरू होने वाले विश्व कप में भारतीय टीम प्रबल दावेदार**
- **40 मिनट का उद्घाटन समारोह दिवंगत भारतीय गायक जुबिन गर्ग को समर्पित होगा**

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने उम्मीद जताई है कि भारतीय महिला टीम 30 सितंबर से गुवाहाटी में शुरू होने वाले वनडे विश्व कप में ट्रॉफी जीतने के लंबे इंतजार को खत्म करेगी। विश्व कप इस बार भारत और श्रीलंका में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ खेलेगी। भारत ने अभी तक महिला विश्व कप नहीं जीता है लेकिन इस बार उसे ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

गुवाहाटी में पहली बार : सैकिया ने रविवार को यहां बीसीसीआई मुख्यालय में कहा, पहले गुवाहाटी में पुरुष विश्व कप के अभ्यास मैच आयोजित किए जाते थे। पहली बार महिला विश्व कप गुवाहाटी से शुरू होगा। मैच भारत के साथ-साथ श्रीलंका में भी होंगे, इसलिए हर कोई हमारी टीम का समर्थन कर रहा है। भारत ने हाल में इंग्लैंड में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था जो बड़ी उपलब्धि है। सैकिया ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब परिपक्व हो चुकी है और मुझे यकीन है कि वे शानदार प्रदर्शन करके खिताब का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म करने में सफल रहेगी।

जुबिन गर्ग को समर्पित : बीसीसीआई सचिव ने बताया कि महिला विश्व कप के पहले मैच से पूर्व होने वाला उद्घाटन समारोह भारतीय गायक जुबिन गर्ग को समर्पित होगा, जिनका शुक्रवार को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान घायल होने के बाद निधन हो गया था। वह 52 वर्ष के थे। सैकिया ने कहा कि असम क्रिकेट संघ और बीसीसीआई गायक को श्रद्धांजलि देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सैकिया ने कहा, यह जुबिन की याद में 40 मिनट का कार्यक्रम होगा और संभवतः क्रिकेट जगत की ओर से उन्हें दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। मशहूर बॉलीवुड गायिका श्रेया घोषाल टूर्नामेंट के पहले मैच में पहली पारी समाप्त होने के बाद ब्रेक के दौरान भी प्रस्तुति देंगी।

वनडे सीरीज | **ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली**

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को 43 रन से हराया और सीरीज भी जीती

नई दिल्ली, एजेंसी। बेथ मूनी (138) की शतकीय, जॉर्जिया वॉल (81) और एलिस पेरी (68) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शनिवार को तीसरे और निर्णायक एकदिवसीय मुकाबले में भारत को 43 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

413 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में प्रतिका रावल (10) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में मेगन शूट ने हरलीन (11) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए ताबड़तोड़ 121 रन जोड़े। किम गार्थ ने 21वें ओवर में हरमनप्रीत 35 गेंदों में 52 रन को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में ग्रेस हैरिस ने शतकवीर स्मृति मंधाना को आउटकर भारत को बड़ा झटका दिया।

स्मृति मंधाना ने 63 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 125 रनों की पारी खेली। रिचा घोष (छह) रनआउट, राधा यादव (18), अरुंधती रेड्डी (10) रन बनाकर आउट हुई। दीप्ति शर्मा जब तक खेल रही थी लगा रहा था भारत यह मुकाबला जीत लेगा। 43वें ओवर में तालिया मैक्ग्रा ने दीप्ति शर्मा को आउट कर भारत के मैच जीतने की उम्मीदों को तगड़ा झटका दिया। दीप्ति शर्मा ने 58 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 72 रन बनाये। स्नेह राणा 35 रन बनाकर आउट हुई। 47वें ओवर की आखिरी गेंद पर किम गार्थ ने रेणुका सिंह (दो) को आउटकर 369 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर मुकाबला अपनी टीम के पक्ष में कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम के लिए किम गार्थ ने तीन विकेट लिये। मेगन शूट को दो विकेट मिले। एश्ली गार्डनर, तालिया मैक्ग्रा, ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वेयरहम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कप्तान एलिसा हीली और जॉर्जिया वॉल की सलामी जोड़ी ने 43 रन जोड़े। पांचवें ओवर में क्रांति गौड़ ने एलिसा हीली 18 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एलिस पेरी ने जॉर्जिया वॉल के साथ दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़कर बड़े स्कोर की नींव रखी। 22वें ओवर में स्नेह राणा ने जॉर्जिया वॉल को आउटकर इस शतकीय साझेदारी का अंत किया। जॉर्जिया वॉल ने 68 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 81 रन बनाये।

33वें ओवर में अरुंधती रेड्डी ने एलिस पेरी (68) और उसके बाद रेणुका सिंह ने एश्ले गार्डनर 39 को आउट किया। तालिया मैक्ग्रा (14) को दीप्ति शर्मा ने पगबाधा आउट किया। 45वें ओवर में बेथ मूनी रनआउट हुई। बेथ मूनी ने 75 गेंदों 23 चौके और एक छक्का लगाते हुए 138 रनों की आतिशी पारी खेली। इसी ओवर में दीप्ति शर्मा ने ग्रेस हैरिस (एक) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। रेणुका ने जॉर्जिया वेयरहम (16) को आउटकर अपना दूसरा विकेट लिया। किम गार्थ (एक) नौवें विकेट के रूप में आउट हुई। उन्हें अरुंधती रेड्डी ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसी ओवर में अरुंधती ने अलाना किंग (12) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को 47.5 ओवर में 412 के स्कोर पर समेट दिया।

भारत की ओर से अरुंधती रेड्डी ने तीन विकेट लिये। दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह को दो- दो विकेट मिले। क्रांति गौड़, स्नेह राणा, ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट

2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता

5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल

50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन

रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन

1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

निकिता रावल संग डेटिंग की अफवाहों पर संग्राम ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में जब रेसलर से एक्टर बने संग्राम सिंह ने निकिता रावल के साथ डेटिंग की अफवाह वाली खबर को पढ़ा तो वह हैरान रह गए। संग्राम को यह खबर सुनकर झटका लगा है। इस पूरे मुद्दे पर संग्राम सिंह ने खुलकर बात की है।

डेटिंग की अफवाहों पर संग्राम सिंह कहते हैं, 'मुझे कुछ वक्त पहले निकिता रावल के शो में बुलाया गया जो 6 एपिसोड का था। जहां मैं एक ही बार जज बनकर गया था। उन्होंने एक रील भी बनाई। हम 3 से 4 बार अपनी टीम से साथ उनके दूसरे शो के सिलसिले में ही मिले हैं। वो मुझे सर कहकर बुलाती हैं और मैं भी उन्हें जी कहकर बुलाता हूं। मैं उन्हें ज्यादा जानता नहीं हूं।'

फालतू की बातों पर ध्यान नहीं देता हूं

संग्राम सिंह आगे कहते हैं, 'मैं सबके साथ प्यार और सम्मान से बात करता हूं। मैं बहुत हैरान हूं कि मीडिया में बेसिर पैर की अफवाहें बिना किसी कंफर्मेशन के बड़े-बड़े प्लेटफार्म पर लग रही है। एक बार मुझसे तो पूछ लें कि क्या यह सच है? मैं इन फालतू बातों पर ध्यान नहीं देता हूं। मैं समाज के लिए कुछ करना चाहता हूं। मैं दुनिया में अपनी विरासत छोड़ना चाहता हूं। इस समय मैं रूरू2 के मैच की तैयारी में बहुत व्यस्त हूं, यह मैच दिसंबर में होने वाला है।'

तलाक की खबरें पढ़कर भी दुख हुआ

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए संग्राम सिंह कहते हैं, 'हाल ही मेरे तलाक पर भी ऐसे खबरें आईं जिसे पढ़कर दुख हुआ। मैं हमेशा इन लोगों का सॉफ्ट टारगेट रहता हूं। मैं यही कहूंगा कि ऐसी कोई खबर बिना मेरी परमिशन के ना छापे। मेरे काम को देखें। मैं बहुत ही जल्द एक बड़ी फिल्म के दिखाई दूंगा। आखिरी में मैं किसी भी एक्ट्रेस के साथ अफवाहों की खबरों का खंडन करता हूं।'

मैं अब ट्रोलिंग में पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं

अवनीत कौर टीवी की फेमस एक्ट्रेस हैं। फिर उन्होंने फिल्मों में काम किया। रानी मुखर्जी से लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी तक के साथ। अब वो बड़ा नाम बन चुकी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 31.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अपनी नई फिल्म लव इन वियतनाम को लेकर।

आपने 8 साल की उम्र में डांस रिएलिटी शो डीआईडी लिटिल मास्टर्स से शुरुआत की। झलक दिखला जा में दर्शील सफारी की कोरियोग्राफर रहीं। फिर ऐक्टिंग की ओर कैसे झुकाव हुआ?

असल में, मेरे ऐक्टर बनने में डांस का ही हाथ है। मेरी शुरुआत डांस से हुई, पर मैं हमेशा से ही ऐक्टर बनना चाहती थी। मैंने कथक सीखा है, जिसमें काफी भाव भंगिमाएं और अदाएं होती हैं और उसी से मुझमें ऐक्टिंग का कीड़ा जागा, तो कथक ने मुझे ऐक्टिंग की ओर प्रेरित किया।

अपने फिल्मी करियर में रानी मुखर्जी (मर्दानी), नवाजुद्दीन सिद्दीकी (टीकू वेड्स शेरू), राज बब्बर (लव इन वियतनाम) जैसे दिग्गजों के साथ ने आपको बतौर कलाकारा कितना संवारा?

निश्चित तौर इन सबसे बहुत सीखा, पर नवाज सर के साथ काम करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा था। मैं दोबारा उनके साथ काम करना चाहूंगी। वह बहुत ही अंडरस्टैंडिंग हैं। टीकू का किरदार करना मेरे लिए आसान नहीं था। मैं सिर्फ 17 साल की थी और बहुत डरी हुई थी, पर नवाज सर ने मुझे स्पेस और टाइम दिया। वरना कभी-कभी सीनियर ऐक्टर टोक देते हैं क्योंकि आप यंग हैं या नए हैं तो नर्वस हो जाते हैं, लाइन भूल जाते हैं, मगर उन्होंने मुझे वो वक्त दिया कि तू कर, जैसे तुझे करना है, मैं तेरे साथ हूं।

कई एक्ट्रेसेस ने कान्स में अपने लुक और कपड़ों को लेकर दबाव में होने की बात कही है। आपके साथ भी ऐसा कुछ था?

कोई भी चीज जब आप पहली बार करते हैं तो नर्वसनेस होती ही है। कान्स को लेकर मुझे भी ये टेंशन थी कि मैं क्या पहनूं, क्योंकि मैं अपने फैशन और स्टाइल को बहुत सीरियसली लेती हूं। वह मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट है। मुझे ज्यादा आत्मविश्वास महसूस होता है, जब मैं एक अच्छा आउटफिट पहनती हूं या अच्छा लुक कैरी करती हूं। हालांकि, कोई टीम नहीं थी, मैंने खुद ही अपना कान्स का लुक स्टाइल किया था।

ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

निश्चित तौर पर बुरा लगता है। आखिर तो हम भी इंसान ही है, लेकिन मैं बहुत वक्त से ये चीजें देख रही हूं, तो अब थोड़ा मैच्योर हो गई हूं। अभी थोड़ा ठहराव आ गया है, तो जब ये चीजें होती हैं तो मैं पॉजिटिव साइड देखने की कोशिश करती हूं। उन लोगों की सोचती हूं, जो इतना लोग प्यार देते हैं। मुझे पता है कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की है।

आपके इंस्टाग्राम पर 31.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं, आपने ऐसा क्या सही किया, जिससे लोगों ने रिलेट किया?

मुझे लगता है कि मैंने शुरुआत काफी जल्दी की थी, ये मेरा प्लस पाइंट रहा। यह फैन बेस धीरे धीरे ही बना है। अचानक कुछ नहीं हुआ, तो मेरा मानना है कि चूंकि हमने बहुत पहले ही मेहनत शुरू कर दी थी, इसलिए आज यहां तक पहुंचे हैं। हालांकि, मैं बस मजे के लिए विडियो और पोस्ट करती थी। तब बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ये इतना बड़ा मंच बन जाएगा और अब टास्क ये है कि आप जिस जगह पहुंच गए हैं, उससे आगे कैसे बढ़ें।

संग्राम मेरे अच्छे दोस्त हैं, अफेयर की खबरें गलत

हाल ही में कुश्ती से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने वाले संग्राम सिंह और अभिनेत्री पायल रोहतगी की शादी को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। खबरें आ रही हैं कि संग्राम सिंह का अभिनेत्री निकिता रावल के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा है, जिससे चर्चा बढ़ गई है। लेकिन जब निकिता रावल से इस बारे में बात की तो उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह से नकार दिया। बातचीत में निकिता ने साफ कहा, संग्राम मेरे अच्छे दोस्त हैं और ये गलत खबरें पहले ही उनके निजी जीवन में बहुत गड़बड़ कर चुकी हैं। मैं इन अफवाहों से बहुत परेशान हूं। लेकिन मैं इस बारे में आगे बात नहीं करना चाहती क्योंकि यह एक निजी मामला है।

युजवेंद्र चहल को धोखा देने के आरोपों पर बोलीं धनश्री

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की एक्स वाइफ धनश्री वर्मा इस समय रियलटी शो राइज एंड फॉल को लेकर चर्चा में हैं। हालिया एपिसोड में धनश्री ने युजवेंद्र चहल के साथ अपने रिश्ते पर बात की। धनश्री ने कहा कि उन्हें नीचा दिखाने के लिए युजवेंद्र ने निगेटिव पीआर कराया था। क्योंकि उन्हें डर था कि मैं कहीं मुंह ना खोल दूं। इससे पहले धनश्री वर्मा कई बार युजवेंद्र चहल के साथ अपने बिगड़ते रिश्ते और तलाक पर बात कर चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि अब प्यार की तलाश नहीं है। अपनी पहली शादी में काफी मुश्किलों का सामना कर चुकी हैं। इसलिए अब दोबारा कभी शादी नहीं करेंगी। राइज एंड फॉल शो के एक एपिसोड में जब अरबाज पटेल ने धनश्री वर्मा से पूछा कि सुनने में आया था कि आपने युजवेंद्र चहल को धोखा दिया था? इस सवाल पर धनश्री कहती हैं- उन्हें डर था कि कहीं मेरे मुंह से कुछ न निकल जाए, इसलिए मेरे खिलाफ निगेटिव पीआर किया गया। यह केवल अफवाहें और फालतू बातें हैं। मैं धीरे-धीरे सभी बातें स्पष्ट करूंगी। बता दें धनश्री और युजवेंद्र चहल की मुलाकात कोरोना महामारी के दौरान हुई थी। दिसंबर 2020 में दोनों ने शादी की। हालांकि शादी के बाद दोनों के बीच मतभेद बढ़ते गए और 2022 से अलग रहने लगे। फरवरी 2025 में कपल ने आपसी सहमति से तलाक के लिए याचिका दायर की और मार्च में उनका रिश्ता आधिकारिक रूप से खत्म हो गया।

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान

कुनिका का किया जिक्र

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है।

थोड़ा तो ख्याल करो

गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'हां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है।'

बिग बॉस 7 की विजेता रही हैं गौहर खान

आपको बताते चलें कि गौहर खान का बिग बॉस से जुड़ाव काफी पुराना है। अभिनेत्री बिग बॉस 7 की विजेता थीं। इसीलिए अक्सर उन्हें बिग बॉस को लेकर टिप्पणी करते देखा जाता है।

किस बात पर भिड़े थे अमाल-कुनिका?

इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं इस बार पैसे भी कमाऊंगा

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

इस बार मैं पैसे कमाऊंगा

बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा।

ऐश्वर्य ने काफी मेहनत की

ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं। मैं भी दूसरों से सीखता हूं। मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं और मैं अटकना नहीं चाहता। मैं फॉर्मूले और ऐसे लोगों से दूर रहता हूं जो मुझे नीचे गिराते हैं। 'निशानची' एक गैंगस्टर हार्टलैंड ड्रामा है। इसमें ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009